@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

सोमवार, 17 अगस्त 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 283 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुलाया : अमित शाह

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची अष्टधातु प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी

चित्तौड़गढ़। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम के 150वें वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से इस गीत को फिर से आयुष देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की निर्लज्जता देखिए, कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। चालू गान में कांग्रेस की नेत्री सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। हम सब टीवी पर देखते रहे। 80 साल के बाद बंकिम बाबू का यह गान फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है, वो भी सोनिया गांधी को रास नहीं आ रहा है। अमित शाह रविवार को राजस्थान प्रवास के दौरान चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची अष्टधातु प्रतिमा के अनावरण के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता सोनिया गांधी के इस कृत्य को देख रही है। वंदे मातरम का अपमान देश कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में यदि जरा भी शर्म बाकी है तो उसे हाथ जोड़कर बंकिम बाबू की अमर आत्मा और देश की जनता से इस कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए।

मेवाड़ की वीर भूमि देशभक्तों के लिए काशी से कम नहीं-

केन्द्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि मेवाड़ की यह वीर भूमि देशभक्तों के लिए काशी से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि इस वीर भूमि के महाराणा प्रताप, वीर पूंजा भील और सेठ भामाशाह की राष्ट्रभक्ति, धर्मभक्ति, स्वराज के प्रति लगन ने मुगलों के विजय रथ को रोक कर रख दिया था। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहले 11 लाख घरों तक ही नल से पानी पहुंचा था। माताएं-बहनें सिर पर तीन-तीन मटकियां लेकर कोसों दूर से पानी लेकर आती थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुए जल जीवन मिशन से 8 साल में ही राजस्थान में 64 लाख घरों तक पानी पहुंचा है।

वादे पूरे करने की दिशा में तेज गति से काम कर रहे : भजनलाल शर्मा

केन्द्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे वादे पूरे करने की दिशा में तेज गति से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान को पानी की कमी के लिए जाना जाता था, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तीन बड़े जल समझौते कर आधे राजस्थान की प्यास बुझाने का काम किया है। हरियाणा, गुजरात और पंजाब तक का पानी वे यहां लाए हैं। साथ ही, पूरे राजस्थान को हरियाली से भरने के लिए प्रदेश में विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। राजस्थान के विकास के लिए 36 नई नीतियां बनाई हैं। प्रदेश में 1 लाख 78 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। गरीब परिवारों को 450 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। अब तक 5 करोड़ 87 लाख सिलेंडर पर प्रदेश में सब्सिडी दी गई है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में 45 लाख लोगों को लाभ मिला है।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

उत्तर प्रदेश में पांच करोड़ घरों में तिरंगा फहराने के महायज्ञ की आज पूर्णाहुति हो रही है। **'हर घर तिरंगा' महा-अभियान में उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागी बने आप सभी प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं।** प्रदेश का नवसामर्थ्य जब विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों के रूप में झलकता है, तो मन हर्षित हो उठता है।

जब संकल्प का कोई विकल्प नहीं रह जाता, तभी असंभव लक्ष्य भी सिद्ध हो पाते हैं। स्वतंत्रता दिवस हमें सदैव उन वीरों के ऐसे ही संकल्पों का स्मरण कराता है, जो देश के लिए हंसते-हंसते शहीद हो गए। **बाबू बंधू सिंह, खुदीराम बोस, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह एवं पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल' जैसे मां भारती के अनेक वीर सपूतों ने युवावस्था में ही अपना सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित कर दिया।**

किशोरावस्था और युवावस्था जीवन का एक स्वर्णिम दौर है। **तरुणाई अंगड़ाई लेती है और सपने आकार लेते हैं।** व्यक्तित्व का निर्माण होता है तथा कुछ कर गुजरने की लालसा बलवती होती है। यही समय तय करता है कि हमारी ऊर्जा और सामर्थ्य केवल हमारे अपने भविष्य को आकार देंगे या समाज और राष्ट्र के भविष्य को भी नई दिशा देंगे।

हमारा गौरवशाली इतिहास ऐसे अनेक दृष्टांतों से परिपूर्ण है, जब भारतीय विभूतियों ने उम्र की सीमाओं से परे जाकर देश और दुनिया को मार्ग दिखाया। **आदि शंकराचार्य ने अल्पायु में ही भारत की आध्यात्मिक चेतना को एक सूत्र में पिरो दिया। स्वामी विवेकानंद ने युवावस्था में ही भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति का संदेश विश्व मंच तक पहुंचाया।** इनका जीवन सिखाता है कि उम्र छोटी हो सकती है, लेकिन संकल्प और सामर्थ्य बड़ा होना चाहिए।

जब मैं 26 वर्ष की अवस्था में पहली बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुआ और सार्वजनिक जीवन का व्रत लिया, तब से अब तक मेरे सामने भी राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा के यही आदर्श सर्वोपरि रहे हैं। आज प्रदेश सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर प्रदान कर रही है। विगत साढ़े नौ वर्षों में शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार और खेल के क्षेत्र में अनेक अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। **आवश्यकता है कि किशोर एवं युवा इन अवसरों का लाभ उठाएं। अपने संकल्प को राष्ट्रनिर्माण के वृहद लक्ष्य से जोड़ें और उसे सुदृढ़ करने के लिए नियमित योग एवं व्यायाम को जीवन का अंग बनाएं।** तिरंगे के मूल्यों- शौर्य, शांति और समृद्धि को अपने जीवन में उतारें। **जाति-पाति से ऊपर उठकर एकता एवं समरसता का मार्ग चुनें।**

युवा साथियों, आत्मनिर्माण से राष्ट्रनिर्माण का महती दायित्व आपके कंधों पर है। आपकी ऊर्जा, प्रतिभा, अनुशासन एवं संकल्प से ही विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का लक्ष्य साकार होगा। यही युवा शक्ति उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है।

आपका
योगी आदित्यनाथ

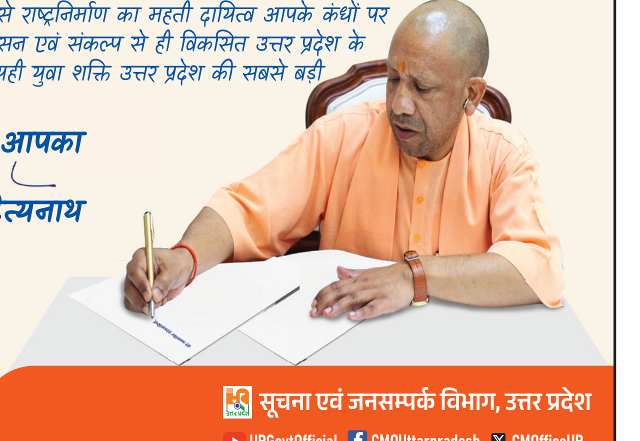

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP
उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।

रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि

कौमी पत्रिका

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने रानी अवंती बाई लोधी को 1857 के प्रथम स्वातंर्त्य समर की महान क्रांतिकारियों में से एक बताया। सीएम योगी ने कहा कि वीरांगनाओं का योगदान, तप, त्याग और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आज वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की 196वीं जयंती है। वर्ष 1857 में उनकी आयु मात्र 27 वर्ष थी। इतनी कम उम्र में उन्होंने देश की आजादी के संघर्ष में अपना बलिदान देकर मिसाल कायम की। उनका बलिदान आज भी युवाओं को राष्ट्र के लिए समर्पण की प्रेरणा देता है। सीएम योगी ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी भारत की आजादी की उन महान नायिकाओं में शामिल हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने में कोई संकोच नहीं किया। रानी अवंती बाई लोधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ देश की आजादी के लिए संघर्ष किया गया। आज भी हर व्यक्ति श्रद्धा के साथ उनकी स्मृतियों को नमन करता है। उनके योगदान और बलिदान के लिए हर भारतवासी नतमस्तक है। सीएम ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी का आदर्श उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणा बन सके, इसके लिए सरकार ने महिला पीएसी की तीन नई बटालियन के गठन की दिशा में काम आगे बढ़ाया है। इन बटालियनों का नामकरण वीरांगनाओं के नाम पर किया गया है। उन्होंने बताया कि बदायूं में रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर पीएसी की नई वाहिनी का गठन लगभग पूरा हो चुका है। वहां रानी अवंती बाई लोधी की अश्वारोही प्रतिमा स्थापित करने की कार्रवाई अंतिम चरण में है। वहीं, लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी और गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर महिला पीएसी बटालियन के गठन का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। दोनों स्थानों पर संबंधित वीरांगनाओं की अश्वारोही प्रतिमाएं स्थापित करने की दिशा में भी काम चल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश में मातृशक्ति की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते थे। वीरांगनाओं के नाम पर किए जा रहे इन कार्यों का उद्देश्य यही है कि उन सवालों पर छाए बादल समाप्त हों। बेटियां सुरक्षित रहें और सम्मान के साथ सिर उठाकर समाज के हर क्षेत्र में काम कर सकें। उन्होंने कहा कि बेटियों के स्वावलंबन के लिए सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार इसी विश्वास के साथ महिला सशक्तीकरण के कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 20 प्रतिशत बेटियों की भर्ती अनिवार्य की गई है। वर्ष 2017 में यूपी पुलिस में महिलाओं की संख्या करीब 10 हजार थी, जो अब बढ़कर 45 हजार से अधिक हो चुकी है। सीएम योगी ने कहा कि नारी केवल नारा नहीं है, बल्कि नारी के गौरव की रक्षा सुनिश्चित की जा रही है। महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ राष्ट्र प्रथम की भावना से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, जय देवी, विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी आदि ने भी वीरांगना अवंती बाई लोधी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया।

अब दिल्ली में सोनिया-राहुल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

बंगलूरू। 15 अगस्त को कांग्रेस के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगीत वंदे मातरम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में अधिवक्ता शुभ शर्मा ने नई दिल्ली के आईपी एस्टेट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एआईसीसी मुख्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान 'वंदे मातरम' के गायन में जानबूझकर व्यवधान डाला गया। अधिवक्ता शुभ शर्मा ने इस कथित घटना को लेकर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के मुताबिक, 15 अगस्त 2026 को एआईसीसी मुख्यालय में कांग्रेस का स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया था। इसी कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन हुआ। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस दौरान जानबूझकर बाधा या व्यवधान पैदा किया गया। इसी आरोप को लेकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी गई है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि घटना में वास्तव में क्या हुआ था। इससे पहले कर्नाटक के मंगलूरू में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ उरवा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। यह शिकायत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत %वंदे मातरम% को गाने के दौरान सोनिया गांधी के हाव-भाव को लेकर हुए विवाद के बाद की गई है। मंगलुरु में भाजपा नेता विकास पुत्तुर ने कहा कि कल कांग्रेस पार्टी की हरकतों को पूरे भारत ने देखा है। कांग्रेस पार्टी लंबे समय से वंदे मातरम का विरोध करती रही है।

महाराष्ट्र के कोलाबा में नौसैनिक के घर से 4 शव बरामद होने से सनसनी

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के कोलाबा स्थित नेवी नगर में भारतीय नौसेना के एक नाविक, उनकी पत्नी और दो छोटे बच्चों के घर पर मृत पाए जाने से सनसनी फैल गई। बच्चों की उम्र दो महीने और तीन साल बताई गई है। नेवीनगर पुलिस ने चारों शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को नेवीनगर में स्थित नेवी क्वार्टर से एक नाविक, उसकी पत्नी और दो बच्चों का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। नाविक के आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, दोनों बच्चों की मौत की परिस्थितियां अभी स्पष्ट नहीं हैं। प्रथम दृष्टया आशंका है कि बच्चों की मौत जहर दिए जाने से हुई हो सकती है। हालांकि मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

वंदे मातरम के कथित विरोध पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला

24 घंटे में माफी की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के पाठ के कथित विरोध को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर हमला बोला है। भाजपा ने कांग्रेस से इस मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। भाजपा मुख्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राष्ट्रीय गीत का विरोध केवल 'दिमागी नक्सल' विचारधारा से प्रभावित लोग ही कर सकते हैं। उन्होंने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पांच सवाल भी पूछे। भंडारी ने कथित तौर पर वंदे मातरम का अपमान किए जाने को लेकर कांग्रेस से 24 घंटे के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने को कहा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस विचारधारा के राजनीतिक संरक्षक हैं। उन्होंने एक ऑडियो का हवाला देते हुए कहा कि इसमें राहुल गांधी के वंदे मातरम नहीं गाने की बात कही गई है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि केरल में कांग्रेस सरकार ने भी आधिकारिक कार्यक्रमों में वंदे मातरम का पाठ नहीं किया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इन घटनाओं से कांग्रेस पर लगाए जा रहे राष्ट्रवाद की कमी के आरोपों को बल मिलता है और कांग्रेस नेता जयराम रमेश के बयान भी गलत साबित होते हैं।

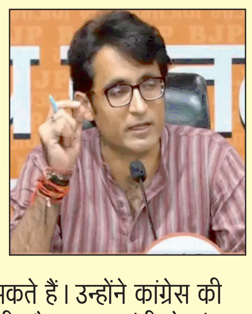

मध्य प्रदेश के इंदौर में देश के पहले वर्चुअल चिड़ियाघर का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में 14-डी सिनेमा थिएटर और वर्चुअल जंगल सफारी का किया भी लोकार्पण

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को देश के पहले वर्चुअल चिड़ियाघर का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने इंदौर प्राणी संग्रहालय में स्थापित साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से पीपीपी मॉडल पर निर्मित 14-डी सिनेमा थियेटर एवं वर्चुअल जंगल सफारी का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर जो भी करता है, सबसे अच्छा करता है। इंदौर निरंतर नवाचार और विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्चुअल जंगल सफारी आमजन के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। इससे लोगों को जंगल और वन्यजीवों का आभासी अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से नगर निगम को आमदनी भी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों एवं स्कूली बच्चों के साथ 14-डी सिनेमा थियेटर में बैठकर फिल्म का आनंद लिया। फिल्म देखने के बाद उन्होंने कहा कि दोनों फिल्में देखकर उन्हें अद्भुत आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने वर्चुअल जंगल सफारी का भी अवलोकन किया तथा सफारी की व्यवस्थाओं एवं तकनीकी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने रिमोट दबाकर फव्वारे का शुभारंभ किया। उन्होंने एक्वेरियम में मौजूद रंग-बिरंगी मछलियों का भी अवलोकन किया। उन्होंने प्राणी संग्रहालय में विकसित की गई इन नवीन सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे शहरवासियों, बच्चों और पर्यटकों को मनोरंजन के साथ वन्यजीवों एवं प्रकृति को नए तकनीकी माध्यम से समझने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, सावन सोनकर, सुमित मिश्रा, गौरव रणदिवे, एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

पंजाब में आतंकी हमला नाकाम : अमृतसर में आईईडी बरामद

इन ठिकानों को उड़ाने की थी प्लानिंग

डेटोनेटर-टाइमर भी मिला

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को देश के पहले वर्चुअल चिड़ियाघर का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने इंदौर प्राणी संग्रहालय में स्थापित साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से पीपीपी मॉडल पर निर्मित 14-डी सिनेमा थियेटर एवं वर्चुअल जंगल सफारी का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर जो भी करता है, सबसे अच्छा करता है। इंदौर निरंतर नवाचार और विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्चुअल जंगल सफारी आमजन के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। इससे लोगों को जंगल और वन्यजीवों का आभासी अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से नगर निगम को आमदनी भी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों एवं स्कूली बच्चों के साथ 14-डी सिनेमा थियेटर में बैठकर फिल्म का आनंद लिया। फिल्म देखने के बाद उन्होंने कहा कि दोनों फिल्में देखकर उन्हें अद्भुत आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने वर्चुअल जंगल सफारी का भी अवलोकन किया तथा सफारी की व्यवस्थाओं एवं तकनीकी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने रिमोट दबाकर फव्वारे का शुभारंभ किया। उन्होंने एक्वेरियम में मौजूद

रंग-बिरंगी मछलियों का भी अवलोकन किया। उन्होंने प्राणी संग्रहालय में विकसित की गई इन नवीन सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे शहरवासियों, बच्चों और पर्यटकों को मनोरंजन के साथ वन्यजीवों एवं प्रकृति को नए तकनीकी माध्यम से समझने का अवसर मिलेगा।

कंटेनर ने ऑटो को रौंदा, 7 लोगों की मौत , झारखंड में भीषण सड़क हादसा

लातेहार (एजेंसी)। झारखंड के लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के तहत आने वाले लोहरदगा–चंदवा मुख्य मार्ग पर स्थित डेढ़टंगवा घाटी में एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। इस दर्दनाक हादसे में कुल सात लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लोहरदगा की तरफ से आ रहा एक भारी कंटेनर घाटी के तीखे ढलान पर अचानक पूरी तरह से अनियंत्रित हो गया। बेकाबू हुए इस कंटेनर ने सबसे पहले चंदवा से लोहरदगा जा रहे एक बाइक और ऑटो को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण टक्कर के कारण बाइक पर सवार एक महिला और बच्चे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा, ऑटो में सवार चार लोगों की भी मौत होने की पुष्टि हुई है। एक के बाद एक दो वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने से घटनास्थल पर चीख–पुकार मच गई और भारी अफरा–तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल तुरंत मौके पर पहुंचे। बचाव दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने इस मामले में आगे की कानूनी जांच–पड़ताल शुरू कर दी है।

किसानों का दिल्ली कूच का ऐलान : हरियाणा–पंजाब बॉर्डर सील, बढ़ा तनाव

जींद (एजेंसी)। किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान के बाद, हरियाणा–पंजाब के खनौरी बॉर्डर को देर रात सील किया गया है, जिससे जींद सहित सीमावर्ती इलाकों में तनाव बढ़ गया है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) के प्रमुख नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने भारत–अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में 16 अगस्त से किसान बचाओ पदयात्रा शुरू करने का आह्वान किया है। यह 228 किलोमीटर लंबी पदयात्रा दातासिंहवाला से शुरु होकर 29 अगस्त को दिल्ली के जंतर–मंतर पर समाप्त होगी। किसानों को राजधानी पहुंचने से रोकने के लिए जींद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। बॉर्डर पर पाँच लेयर की कड़ी बैरिकेडिंग के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है, ताकि किसानों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। इससे पहले, शनिवार को जींद में किसान नेताओं और पुलिस के बीच मामूली झड़प भी देखने को मिली थी, जिससे स्थिति की गंभीरता और बढ़ गई है। इस पैदल यात्रा में 51 मुख्य किसानों के अलावा 200 अन्य किसान भी शामिल हैं।

गुरदासपुर जिले में पेड़ पर गुब्बारे में पाकिस्तानी झंडा लगा मिला, मचा हड़कंप

गुरदासपुर (एजेंसी)। गुरदासपुर जिले में पाकिस्तानी झंडा और गुब्बारा मिलने की सूचना मिली है। जिले के कलानौर थाने के बॉर्डर गांव रसूलपुर के खेतों में सफेदे के पेड़ पर पाकिस्तानी झंडा और गुब्बारे लटके मिले। जानकारी के मुताबिक सुबह गांव के बाहर नहर विभाग की माइनर सड़क पर पेड़ से गुब्बारों से बंधे दर्जनों हरे और सफेद रंग के पाकिस्तानी झंडे लटके देखे गए। जब कलानौर थाने को इन गुब्बारों और पाकिस्तानी झंडे की सूचना मिली, तो पुलिस मौके पर पहुंची और गांव के सरपंच भी मौके पर पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने सफेदे के पेड़ पर लटके पाकिस्तानी झंडे और गुब्बारों को अपने कब्जे में लिया। पाकिस्तानी गुब्बारों पर दिल दिल पाकिस्तान लिखा था। इस बीच जब इस संबंध में थाना प्रमुख कलानौर से बात की तो उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गुब्बारों को अपने कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर अचानक चली गोली, दो कर्मचारी घायल

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के वाराणसी स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के हथियार से अचानक गोली चल गई। इस घटना में एयरपोर्ट पर तैनात दो सुरक्षा कर्मचारी घायल हो गए। घटना के बाद कुछ समय के लिए पूरे टर्मिनल भवन में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार सुबह करीब 9ः30 बजे वाराणसी एयरपोर्ट पर सब कुछ सामान्य था। आजमगढ़ निवासी कमलेश राय (55) अपनी पत्नी के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से मुंबई जाने के लिए पहुंचे। उन्होंने एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को पहले ही जानकारी दे दी थी कि उनके पास लाइसेंसी हथियार मौजूद है। नियम के मुताबिक हवाई यात्रा के दौरान लाइसेंसी असलहे को जमा करके पायलट केबिन में सुरक्षित रखा जाता है। इसके लिए हथियार से मैगजीन को अलग करना जरूरी होता है। जब यात्री कमलेश अपनी पिस्टल से मैगजीन निकाल रहे थे, तभी अचानक पिस्टल का ट्रिगर दब गया और गोली चल गई। गोली चलते ही मौके पर तैनात दो सुरक्षाकर्मी इसकी चपेट में आ गए। एक महिला कर्मचारी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरी गोली पुरुष कर्मचारी के हाथ को छूती हुई निकल गई। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज जारी है।

पंजाब भाजपा में संगठनात्मक फेरबदल से नाराजगी, धड़ाधड़ इस्तीफे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब भाजपा में हालिया संगठनात्मक फेरबदल के बाद अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आ गया है। पार्टी ने करीब दो सप्ताह के भीतर छह जिला अध्यक्षों को बदल दिया है। जिसके बाद कई पुराने और वरिष्ठ नेताओं ने विरोध जताते हुए संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। सबसे ज्यादा विरोध होशियारपुर में देखने को मिला। जिला अध्यक्ष के बदले जाने के बाद वरिष्ठ नेता तीक्ष्ण सूद ने संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दिया। उनके समर्थन में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सामूहिक इस्तीफे की बात सामने आई है। फरीदकोट में भी जिला अध्यक्ष बदलने के विरोध में मंडल अध्यक्ष सहित करीब 10 पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया है।

दिमागी नक्सलवाद पर मचा सियासी घमासान, कई नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाल किले से दिए गए भाषण में दिमागी नक्सल शब्द के इस्तेमाल ने देश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा था कि देश में जहां एक तरफ हथियारबंद नक्सलवाद खात्मे की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ दिमागी नक्सल समाज में अराजकता फैलाने और युवाओं को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। इस बयान पर कांग्रेस, सीपीआई, तृणमूल कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) समेत तमाम विपक्षी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

पीएम मोदी का बयान के सामने आते ही विपक्षी दलों ने उन पर स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए करने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पहले उन्होंने अपने विरोधियों को अर्बन नक्सल कहा, अब वे उन्हें दिमागी नक्सल कह रहे हैं। यह उनकी हताशा का स्पष्ट संकेत है। पीएम अक्सर उन्हीं नीतियों को अपनाते हैं जिनकी सलाह उनकी तरफ से निशाना बनाए गए लोग देते हैं।वहीं सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता और स्वतंत्र पत्रकार सौरभ दास ने पीएम की शब्दावली पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा, दिमागी नक्सल या ऐसा कोई भी ठप्पा काम नहीं आने वाला, प्रधानमंत्री जी ! आप देश के शिक्षित युवाओं को सिर्फ इसलिए नक्सली कैसे कह सकते हैं क्योंकि वे आपकी सरकार से सवाल पूछते हैं? यह सरासर अहंकार और युवाओं की समस्याओं को हल करने में नाकामी है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वैचारिक विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा, सुरक्षा बलों ने जंगलों में जारी बंदूकधारी माओवादी उग्रवाद को लगभग ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन नक्सली विचारधारा वाले लोग अब दिमागी नक्सल के रूप में देश को गलत रास्ते पर ले जाने और युवाओं को गुमराह करने के मौकों की तलाश में हैं।पीएम ने कहा कि माओवादी विचारधारा ने दशकों तक सत्ता के गलियारों और सलाहकार समितियों में पैठ बनाकर सरकारी नीतियों को प्रभावित किया था। हमें इन दिमागी नक्सलियों को अलग-थलग करना होगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी. राजा ने कहा कि राइट-विंग ट्रॉप्स में एंटी-नेशनल और टुकड़े-टुकड़े गैंग के बाद अब पीएम ने दिमागी नक्सल का एक नया निरर्थक लेबल जोड़ दिया है। यह असहमति की आवाजों को दबाने और रोजगार-शिक्षा मांगने वाले युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है।टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने पीएम के बयान पर तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, हां, मैं एक दिमागी नक्सल हूं। परिभाषा के मुताबिक सभी कॉकरोच होते हैं। 2027 और 2028 के आगामी राज्य विधानसभा चुनावों से पहले लाल किले से आया यह बयान आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा बहस का एक मुख्य केंद्र बनने वाला है।

देश में मानसून का कहर : यूपी में जलभराव, उत्तराखंड में हाईवे बंद, हिमाचल में 183 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून ने फिर कहर बरपाया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं ने जनजीवन अस्त–व्यस्त किया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में महज कुछ घंटों की बारिश के बाद सड़कें दो फीट तक पानी में डूब गईं, वहीं गोमती नगर, हजरतगंज और जानकीपुरम जैसे पॉश इलाकों सहित कई जगह घरों के बेडरूम और किचन तक पानी घुस गया। वाराणसी में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे घाट किनारे के 100 से अधिक छोटे मंदिर जलमग्न हो गए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के उफान पर आने से यूपी–एमपी को जोड़ने वाला पुल डूब गया है और पानी कॉलोनियों तक पहुंच गया है। प्रदेश में कुल 11 नदियां खतरे के निशान पर हैं। उत्तराखंड के चमौली में भारी बारिश से बाजपुर के पास पहाड़ खिसक गया, जिससे बद्रीनाथ हाईवे बंद हुआ है और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। हिमाचल में 30 जून से 15 अगस्त के बीच मानसून संबंधी घटनाओं में अब तक 183 लोगों की मौत हुई है और शनिवार शाम तक 103 सड़कें बंद थीं। मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सक्रिय मानसूनी सिस्टम के कारण जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में अगले तीन दिनों के लिए भारी बारिश की चेतावनी है। वहीं राजस्थान में भी 10 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जहां शनिवार को भरतपुर, धौलपुर सहित कई जिलों में एक इंच तक बारिश दर्ज की गई।

अयोध्या के राम मंदिर में लागू हुआ नया परिधान नियम , एक समान पारंपरिक वेशभूषा में नजर आएंगे पुजारी

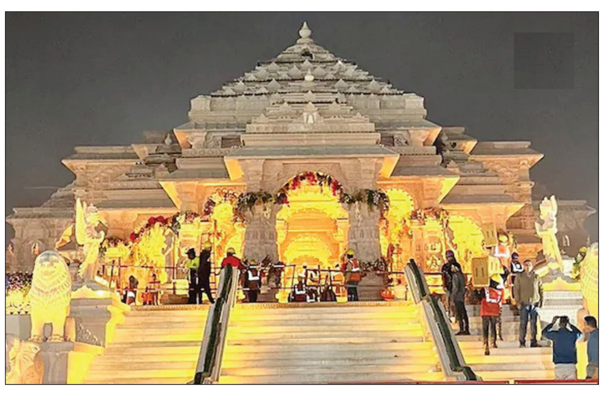

अयोध्या(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित ऐतिहासिक श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पुजारियों के लिए नई वेशभूषा की व्यवस्था लागू कर दी गई है। मंदिर के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि अब मंदिर के सभी पुजारी एक समान पारंपरिक परिधान में नजर आएंगे, जिससे पूजा-अर्चना और सेवा व्यवस्था में अधिक अनुशासन और एकरूपता देखने को मिलेगी।

मंदिर न्यास की धार्मिक समिति की सदस्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने बताया कि यह नया परिधान पूरी तरह से रामानंदी परंपरा के अनुरूप तय किया गया है। इसके तहत सभी पुजारी अब हल्के पीले रंग की रेशमी धोती और उसी रंग का रेशमी उत्तरीय धारण करेंगे। भगवान राम को हल्का पीला रंग अत्यंत प्रिय माना जाता है, इसलिए विशेष रूप से इसी रंग को इस परिधान के लिए चुना गया है। नए नियमों के अंतर्गत पुजारियों की साज-सज्जा से जुड़े कड़े मानक भी निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत पुजारियों को या तो पंचकेश परंपरा का पालन करना होगा या फिर वे पूरी तरह से मुंडित रहेंगे। मंदिर परिसर में आंशिक रूप से बढ़े हुए बाल या दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, रामानंदी परंपरा के अनुसार माथे पर विशेष तिलक धारण करना भी अनिवार्य कर दिया गया है। धार्मिक समिति के अन्य सदस्य महंत राजकुमार दास ने स्पष्ट किया कि वस्त्रों की पवित्रता और शुद्धता को सर्वोपरि रखते हुए रेशमी परिधान का चयन किया गया है। समिति का मानना है कि इस नई व्यवस्था से मंदिर की धार्मिक गरिमा और अधिक सुदृढ़ होगी।

सीएम बोले- बीआरएस ने सरकार गिराने के लिए कराया तंत्र-मंत्र

तेलंगाना में तंत्र–मंत्र को लेकर राजनीति गर्माई

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजनीति में इन दिनों एक अजीबोगरीब और गंभीर विवाद ने जन्म ले लिया है। राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्य विपक्षी दल भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। संगारेड्डी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बीआरएस के नेता कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने और उसे बदनाम करने के लिए तंत्र-मंत्र और काले जादू का सहारा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नेता राज्य में सूखे की स्थिति पैदा होने और किसानों की परेशानियों के लिए प्रार्थनाएं कर रहे हैं, ताकि सरकार के खिलाफ माहौल बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने सीधे तौर पर नाम लिए बिना बीआरएस विधायक टी. हरीश राव पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश राव ने कर्नाटक और तमिलनाडु के विभिन्न मंदिरों में जाकर तंत्र-मंत्र अनुष्ठान किए हैं। इस विवाद को हवा देते हुए तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने भी पूर्व में यह दावा किया था कि हरीश राव ने राज्य में बारिश को रोकने के लिए क्षुद्र पूजा का आयोजन किया था। इससे पहले 13 अगस्त को भी मुख्यमंत्री ने बीआरएस पर इसी तरह के आरोप लगाए थे। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने रायथु भरोसा योजना के तहत लगभग 70 लाख किसानों के बैंक खातों में 36 हजार करोड़ रुपए की राशि स्थानांतरित की है। उन्होंने दावा किया कि एल नीनो के प्रभाव के बावजूद गोदावरी और कृष्णा नदियों में पर्याप्त जल उपलब्धता बनी रही। साथ ही, राज्य सरकार की ओर से हर महीने 3.48 करोड़ लोगों को 2 लाख क्विंटल से अधिक चावल वितरित किया जा रहा है।

दूसरी ओर, बीआरएस नेता हरीश राव ने मुख्यमंत्री के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन पर पलटवार किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर स्वतंत्रता दिवस जैसे गरिमापूर्ण अवसर पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। हरीश राव ने कहा कि वे भ्रष्टाचार, अधूरी किसान कर्ज माफी और खाद की कमी जैसे जनहित के मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं, जिससे बौखलाकर मुख्यमंत्री उन पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आगे भी किसानों, बेरोजगार युवाओं और छात्रों की आवाज उठाते रहेंगे। हरीश राव ने चेतावनी दी है कि वे मुख्यमंत्री के इन आरोपों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे।

भारत के वैश्विक महाशक्ति बनने की यात्रा में महाराष्ट्र अग्रणी भूमिका निभाएगा : शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि भारत के वैश्विक महाशक्ति बनने की यात्रा में महाराष्ट्र अग्रणी भूमिका निभाएगा। इसके साथ उन्होंने रक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल क्षेत्रों में देश की तेजी से हो रही तरक्की का जिक्र किया। ढाणे के जिलाधिकारी कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने तकनीक की अच्छी समझ रखने वाले जेन–जी को भारत की असली महाशक्ति बताया और उन्हें स्टार्टअप, एआई समाधानों और हरित प्रौद्योगिकियों के जरिए नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिंदे ने किसानों, युवाओं, महिलाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी से संचालित विकास रणनीति पर जोर देते हुए रक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल क्षेत्रों में देश की प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनाने की यात्रा में महाराष्ट्र देश का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि अपने गृह क्षेत्र ढाणे को एक आधुनिक केंद्र में बदलने के लिए कई बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। शिंदे ने ढाणे आंतरिक मेट्रो गलियारा, ढाणे–बोरीवली दोहरी सुरंग वाली सड़क परियोजना और शहर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त 6,059 सुरक्षा कैमरे लगाने की परियोजना पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।

कॉजपा ने युवाओं को नक्सली कहने पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए संबोधन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने प्रधानमंत्री के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें उन्होंने ''दिमागी नक्सल'' सोच रखने वाले तत्वों का उल्लेख किया था।

स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि जहां एक ओर सशस्त्र नक्सलवाद का खतरा अब समाप्ति की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर ''दिमागी नक्सल'' मानसिकता वाले कुछ लोग देश में अशांति और हिंसा फैलाने के अवसर तलाश रहे हैं तथा समाज को भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आह्वान किया था कि ऐसे लोगों की पहचान करके उन्हें अलग-थलग किया जाना चाहिए और युवाओं को सकारात्मक दिशा में मुख्यधारा से जोड़ा जाना चाहिए। इस बयान पर पलटवार करते हुए कॉजपा प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से तीखा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि केवल सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाले पढ़े-लिखे युवाओं को ''नक्सली'' करार देना उचित नहीं है। दास ने इसे सरकार का अहंकार और जनता की समस्याओं को हल करने में विफलता करार देते हुए कहा कि ऐसी बातें काम नहीं आएंगी और अब बदलाव का समय आ गया है।अपने एक अन्य संदेश में दास ने दावा किया कि देश एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां लोगों के मन से डर की भावना समाप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि जिस पीढ़ी को हमेशा चुप रहने की सीख दी गई थी, आज उसे अपनी आवाज और माध्यम मिल चुका है। शांतिपूर्ण विरोध और जन-जागृति के इस नए दौर में लोग धीरे-धीरे पुरानी व्यवस्थाओं को पीछे छोड़ रहे हैं। इसके साथ ही, कॉजपा प्रवक्ता ने सत्ता पक्ष पर युवाओं को बांटने की कोशिश करने का भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश के हर कोने में निराशा से उबरकर लोग एकजुट हो रहे हैं और खुद को कमजोर समझने वाले नागरिक अब सामूहिक ताकत महसूस कर रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में इस बयान के बाद जुबानी जंग तेज हो गई है।

महुआ मोइत्रा से सर्किट हाउस खाली कराने के आदेश पर बवाल, बाहर जुटी हमलावर भीड़

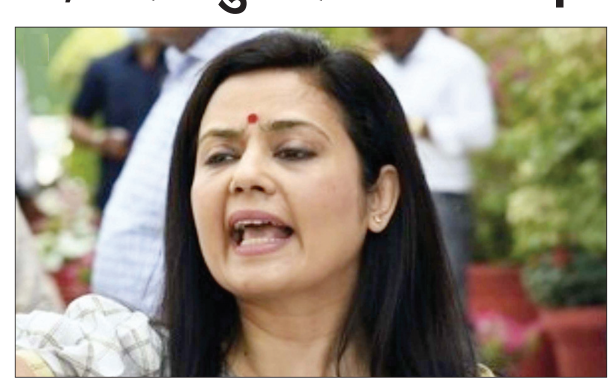

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कृष्णनगर सर्किट हाउस में तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को देर रात कमरा खाली करने के लिए कहे जाने से विवाद खड़ा हो गया है। महुआ मोइत्रा के अनुसार, वह 14 अगस्त की शाम करीब 6ः15 बजे सर्किट हाउस पहुंची थीं. रात 9ः47 बजे अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने उन्हें कमरा खाली करने के लिए कहा। उन्हें व्हाट्सऐप के जरिए आदेश भेजा गया. जिसमें सर्किट हाउस में वार्षिक सफाई और रखरखाव का हवाला दिया गया था।

महुआ के मुताबिक, उन्होंने तत्काल कमरा खाली करने से इनकार कर दिया। इसके बाद सर्किट हाउस के बाहर लोग भारी संख्या में जुट गए और नारेबाजी करने लगे। उन्होंने आरोप लगाया, भीड़ का उद्देश्य उन्हें डराना और दबाव बनाना था। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेताओं के ऊपर अंडा फेंकने और उनके साथ मारपीट किए जाने की कई घटनाएं इसके पहले हो चुकी हैं. ऐसी स्थिति में संसद को सर्किट हाउस का कमरा रात में खाली करने के आदेश को लेकर बड़ा बवाल मच गया है. सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश में कहा था कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने सीने में गोली खाई है महुआ मोइत्रा अंडा खाने से डर रही हैं. इसको लेकर पश्चिम बंगाल में अब बड़ा बवाल मच गया है.

महुआ ने पूरे मामले की शिकायत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से करते हुए महिला सांसद की सुरक्षा और सम्मान का मुद्दा उठाया है। सरकार के इशारे पर प्रशासन के आदेश को जोड़कर देखा गया है। इस मामले ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया विवाद पैदा कर दिया है।

जल्द भारत दौरे पर आएंगे बांग्लादेश के पीएम रहमान ! ब्रिक्स को लेकर संशय

-रहमान दिल्ली आए तो गंगाजल संधि और ऊर्जा समझौतों को शुरू करने का रास्ता होगा साफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान का भारत दौरा तकरीबन तय हो गया है। दोनों देशों के अधिकारी तारिक रहमान के जल्द से जल्द नई दिल्ली दौरे की तैयारी कर रहे हैं। कोशिश की जा रही है कि इस महीने के आखिर तक या सितंबर महीने के पहले हफ्ते में तारिक रहमान नई दिल्ली आ सकते हैं ताकि दोनों देशों के बीच के रिश्ते को सामान्य किया जा सके। अधिकारियों को उम्मीद है कि तारिक रहमान अगर दिल्ली आते हैं तो गंगा जल संधि और ऊर्जा समझौतों को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके अलावा भारत ने पिछले साल मई में बांग्लादेश पर जो व्यापारिक प्रतिबंध लगाए थे उसे भी खत्म किया जा सकेगा। राजनयिक सूत्रों ने उम्मीद जताई कि आने वाले कुछ दिनों में सकारात्मक घटनाक्रम हो सकते हैं। ढाका में सूत्रों ने दोनों पक्षों के बीच चल रही बातचीत पर संतोष जताया है, लेकिन चेतावनी दी है कि भारत से बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना या उनकी पार्टी अवामी लीग की लगातार गतिविधियां नई पहलों पर असर डाल सकती हैं। हालात को जल्द से जल्द सामान्य करना होगा क्योंकि राजनयिक बातचीत का मौका जल्द ही खत्म हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि साल के बचे हुए चार महीनों में भारतीय नेतृत्व के लिए अन्य दौरे और कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच बातचीत का सिलसिला 10 अगस्त को शुरू हुआ जब उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने ढाका में सचिवालय में तारिक रहमान से मुलाकात की थी। यह बैठक उस तनाव के माहौल में हुई जो 5 अगस्त को नई दिल्ली के फॉरेन कॉरस्पोंडेंट्स क्लब में शेख हसीना और उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस से पैदा हुआ था। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह शेख हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस से बहुत नाराज है और उसने इस घटना को बांग्लादेश की संप्रभुता का अपमान बताया।

बता दें भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले 10 दिनों में एक के साथ एक कई घटनाएं घटी हैं। 9 अगस्त को बांग्लादेश ने भारत सरकार की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के सेक्रेटरी पराग जैन के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की थी। जबकि शेख हसीना के प्रेस कॉन्फ्रेंस से भारतीय विदेश मंत्रालय ने खुद को अलग कर लिया। इसके अलावा भारतीय विदेश मंत्रालय ने तारिक रहमान को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भी न्योता भेजा है। हालांकि तारिक रहमान ब्रिक्स में शायद ही भारत आएंगे।

वैवाहिक विवाद में बच्चों का मोहरा बनना चिंताजनक और खतरनाक भी

कौमी पत्रिका

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी के बीच वैवाहिक, संपत्ति और बच्चे की कस्टडी को लेकर रिश्तों में आई कड़वाहट में नाबालिग बच्चों को मोहरा नहीं बनाया जाना चाहिए। यह प्रवृत्ति न केवल चिंताजनक है बल्कि खतरनाक भी है। लिहाजा, अदालतों को बच्चों की गवाही पर भरोसा करते वक्त सतर्कता बरतनी चाहिए। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने सात साल की बच्ची संग दुष्कर्म के आरोप में उम्रकैद की सजा पाए कार्डियोलॉजिस्ट पिता और ताऊ को बरी कर दिया है। उन्हें वाराणसी की विशेष अदालत ने 2025 में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। मामला वाराणसी के डॉक्टर दंपती के बीच उपजे वैवाहिक विवाद से जुड़ा है। पति-पत्नी एक ही मेडिकल कॉलेज में साथ काम करते थे। इसी दौरान उपजा मन मुटाव वैवाहिक विवाद में तब्दील हो गया। सीनियर रेजिडेंट पत्नी ने हल्द्वानी निवासी पति और जेठ के खिलाफ 2018 में एफआईआर दर्ज कराई। आरोप लगाया कि मार्च-अप्रैल में जब उनकी सात वर्षीय बेटी अपने पिता के साथ हल्द्वानी गई थी, तब पिता और उसके ताऊ ने दुष्कर्म किया। वाराणसी की विशेष अदालत ने दोनों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ दोनों ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। कोर्ट ने 61 पेज के अपने फैसले में पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग का हवाला देते हुए ट्रायल कोर्ट का फैसला रद्द कर दिया। कोर्ट ने पाया कि एफआईआर दर्ज कराने में दो महीने से अधिक की देरी हुई। इस दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि एफआईआर से पहले ई-मेल के जरिये दोनों के बीच बातचीत हुई थी। पति की ओर से तलाक की कार्रवाई भी शुरू की गई थी। शुरुआती बातचीत में बच्ची के दुष्कर्म का कोई जिक्र नहीं आया। कोर्ट ने यह भी पाया कि मेडिकल रिपोर्ट आरोपों का समर्थन नहीं करती। मेडिकल रिपोर्ट में बच्ची के शरीर पर ऐसी चोट, ट्रॉमा या रक्तस्राव नहीं मिला, जिससे लगाए गए गंभीर यौन हमले के आरोपों की पुष्टि हो सके। कोर्ट ने बच्ची की गवाही पर सवाल उठाए। कहा कि बच्चे की गवाही महत्वपूर्ण जरूर है लेकिन बाल मन अत्यंत संवेदनशील होता है। जिस अभिभावक के साथ वह लगातार रहता है उसके विचार, शिकायतें और दूसरे अभिभावक के खिलाफ चल रहा विवाद उसके मन पर प्रभाव डाल सकता है। ऐसे माहौल में बच्चा ऐसी बातों को भी सच मानकर दोहरा सकता है जो वास्तव में उसके स्वयं के अनुभव का हिस्सा नहीं हों। कोर्ट को ताऊ के खिलाफ भी भरोसेमंद साक्ष्य नहीं मिला। लिहाजा, कोर्ट ने माना कि उन्हें पारिवारिक विवाद के कारण मामले में घसीटा गया।

भूमि विवाद में ट्रैक्टर से रौंदकर बुजुर्ग की हत्या, आठ घायल, हिंसक झड़प से दहशत में ग्रामीण

सुबेहा (बाराबंकी)। कोलवा पंचायत के पूरे गुमान गांव में रविवार को भूमि विवाद को लेकर हिंसक झड़प के दौरान शमशेर अली (70) को ट्रैक्टर से रौंद दिया गया। एकतरफा हुए हमले में दो महिलाओं सहित आठ लोग घायल हो गए। इनमें से चार लोगों को गंभीर दशा में लखनऊ रेफर कर दिया गया। मृतक के पुत्र मुश्ताक ने बताया कि गांव के रोशन उर्फ शिव सिंह उनके चचेरे भाई उस्मान अली के घर के सामने की भूमि को ट्रैक्टर से जोतने लगे। परिवार की बदरुनिशा ने इसका विरोध किया तो रोशन और उसके परिजनों ने मारना-पीटना शुरू कर दिया। विपक्षियों ने कई लोगों को ट्रैक्टर से रौंदने की कोशिश की। उनके पिता शमशेर पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। उनके अलावा राशिद अली (58), राजेंद्र कुमार (55) और शंकर लाल (66) भी ट्रैक्टर की चपेट में आकर घायल हो गए। बदरुनिशा (35), सजीदुलनिशा (35), सबा बानो (16), साबरीना बानो (16) और अरमान अली (30) को लाठी डंडों से मारापीटा गया। विपक्षियों के जाने के बाद घायल शमशेर अली को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हैदरगढ़ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बदरुनिशा, सजीबुलनिशा, राजेंद्र कुमार और राशिद अली को गंभीर हालत में सीएचसी से लखनऊ रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्राधिकारी (सीओ) समीर कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। सीओ समीर कुमार सिंह ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं। पुलिस ने मृतक के पुत्र मुश्ताक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम गठित की गई है।

डीपीसीसी सख्त, अवैध बोरवेल के खिलाफ होगी कार्रवाई

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। राजधानी में अवैध बोरवेल के जरिए भूजल दोहन को रोकने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने कड़ा रुख अपनाया है। विभाग ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को अवैध बोरवेलों पर कार्रवाई के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की जानकारी सौंपी है। कार्रवाई रिपोर्ट में डीपीसीसी ने अदालत को बताया कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को अवैध बोरवेल की पहचान करना, संबंधित एसडीएम को उसे सील करना और डीपीसीसी को पर्यावरणीय क्षति मुआवजा (ईडीसी) लगाना इसमें शामिल है। एनजीटी ने हाल ही में अवैध बोरवेलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके तहत डीपीसीसी ने अपनी एसओपी तैयार की है। इस एसओपी में अवैध बोरवेलों की पहचान, उनके खिलाफ कार्रवाई, और उन्हें सील करने की प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया है। डीपीसीसी ने यह भी सुनिश्चित किया है कि सभी जिला प्रशासनों और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई को प्रभावी बनाया जाए। एनजीटी ने एक मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लिया था। इसमें दावा किया गया है कि मयूर विहार में नोएडा लिंक रोड से सटे यमुना के किनारे बोरवेल के जरिए भूजल का कथित अवैध दोहन हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, डीपीसीसी ने 26 जून, 2025 को जिला मजिस्ट्रेट (पूर्व) को एक पत्र जारी किया, जिसमें उनसे मामले की जांच करने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, राजस्व कार्यालय को बोरवेल की जानकारी जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के लिए कहा, ताकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार उपयुक्त पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाई जा सके। वहीं, केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) ने 27 मई, 2025 के निर्देशों के तहत एक मीडिया रिपोर्ट में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए डीजेबी, केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी), डीपीसीसी, सीपीसीबी, डीएम (पूर्व) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के प्रतिनिधियों वाली एक समिति गठित की है। इसके अलावा, सीजीडब्ल्यूए ने संबंधित विभागों को इस संयुक्त समिति के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने का निर्देश दिया है। इसमें डीजेबी संयुक्त समिति की नोडल एजेंसी होगी। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के मुख्य सचिव ने 12 जून 2020 को नगर निगम अधिकारियों, दिल्ली जल बोर्ड, डीपीसीसी और दिल्ली के जिलाधिकारियों के साथ एक बैठक की थी। दिल्ली सरकार ने भूजल के अवैध दोहन की रोकथाम के लिए भूजल दोहन का विनियमन, बंद करना, बोरवेल-ट्यूबवेल के उपयोग से संबंधित अवैध गतिविधियों पर प्रतिबंध शीर्षक से एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की है। इसके मुताबिक, सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना घरेलू, वाणिज्यिक, कृषि या औद्योगिक उपयोग के लिए बोरवेल या ट्यूबवेल के माध्यम से भूजल निकालना अवैध और कानूनी अधिकार के बिना माना जाएगा। राजस्व के उपायुक्त को अवैध कुओं का पता लगाना और उन्हें बंद करने की निगरानी करनी होगी। एसओपी के अनुसार, अवैध बोरवेल व ट्यूबवेल बंद करने के उद्देश्य से प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने हेतु संबंधित एसडीएम की देखरेख में संयुक्त कार्रवाई दल गठित किए जाएंगे। संयुक्त दल में दिल्ली जल बोर्ड, डिस्कॉम और स्थानीय पुलिस के क्षेत्रीय अधिकारी शामिल होंगे। साथ ही, सलाहकार समिति के अध्यक्ष, उपायुक्त, भूजल के अवैध दोहन के लिए पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) वसूलने हेतु अवैध बोरवेलों का विवरण डीपीसीसी को भेजेंगे। वहीं, डीपीसीसी, सीपीसीबी की ओर से 26 जून, 2019 को जारी अपनी रिपोर्ट में निर्धारित पद्धति के अनुसार पर्यावरण क्षतिपूर्ति का आकलन करेगा। पर्यावरण क्षतिपूर्ति के आकलन के बाद, मांग प्रस्तुत की जाएगी और वसूली न होने की स्थिति में एसडीएम, भू-राजस्व के बकाया के रूप में पर्यावरण क्षतिपूर्ति की वसूली करेंगे। दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम जिलों में बड़ी संख्या में अवैध बोरवेल सील किए गए हैं।

देवरानी की गला घोंटकर हत्या में पांच साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। देवरानी की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में एक महिला पांच साल तक पुलिस को चकमा देती रही। अब आखिर अपराध शाखा की टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पहचान बदायूं, यूपी निवासी कौशल्या देवी के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। वर्ष 2019 में कौशल्या ने अपने पति व देवर के साथ मिलकर देवरानी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में कौशल्या के पति राम अवतार और देवर ब्रह्म सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। कौशल्या फरार हो गई थी। इस दौरान यह कई राज्यों में छिपती रही। अब पुलिस ने इसे दिल्ली के गांधी नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में नीरज (23) नामक महिला की उसके घर में गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में इसे आत्महत्या का रंग देने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद में पोस्टमार्टम से हत्या की बात साफ हुई। पुलिस ने नीरज के परिजनों के बयान पर हत्या, दहेज प्रताड़ना समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। मामले में पुलिस ने नीरज के पति ब्रह्म सिंह, कौशल्या के पति राम अवतार को दबोच लिया। इस बीच कौशल्य फरार हो गई। जांच के दौरान कौशल्या के मध्य प्रदेश में छिपे होने का पता चला। दिल्ली की अदालत ने 23 मार्च 2023 को कौशल्या को भगोड़ा घोषित कर दिया। इस बीच महिला दिल्ली के गांधी नगर इलाके में छिपकर रहने लगी। कौशल्या को गांधी नगर से पुलिस ने दबोच लिया। वह सिलाई की फैक्टरी में मजूदूरी कर रही थी।

बड़े गिरोह का भंडाफोड़, दो वर्षों में 500 लोगों की तस्करी कर चुका है गैंग

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस ने मानव तस्करी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक किशोर और दो नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया है। गिरोह के सदस्य रेलवे स्टेशनों पर कमजोर नाबालिगों और मजदूरों को निशाना बनाकर जम्मू-कश्मीर भेजते थे। वहां उन्हें बिना पैसे दिए घरेलू कार्य और बंधुआ मजदूरी कराई जाती थी। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बताया कि किशोरों के लिए 20 हजार से 25 हजार जबकि लड़कियों के एवज में 60 हजार रुपये तक वसूलते थे। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी के अनुसार यह गिरोह दलालों और प्लेसमेंट एजेंटों के नेटवर्क के जरिये काम करता था। ये पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर गरीब और बेसहारा बच्चों और मजदूरों को बेहतर खानपान और रुपयों का लालच देकर फंसाते थे। पुलिस उपायुक्त स्वामी ने बताया कि गिरोह के सदस्य गांदरबल (जम्मू-कश्मीर) निवासी सलीम-उल-रेहमान उर्फ वसीम (38), बेगमपुर (दिल्ली) निवासी सूरज (31), रामपुर (उत्तर प्रदेश) निवासी मोहम्मद तालीब और बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) निवासी सतनाम सिंह उर्फ सरदार को गिरफ्तार किया गया है। सलीम पिछले दो वर्षों के दौरान 500 लोगों की तस्करी कर चुका है और प्रत्येक पीड़ित के बदले भारी कमीशन वसूला है। तालीब के पास से यूपी पुलिस के उप-निरीक्षक का फर्जी पहचान पत्र भी बरामद हुआ है। आरोपी इसका इस्तेमाल गिरफ्तारी से बचने और पीड़ितों की यात्रा को आसान बनाने के लिए करता था। उपायुक्त स्वामी ने बताया कि इस गिरोह का खुलासा उस समय हुआ जब भलस्वा डेरी थाने में 15 और 13 साल की दो लड़कियों के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई। टेक्निकल सर्विलांस के जरिये इन लड़कियों की लोकेशन श्रीनगर में ट्रेस की गई। पुलिस टीम ने 15 जून को दोनों नाबालिगों को श्रीनगर से सुरक्षित बरामद कर लिया और दोनों को दिल्ली लाया गया। बाल कल्याण समिति के समक्ष दर्ज बयान में पीड़ितों ने बताया कि उन्हें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से बहलाया-फुसलाया गया और फिर श्रीनगर ले जाकर जबरन घरेलू काम कराया गया। बयानों के आधार पर 14 अगस्त को वसीम और सूरज को प्रहलाद विहार से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सलीम ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह श्रीनगर में %%%%वीए मैनपावर प्राइवेट लिमिटेड नामक एजेंसी चलाता था और पिछले दो साल में 500 लोगों को कश्मीर में बेच चुका है। सूरज ने बताया कि वह दिल्ली में एजेंटों के लिए ट्रांसपोर्टर का काम करता था और उसने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के आसपास सक्रिय कई साथियों के नाम बताए। पुलिस ने 19 अगस्त को श्रीनगर में की गई छापेमारी के दौरान तालीब और सतनाम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से 16 वर्षीय एक किशोर को मुक्त कराया था। उन्होंने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों शहबाज खान, नरेश, रोहित पांडे और सोहेल अहमद की भूमिका की जांच की जा रही है।

13 की उम्र में पहली हत्या 16 में बन गया शातिर

नई दिल्ली। मालवीय नगर में खूनी खेल को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी नाबालिग है। 13 साल की उम्र में हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले 16 वर्षीय नाबालिग पर कत्ल, हत्या का प्रयास समेत पांच मामले दर्ज हैं। आरोपी नाबालिग ने रंजिश में चार युवकों की मदद से मौसेरे भाइयों पर चाकू से हमला कराया, जिसमें एक भाई की जान चली गई। हमले का मास्टर माइंड खुद की पिटाई का वीडियो दोनों मौसेरे भाइयों की ओर से इंस्टाग्राम में डाले जाने से नाराज था। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि अब तक मुख्य आरोपी सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

दोस्त को तो बचा लिया लेकिन खुद डूब गया किशोर

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में शुक्रवार शाम बाढ़ के पानी में डूबने से किशोर की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त मोहम्मद कैफ (14) के रूप में हुई है। कैफ अपने दोस्त के साथ बाढ़ के पानी में मछली पकड़ने आया था। इस दौरान उसका दोस्त नहाने के लिए पानी में उतर गया और डूबने लगा। कैफ ने हिम्मत दिखाकर उसे तो बचा लिया लेकिन खुद डूब गया। दोस्त ने शोर मचाया तो लोगों ने पुलिस व बचाव दल को खबर दी। पुलिस, दमकल की टीम के अलावा एनडीआरएफ व अन्य बचाव दल की टीमें वहां पहुंचीं। कैफ को पानी से निकालकर नजदीकी अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम कराकर उसका शव परिजनों के हवाले कर दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। हादसे के बाद से कैफ के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कैफ दो भाइयों में बड़ा बेटा था।

दिल्ली में इस महीने 57 फीसदी मुफ्त राशन वितरण का काम पूरा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) और वन नेशन वन राशन कार्ड (ओएनओआरसी) योजना के तहत इस महीने दिल्ली में 57 फीसदी राशन वितरण का काम पूरा किया गया है। इसमें 1.45 लाख प्रवासी भी शामिल हैं। रविवार को दिल्ली सरकार की ओर से यह जानकारी दी गई है। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत सितंबर माह के राशन वितरण की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 57 फीसदी मुफ्त राशन वितरित हो गया है। इसके अलावा, वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत 1,45,610 प्रवासी लाभार्थियों ने दिल्ली में अपना राशन लिया है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी राशन दुकानें खुली रहें और वहां जरूरी जानकारी जैसे निगरानी समिति का विवरण, श्रेणी-वार पात्रता, स्टॉक की स्थिति, लाभार्थियों की संख्या, हेल्पलाइन नंबर और ओएनओआरसी योजना की पात्रता की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि राशन वितरण में कोई कमी न आए और बारिश के कारण प्रभावित लोगों को तत्काल मदद मिले। मंत्री ने कहा, ओएनओआरसी योजना प्रवासियों के लिए वरदान साबित हुई है और खासकर दिल्ली इस मामले में देश में अग्रणी राज्यों में शामिल है। यहां राशन वितरण की प्रक्रिया सुचारु और पारदर्शी हुई है। सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी जरूरतमंद भोजन से वंचित न रहे। इसके लिए राजस्व विभाग के साथ मिलकर तैयार भोजन के पैकेट भी बांटे गए हैं।

मादक पदार्थ की तस्करी में फरार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। मादक पदार्थ की तस्करी में फरार चल रहे आरोपी को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अमित कुमार झा उर्फ हरिकांत झा (45) के रूप में हुई है। वर्ष 2018 के एक मामले में भगोड़ा घोषित था। इसके अलावा वर्ष 2023 के एक मामले में अदालत ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया हुआ था। अपराध शाखा की टीम आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि

पड़ोसी नूर से बीवी को हुआ प्यार... दोनों ने किया निकाह, इस हरकत से खफा पूर्व पति ने मार डाला महिला का शौहर

कौमी पत्रिका

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के कासिम नगर मोहल्ले में फोन पर बात करते घर जा रहे एसी मिस्त्री की पड़ोसी ने गुरुवार की रात 11:30 बजे चाकू से हमला कर हत्या कर दी। एसी मिस्त्री ने आरोपी की पत्नी से तीन साल पहले निकाह कर लिया था। इसी वजह से रंजिश मानता था। सूचना पर पहुंचे कोतवाल और फॉरेंसिक टीम ने जांच की। एएसपी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। भाई की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सदर कोतवाली के मोहल्ला कासिमनगर निवासी नूरआलम (40) एसी मिस्त्री था। भाई इरफान ने बताया कि पत्नी के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने पर नूर आलम ने आठ साल पहले उसे तलाक दे दिया था। तीन साल पहले उसने मोहल्ले के ही नौशाद की पत्नी इरफाना से कोर्ट मैरिज कर ली। इसके विरोध में परिजनों ने नूरआलम को अलग कर दिया। इस पर नूर आलम घर के पास स्थित प्लॉट में मकान बनाकर इरफाना के साथ रहने लगा। नूरआलम ने शादी का सर्टिफिकेट सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। इससे नौशाद के परिचितों को भी पता चल गया। इससे नौशाद नूरआलम से रंजिश मानने लगा था। दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। इरफान के मुताबिक भाभी इरफाना कुछ समय से पहले पति नौशाद से भी बात करने लगी। पहले पति से हुए बच्चों से भी मिलती थीं। पहले पति से हुए तीन बच्चों में बड़ा बेटा करीब 22 साल का है। बताया कि नूरआलम की पहली पत्नी के बच्चे नहीं थे और ना ही इरफाना से कोई संतान हुई। गुरुवार की रात भाई किसी काम से गए थे। रात करीब 11:30 बजे किसी से फोन पर बात करते हुए आ रहे थे। रास्ते में नौशाद ने चाकू से हमला कर भाई को लहूलुहान कर दिया। वह जैसे-तैसे घर पहुंचे और बहन रूसी को आवाज दी। भाई की हालत देख बहन चीख पड़ी। उसे बाइक पर बैठाकर जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मां शायदा बानो, तीन बहनें और छोटा भाई बेहाल है। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचकर रात में ही घटना की जांच की। एएसपी अखिलेश सिंह भी घटनास्थल पहुंचे। घटनास्थल के पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की गई तो नौशाद भागकर जाते हुए दिखा। उसके कपड़ों पर भी खून लगा था। पुलिस के मुताबिक रात में ही अलग-अलग पुलिस टीमों को लगाकर हत्यारोपी नौशाद को हुसैन नगर चौराहा के पास से पकड़ लिया। हालांकि चर्चा यह भी है कि हत्यारोपी खुद चाकू सहित कोतवाली पहुंच गया था। कोतवाल अजय सिंह ने बताया कि भाई की तहरीर पर नौशाद के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है। एसी मिस्त्री के हत्यारोपी नौशाद को अपने किए पर पछतावा नहीं है। कहा कि सामाजिक अपमान का घूंट कई साल से पी रहा था। बहुत दिनों से नूर आलम को खत्म करने की फिराक में था, मौका मिलते ही उसे मार दिया। अब जेल जाने का भी गम नहीं। बच्चे बड़े हैं, खुद कमाकर खा लेंगे। गिरफ्तार कर कोतवाली लाए गए आरोपी नौशाद ने बताया कि अब दिल को सुकून मिला है। उसने बताया कि तीन साल पहले जब नूरआलम उसकी पत्नी इरफाना को बिना शादी किए साथ रखने लगा तो उससे दूर ले जाकर रहने के लिए कहा था। वह दूर जाने के बजाय मेरे घर से 25 मीटर दूर ही घर बनवाकर रहने लगा। बाद में कोर्ट मैरिज कर प्रमाणपत्र सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। इससे समाज में और बदनामी हुई। रोजाना पत्नी भी नजर आती थी। बच्चे भी बड़े हो गए हैं। उनसे भी लोग तरह-तरह की बातें करते थे, इसलिए हमेशा के लिए कहानी ही खत्म कर दी। एसी मिस्त्री के भाई ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि पांच दिन पहले हत्यारोपी नौशाद उसकी भाभी (पूर्व पत्नी) से मिलने आया था, उसके बाद घटना को अंजाम दिया। उसने फिलहाल भाभी पर सीधा आरोप नहीं लगाया है लेकिन इसकी जांच की मांग की है। एसी मिस्त्री के छोटे भाई इरफान ने बताया कि करीब छह महीने पहले भाभी इरफाना और हत्यारोपी नौशाद की बात शुरू हो गई थी। नूरआलम के न रहने पर नौशाद उसके घर भी जाने लगा था। पांच दिन पहले नौशाद भाई के घर गया था। दोनों की कुछ बातें भी हुई थीं। भाई जब काम पर चला जाता था तब ऐसा होता था।

NAME CHANGE
I, Sandeep S/O Mahander Singh, UG 1204 Gold Floor NCR 1, Sector 37HL City PO: Bahadurgarh Dist: jhajjar, Haryana pin: 124507 Have Changed My Name To Sandeep Singh For All the future purposes.

NAME CHANGE
I, Rajabala W/O Mahendra Singh,, Bad Chhapar (61) , Badchhpar, Hisar, Haryana pin 125042 Have Changed My Name To Rajbala Devi For All the future purposes....

NAME CHANGE
I, Manoj Kumar, S/O Ram Phal, R/O Asoda Todran(28), Jhajjar, Haryana- 124505 have changed my name to Manoj Dalal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sanjivv Narulaa S/O Madan Lal Narula, Farm no. -6 Golden gate, Westend Greens, Rajokri , South West Delhi Pin 110038, Have Changed My Name To Sanjeev Narula For All the future purposes.

NAME CHANGE
I, Gaurave Manocha S/O Madan Lal A- 24 , 3rd floor, Rohit Kunj Pitampura, Delhi Pin 110034, Delhi India Have Changed My Name To Gaurav Manocha For All the future purposes.

NAME CHANGE
I Yunus S/o Imamudin R/o H.no 1652, Gali no 17b, Near Naya Gaon, Krishna Kunj, Bhondsi, Gurugram, Haryana, 122102. Have changed my name to Yunus Khan for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रूबी पत्नी वीरपाल निवासी सदरपुर, सेक्टर 45, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर के नाम एक बैनामा श्री प्रमोद सिंह पुत्र छितर सिंह निवासी सदरपुर, सेक्टर 45, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर ने किया था जो की ग्राम सलारपुर खादर के खसरा नंबर 264 मि, 265 मी व 266 मि में स्थित है तथा जिसका रकबा 50 वर्ग गज है। जिसका प्लॉट नंबर 101 है जो कि बही संख्या एवं जिल्द संख्या 15422 पृष्ठ संख्या 345 से 360 क्रमांक 5902 दिनांक 13.07.2026 को सब रजिस्ट्रार द्वितीय के यहां पंजीकृत हुआ था तथा यह बैनामा वास्तव में कहीं खो गया है। किसी भी व्यक्ति को यह दस्तावेज मिले तो कृपया मोबाइल नंबर 8920285006 पर संपर्क करें।

NAME CHANGE
I, Kalpana Pawar, W/O Subhash Chand Pawar, R/O E-47, Kalu Colony, Budh Vihar, Phase-2, New Delhi – 110086, have changed my name from Kalpana Pawar to Kalpana and shall hereafter be known as Kalpana for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Muskan Pawar, D/O Subhash Chand Pawar, R/O E-47, Kalu Colony, Budh Vihar, Phase-2, New Delhi – 110086, have changed my name from Muskan Pawar to Muskan and shall hereafter be known as Muskan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Raj Kumar Malhotra S/O Ramswaroop Malhotra, 3404 Mahindra Park, Rani Bagh, North West Delhi Pin: 110034, Have Changed My Name To Raj Kumar, For All the future purposes

NAME CHANGE
I, kishan singh saini S/o Chunni Lal R/o House No- 826/7 Galli no 10 madanpuri Gurgaon, Haryana have changed my name to kishan Chand saini for all purposes.

NAME CHANGE
I,ASNARA BIVI W/O HAZRAT ALI R/O T HUTS NO-E-44/A-5 NEW SEEMA PURI DELHI 110095, CHANGED MY NAME TO AASNARA BIBI.

NAME CHANGE
I, SEKH HAZRTA ALI S/O SHEIKH MANSOOR R/O, T HUTS NO-E-44/A-5 NEW SEEMA PURI DELHI 110095, CHANGED MY NAME TO HAZRAT ALI.

NAME CHANGE
I hitherto known as KIRAN W/O SANJAY KUMAR R/O 1488/5, Wazir Nagar, Kotla Mubarakpur, Lodhi Road Central Delhi, Delhi-110003 have changed my name and shall hereafter be known as KIRAN GHILDIYAL.

NAME CHANGE
I JAYASHREE legally Army no - 15721319M Rank - Hav, Name - DHANAWADE SANJAY DHONDI-RAM, Presently Residing At - Birwadi Post- Birwadi, Teh - Mahad Dist - Raigad, Pin - 402302 State-Maharashtra, have changed my name from JAYASHREE to JAYASHREE DHONDIRAM DHANAWDE for all future purposes, Vide affidavit dated 18/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Devendra Singh S/o Jasaudi R/o 50, Rauni, Greater Noida Industrial Development Authority, Gautam bud-dhanagar, District-gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203202 declare that name of my father has been wrongly written as Jasodi in my adhar card no 3119 8129 3889. The actual name of my father is Jasaudi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Shyamvati W/o Devendra Singh R/o Rauni, Astauly, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203202 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as Shyamwati and Davindra in my Aadhar Card No-3317 1901 1157. The actual name of mine and my husband are Shyamvati and Devendra Singh.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Shivani Shukla D/o Hemant Kumar Bajpai R/o Flat No-303, Tower-02, Amrapali Grand, Near Assotech SpringFields, Zeta-1, Sakipur, Alpha, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201310, have changed my name and shall hereafter be known as Shivani Bajpai.

NAME CHANGE
I, RAJESH SHARMA R/o 1/2996, Ram Nagar, Loni Road, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to RAJESH KUMAR SHARMA.

NAME CHANGE
I, Renu W/o Surender Sharma R/o 6/68, Third Floor, Gurudwara Road WEA, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi-110005, have changed my name to Renu Sharma for all purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, VARISHA KHAN USMANI W/o AHMED FARAZ USMANI R/o H NO-2332, GALI SALEEM MOHAMMAD SHAH, KUCHA CHALAN, DAYA GANJ, DELHI-110002, declare that name of mine has been wrongly written as VARISHA in my class 10th and 12th educational documents. The actual name of mine is VARISHA KHAN USMANI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, mukesh, S/o Gurudev, R/o B-1/303 Power grid town ship sector 46 gurugram HR-122003, have changed my name from Mukesh to Mukesh Kumar. Henceforth, I shall be known as Mukesh kumar for all purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Pankaj Kumar S/O VINOD KUMAR, R/O 239, SARDHANA ROAD, WATER TANK, SARURPUR KHURD, Sarurpur Khurd, PO: Sarurpur Khurd, DIST: Meerut, Uttar Pradesh - 250344, have changed my name and shall hereafter be known as ARJUN SINGH.

NAME CHANGE
I, ISHRAT W/O MOHD AKLAQ at N-95/3, T-HUTS, SHAHZADA BAGH INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to ISRAT for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Solunke Ashruba Rama is Legally father of NO-2824662P RANK- Sep, Name- Solunke Rambhau Ashruba Presently residing VILL- Ghatewadi, POST-Shindi,TEH- Kaij DIST- Beed (MAHARASHTRA) PIN-431123 Have Changed my Name from Solunke Ashruba Rama To Ashruba Rama Solunke and Date of Birth from 01/01/1964 for all future purpose vide Affidavit dated 13/08/2026 Before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I, MD ZAHID S/O ABDUL GAFFAR at HOUSE NO 456 KH NO 27/19 LEFT PORTION 3RD FLOOR, STREET NO 5 AND 6 SANGAM VIHAR DELHI 110084 have changed my name to MOHD ZAHID for all future purpose.

NAME CHANGE
I SANGEETA SUMAN D/O SWAMI PRASAD R/O H NO-1259/66/2R/11, GANDHI NAGAR WARD NO -4 REWARI HARYANA-123401, HAVE CHANGED MY NAME TO SANGEETA GAUTAM FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, AKASHDEEP S/O VIPIN KUKRETI R/o C-358 Sector Mu-1 Greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201308, have changed my name and shall hereafter be known as AKASHDEEP KUKRETI.

NAME CHANGE
I, DOLLY SAXENA alias DIMPAL SAXENA W/o ANAND KUMAR SAXENA R/o H.No-C-143, S.K. 2. Sector 93, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as DOLLY SAXENA.

वर्षों की दोस्ती...चलती कार में दोस्त का दिया कत्ल

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले के पुन्हाना से करीब दस दिन से लापता चल रहे शहर के मशहूर डॉक्टर विनोद गोयल हत्याकांड का शनिवार को पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि डॉक्टर की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उनके परम मित्र दीपक राजस्थानी ने अपने फैक्टरी कर्मचारी अशोक के साथ मिलकर की थी। हत्या का कारण दोनों दोस्तों के बीच पैसों का लेन-देन बताया जा रहा है। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को हरिद्वार में बहती गंगा नदी में फेंक दिया। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब घटना के दौरान उनके साथ गए कार चालक मुस्तकीम को शक हुआ और उसने हिम्मत दिखाते हुए पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस ने मुस्तकीम को सरकारी गवाह बनाया है। इस खुलासे के बाद पूरे शहर में शहर में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई। शहर के लोगों ने रविवार को शोक स्वरूप मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रखा। डीएसपी जितेंद्र राणा ने पत्रकारवार्ता में बताया कि 28 अगस्त की रात रोजाना की तरह डॉ विनोद गोयल अपने मित्र दीपक और उसकी फैक्टरी कर्मचारी अशोक के साथ दीपक की कार में घूमने निकले थे। देर रात दीपक और अशोक ने सुनियोजित तरीके से डॉ विनोद गोयल का गला कप ? से घोंट दिया। हत्या के बाद शव को शहर से बआक्रोश और शोक की लहर दौ ? गई। शहर के लोगों ने रविवार को शोक स्वरूप मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रखा। शहर के मशहूर डॉक्टर विनोद गोयल की हत्या दोस्ती पर रुपयों के भारी पड़ने की है। वहीं, डॉक्टर के कार चालक मुस्तकीम की हिम्मत की कहानी भी है। करीब एक सप्ताह तक कशमकश में रहने के बाद मुस्तकीम खुद को रोक नहीं पाए और पुलिस को जाकर पूरी जानकारी दी। तभी इस मामले का खुलासा हो पाया। इसके बाद पुलिस ने मुस्तकीम को सरकारी गवाह बनाया है। वहीं, इस खुलासे के बाद पूरे शहर में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई। शहर के लोगों ने रविवार को शोक स्वरूप मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रखा। डीएसपी जितेंद्र राणा ने पत्रकारवार्ता में बताया कि 28 अगस्त की रात रोजाना की तरह डॉ विनोद गोयल अपने मित्र दीपक और उसकी फैक्टरी कर्मचारी अशोक के साथ दीपक की कार में घूमने निकले थे। देर रात दीपक और अशोक ने सुनियोजित तरीके से डॉ विनोद गोयल का गला कप ? से घोंट दिया। हत्या के बाद शव को शहर से बाहर घी ?ा मो ? स्थित दीपक की बर्तन फैक्टरी में कंबल में लपेटकर छिपा दिया। अगले दिन सुबह दोनों आरोपियों ने शव को फैक्टरी से कार में डालकर हरिद्वार की ओर रुख किया। इस दौरान उनके साथ कार चालक मुस्तकीम भी था, लेकिन उसे हत्या की जानकारी नहीं दी गई। रास्ते में दीपक और अशोक बार-बार गा ?ी में खुशबूदार स्प्रे करते रहे ताकि किसी को कोई गंध न आए। हरिद्वार पहुंचने से कुछ दूरी पहले दोनों ने चालक को चाय पानी पीने के लिए गाड़ी से उतार दिया और खुद शव को एक पुल से गंगा नदी में बहा दिया। वापसी में चालक को फिर कार में बैठा लिया और ऐसे व्यवहार किया जैसे कुछ हुआ ही नहीं। डीएसपी जितेंद्र राणा ने बताया कि मुस्तकीम को दीपक और अशोक की हरकतों पर शक हुआ। वह कई दिनों तक मानसिक तनाव में रहा। आखिरकार उसने पुलिस के सामने पेश होकर पूरी सच्चाई बयान कर दी। उसी की जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक राजस्थानी को हिरासत में ले लिया। जबकि अशोक की तलाश में पुलिस की टीम लगातार दबिश दे रही है। डॉ. विनोद गोयल शहर के जाने-माने चिकित्सक थे और क्षेत्र में उनका खासा सम्मान था।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

देश को आर्थिक प्रगति देने वाले प्रमुख राज्यों में हरियाणा की भी भूमिकाः डा. कृष्ण लाल मिड्ढा

एजेंसी

गुरुग्राम। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में जिला स्तरीय समारोह में हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्र गीत के साथ हुई। जिला स्तरीय समारोह में स्कूली विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत कर अनोखी छटा बिखेरी। विकसित भारत की संकल्पना के साथ आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में तीन हजार से अधिक स्कूलीं बच्चों का उत्साह देखने लायक था। उपायुक्त उत्तम सिंह तथा पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज ने मुख्य अतिथि का जिला स्तरीय समारोह में पहुंचने पर स्वागत किया। डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने अपने संबोधन में गुरुग्राम जिलावासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा देश की आर्थिक प्रगति को गति देने वाले प्रमुख राज्यों में अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है। विकसित भारत के साथ विकसित हरियाणा के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बिजली के खंभे में करंट आने से दस वर्षीय बच्चे की मौत

सोनीपत। बारोटा गांव में ड्रेन नंबर-आठ के पास बिजली के खंभे में करंट आने से करीब दस वर्षीय बच्चे अंकित कुमार की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब अंकित अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था। खेलते-खेलते उसने बिजली के खंभे को छू लिया। खंभे में करंट प्रवाहित होने के कारण वह उसकी चपेट में आ गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। करंट लगने से उसके हाथ और मुंह भी झुलस गए। अंकित का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के निगोही क्षेत्र के सफौरा चक गांव का रहने वाला है। परिवार फिलहाल बारोटा गांव में किराये के मकान में रहता है। उसके पिता मजदूरी करते हैं। अंकित आठवीं कक्षा में अकबरपुर बारोटा स्थित सरकारी स्कूल में पढ़ता था। वह दो भाइयों और एक बहन में छोटा था। परिजनों के अनुसार, अंकित 14 अगस्त को दोपहर बाद दोस्तों के साथ खेलने के लिए घर से निकला था। करीब दो घंटे बाद बिजली का करंट लगने की सूचना मिली। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को नागरिक अस्पताल भिजवाया।

लाखों सेनानियों के बलिदान के बाद मिली स्वतंत्रताःढांडा

फतेहाबाद। लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान से हमें आजादी मिली। आजादी को बरकरार रखने के लिए सभी देशवासियों विशेषकर युवाओं को राष्ट्रीय एकता अखंडता के लिए हर समय तत्पर रहना होगा।। यह बात प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने पुलिस लाइन में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कही।। समारोह में राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराकर मुख्यातिथि ने परेड की सलामी ली। इससे उन्होंने लघु सचिवालय समीप शहीदी स्मारक पर अमर वीर शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि ढांडा ने कहा कि हमारे सामने एक बड़ी चुनौती नशे की भी है। नशा हमारी युवा शक्ति, परिवारों और समाज के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में विभिन्न स्कूली बच्चों ने देश भक्ति के साथ साथ हरियाणवी, पंजाबी व देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी।

मजबूत और समृद्ध राष्ट्र को आगे बढ़ाना वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारीःकृष्ण कुमार बेदी

कैथल। पुलिस लाइन में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। इस दौरान उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को नमन करते हुए कहा कि आजादी हमें जिन बलिदानों से मिली है, उसे मजबूत और समृद्ध राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाना वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है। हरियाणा की धरती को वीरता, त्याग और देशभक्ति की धरती बताते हुए मंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित हरियाणा का लक्ष्य हासिल करने के लिए समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। कैथल के विकास का जिक्र करते हुए बेदी ने कहा कि करीब एक हजार करोड़ रुपये की लागत से भगवान परशुराम मेडिकल कॉलेज लगभग तैयार है और इसे जल्द शुरू किया जाएगा। धेरडू में नर्सिंग कॉलेज का भवन तैयार किया गया है।

‘विकसित भारत-विकसित हरियाणा’ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा हरियाणाः सैनी

मुख्यमंत्री ने कॉमलवेल्थ खेलों के सिल्वर मेडल विजेता हांसी के बॉक्सर नरेंद्र बेरवाल को सम्मानित किया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हांसी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस तथा तीज पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की आजादी तथा आजादी के बाद राष्ट्र की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले ज्ञात-अज्ञात शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हरियाणा ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश की सीमाओं की रक्षा तक हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने कॉमलवेल्थ खेलों के सिल्वर मेडल विजेता हांसी के बॉक्सर नरेंद्र बेरवाल को सम्मानित किया और सर्विस सिक्योरिटी एक्ट के तहत 9 स्थानीय युवाओं को रोजगार गारंटी प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस दौरान स्कूली बच्चों की टीमों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा एचपीए, मधुबन के पुलिस कर्मियों ने भी प्रभावशाली शो प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने परेड़ की सलामी ली और हरियाणा की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान सरकार द्वारा किए गए कार्यों के

बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि आज प्रदेश ‘विकसित भारत-विकसित हरियाणा’ के संकल्प के साथ तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हांसी प्रदेश का 23वां जिला बना है और उन्हें यहां स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण करने का सौभाग्य मिला है। हांसी के विकास के लिए प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन हेतु 471 पद स्वीकृत किए गए हैं तथा 50 बिस्तरों वाले अस्पताल को अपग्रेड कर 100 बिस्तरों का किया गया है। विकास कार्यों को गति देने के लिए लोक निर्माण विभाग के नए मंडल और उपमंडल भी स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले लगभग 12 वर्षों में हरियाणा का विकास समानता, समरसता और सहिष्णुता के साथ हुआ है तथा सरकार के प्रयासों से आम आदमी का जीवन अधिक सरल, सुगम और सुरक्षित हुआ है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि महान सांस्कृतिक परंपराओं और उच्च नैतिक मूल्यों को अपनाते हुए ‘विकसित भारत-विकसित हरियाणा’ के निर्माण के लिए कठोर परिश्रम करने का संकल्प लेंमुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पिछले लगभग 12 वर्षों में व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के साथ सेवाओं और योजनाओं का लाभ लोगों को घर-द्वार तक पहुंचाया है। विधानसभा चुनाव के संकल्प-पत्र में किए गए 217 संकल्पों में से 70 संकल्प पिछले डेढ़ वर्ष में पूरे किए जा चुके हैं।

भारत तेज़ी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है - राज्यपाल

शहीदों के त्याग, बलिदान और संघर्ष के कारण हमें स्वतंत्र भारत में जीवन जीने का गौरव प्राप्त

राज्यपाल ने शहीद स्मारक पर शहीदों को अर्पित की श्रदांजलि

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास की एक प्रेरणादायक यात्रा तय की है। आज भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।राज्यपाल आज बतौर मुख्यातिथि अनाज मंडी जगाधरी, यमुनानगर में आयोजित राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण करने उपरांत प्रदेशवासियों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जनता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इससे पहले उन्होंने शहीद स्मारक पर शहीदों

को अपनी भावभीनी श्रदांजलि अर्पित की। इस अवसर पर लेडी गवर्नर श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित रही। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि शहीदों के त्याग, बलिदान और संघर्ष के कारण हमें स्वतंत्र भारत में जीवन जीने का गौरव प्राप्त हुआ है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू, श्री राजागोपालाचार्य, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, शहीद भगत सिंह, सरदार उधम सिंह, चंद्रशेखर आजाद, खुदीरामबोस, मौलाना अबुल कलाम आजाद आदि के साथ-साथ भारत की आजादी में हरियाणा का भी बहुत बड़ा योगदान रहा है। हरियाणा के रेवाड़ी के राजा राव तुलाराम, जिन्होंने 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। राज्यपाल ने कहा कि डिजीटल इंडिया, स्टार्ट-अप-इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजीटल पेमेंट सिस्टम, आत्मनिर्भर भारत आदि क्षेत्रों में भारत ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल है। हरियाणा के किसानों ने आधुनिक तकनीक अपनाकर कृषि उत्पादन में विशेष योगदान दिया है। सरकार द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना, मेरी फसल, मेरा ब्योरा, मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना व किसान केडिट कार्ड अभियान जैसी योजनाओं से किसानों को समृद्ध किया जा रहा है। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी हरियाणा निरंतर नई उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को भेंट की श्रद्धांजलि

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर रविवार को चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अटल जी का राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण,विचारों में दृढ़ता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के प्रति उनकी निष्ठा ने उन्हें भारतीय राजनीति का एक ऐसा

युगपुरुष बनाया,जिनकी स्मृति सदैव देशवासियों के मन में जीवंत रहेगी। उन्होंने कहा कि अटल जी के विचार,दूरदर्शी नेतृत्व और उच्च आदर्श राष्ट्र सेवा के पथ पर हम सभी को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों एवं पुलिस टीमों को किया सम्मानित

सम्मान पाकर खिले अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों एवं पुलिस टीमों के चेहरे

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता तथा कानून एवं विधायी कार्य राज्य मंत्री गौरव गौतम ने पलवल स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में आयोजित 80वें जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों तथा पुलिस टीमों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान शिक्षा, निर्वाचन, कृषि, खेल, नगर परिषद, जिला परिषद, न्यायिक व्यवस्था, पुलिस तथा अग्निशमन विभाग में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि गौरव गौतम ने नगर परिषद पलवल के सचिव नवीन पांडेय को अपने दायित्वों के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। शिक्षा विभाग से दीपक प्रकाश, पीजीटी गणित को विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 एवं मुख्यमंत्री परिवार अंत्योदय योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। जिला परिषद पलवल के सेवादार अजीत सिंह को भी कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करने के लिए सम्मान मिला। खेल क्षेत्र में जिले का

नाम रोशन करने वाली दिव्यानी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने 14वीं राष्ट्रीय जूनियर एवं सब-जूनियर पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025 में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया था। वहीं मनीषा को कुश्ती के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया।

देश की स्वतंत्रता के लिए असंख्य सेनानियों व शहीदों ने दिया सर्वोच्च बलिदान : सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

एजेंसी

रोहतकः प्रदेश के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने देश की स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले ज्ञात व अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को नमन करते हुए कहा कि नागरिक इनके योगदान को हमेशा याद रखें। महात्मा गांधी सहित असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और तेजस्वी नेतृत्व के परिणामस्वरूप वर्ष 1947 में देश को अंग्रेजी शासन से मुक्ति मिली। उन्होंने नागरिकों का आह्वान किया कि वे स्वतंत्रता दिवस पर विकसित भारत-विकसित हरियाणा के निर्माण का संकल्प लें। डॉ. अरविंद शर्मा स्थानीय राजीव गांधी खेल परिसर में 80 वें स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह में राष्ट्रीय ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थिगण को संबोधित कर रहे थे। संबोधन से पूर्व उन्होंने खुली जीप में सवार होकर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार एवं परेड कमांडर डीएसपी तनुज शर्मा के साथ परेड निरीक्षण किया। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं हरियाली तीज की शुभकामनाएं दी। इससे पूर्व पहली बार राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया गया, उपस्थितगण ने खड़े होकर

राष्ट्रीय गीत का सम्मान किया। कार्यक्रम से पूर्व उन्होंने स्थानीय मदवि स्थित राज्य स्तरीय युद्ध स्मारक पर वीर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर नमन किया। उन्होंने घोषणा की कि समारोह में भाग लेने वाले विद्यालयों में सोमवार को अवकाश रहेगा तथा कार्यक्रम में प्रतिभागी पुलिस व होमगार्ड के जवानों का दो दिन अवकाश रहेगा। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गत दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जींद से देश की प्रथम हाइड्रोजन ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया।

देशभक्ति केवल समारोहों तक सीमित न रहे, दैनिक आचरण में भी दिखेः एफसीआर डॉ सुमिता मिश्रा

जिम्मेदार नागरिकता, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जरूरतमंदों की मदद का आह्वान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की एफसीआर और अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग डॉ. सुमिता मिश्रा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेक्टर-17 स्थित न्यू सिविल सचिवालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि देशभक्ति केवल राष्ट्रीय समारोहों के दौरान ही प्रदर्शित न हो, बल्कि दैनिक जीवन में जिम्मेदार आचरण के माध्यम से भी दिखाई दे। ध्वजारोहण के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डॉ. मिश्रा ने स्वतंत्रता दिवस को एक ‘बहुमूल्य और अनमोल अवसर’ बताते हुए कहा कि देश को उन अनगिनत ज्ञात और अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को कभी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया और राष्ट्र निर्माण की नींव रखी। उन्होंने जोर देकर कहा कि देशभक्ति केवल समारोहों और आयोजनों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि समाज और देश के प्रति नागरिकों द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन के तरीके में भी दिखाई देनी चाहिए। डॉ. मिश्रा ने कहा, ‘पर्यावरण की रक्षा करना, स्वच्छता बनाए रखना, अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाना और जरूरतमंदों की मदद करना भी राष्ट्र के प्रति प्रेम की महत्वपूर्ण अभिव्यक्तियां हैं। ’ उन्होंने कहा कि करुणा, एकजुटता, आपसी सम्मान और भाईचारा सामाजिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब नागरिक व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर समाज के व्यापक कल्याण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करते हैं, तभी देश मजबूत बनता है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि स्वतंत्रता केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए निरंतर जिम्मेदारी भी है उन्होंने कहा, ‘अपने दैनिक जीवन और कार्यों में स्वतंत्रता सेनानियों के मूल्यों को अपनाकर ही हम उनके बलिदानों का सच्चा सम्मान कर सकते हैं और एक मजबूत, अधिक संवेदनशील और प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। ’ स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान न्यू सिविल सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने देशभक्ति के गीत गाए तथा राष्ट्रीय नायकों के साथ-साथ स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद देश के विकास में योगदान देने वाले अनगिनत लोगों के योगदान को याद किया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए बलिदानों को याद रखा जाना चाहिए और उनकी विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों से राष्ट्रीय एकता, अखंडता और जनसेवा के मूल्यों को बनाए रखने तथा अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और समर्पण के साथ करने का आह्वान किया।

बीन बजाते-बजाते ‘देवा’ से बने हवा सिंह नाथ

95 की उम्र में राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

‘वह चार भाई थे और परिवार की आजीविका पारंपरिक रूप से बीन बजाने तथा सांपों के खेल दिखाने से चलती थी।’

एजेंसी

पलवल। पलवल जिले के छोटे से गांव रजोलका के रहने वाले 95 वर्षीय लोक कलाकार हवा सिंह नाथ ने अपनी पारंपरिक कला बीन की धुन से देश-विदेश में पहचान बनाई है। सपेरा जाति से संबंध रखने वाले हवा सिंह नाथ को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद पैतृक गांव रजोलका पहुंचने पर ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत कर सम्मानित किया।

अपने जीवन की यादें साझा करते हुए हवा सिंह नाथ ने बताया कि वह चार भाई थे और परिवार की आजीविका पारंपरिक रूप से बीन बजाने तथा सांपों के खेल दिखाने से चलती थी। खुशियों के अवसर पर परिवार के लोग बीन बजाकर लोगों का मनोरंजन करते थे। जब काम नहीं मिलता तो गांव-गांव जाकर सांपों के खेल दिखाए जाते थे। उन्होंने बताया कि बचपन में बड़े भाइयों ने खेल-खेल में एक छोटी सी बीन बनाकर करीब सात-आठ वर्ष की उम्र में उनके हाथों में थमा दी। उन्होंने बीन को अपनी मां की तरह अपनाया और धीरे-धीरे उसमें ऐसी प्रवीणता

हासिल कर ली कि उनकी प्रतिभा की चर्चा दूर-दूर तक होने लगी। युवावस्था में उनका नाम देवा सिंह नाथ के रूप में जाना जाता था। बाद में बीन और तुम्बा के एक बड़े पारंपरिक कलाकार ने उनकी प्रतिभा को परखने के लिए उनसे अलग-अलग राग और धुनें बजवाईं। उनकी कला से प्रभावित होकर उन्होंने कहा कि जब तुम बीन बजाते हो तो बिल्कुल हवा बन जाते हो। इसी के बाद उनका नाम हवा सिंह नाथ पड़ गया। राष्ट्रपति से मुलाकात को जीवन का अविस्मरणीय क्षण बताते हुए हवा सिंह नाथ भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति के सामने पहुंचकर उन्होंने राम-राम कहा तो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी उन्हें राम-राम कहा। इसके बाद राष्ट्रपति ने धीमी आवाज में उन्हें दोबारा बुलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि इससे पहले वह लोगों के दर्शन करने जाते थे, लेकिन आज बड़े-बड़े लोग स्वयं उनके घर आकर उन्हें सम्मान दे रहे हैं। यह उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। हवा सिंह नाथ ने कहा कि लोक कला का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण नई पीढ़ी इस कला को सीखने में रुचि नहीं दिखा रही है। उन्होंने अपने दो बेटों को बीन की कला सिखाई है और 95 वर्ष की उम्र में भी वह लगातार करीब 10 मिनट तक बीन बजा सकते हैं। सम्मान समारोह में विमुक्त घुमंतू जाति विकास बोर्ड, हरियाणा के अध्यक्ष जसमेर सिंह बंजारा भी पहुंचे। उन्होंने हवा सिंह नाथ को अपनी ओर से तथा प्रदेश सरकार की ओर से बधाई दी।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रभावित परिवारों के सदस्यों को किया सम्मानित

एजेंसी

रोहतक। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन रोहतक द्वारा जिला विकास भवन में विभाजन की त्रासदी, विस्थापन और उस दौर की पीड़ा को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विभाजन के दौरान घटित घटनाओं, विस्थापित परिवारों के संघर्ष तथा उनके पुनर्वास से जुड़े प्रसंगों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी को वर्ष 1947 में हुए भारत-पाकिस्तान विभाजन की विभीषिका से अवगत करवाना तथा उन परिवारों के संघर्ष, त्याग और साहस को स्मरण करना है, जिन्होंने विभाजन के दौरान अपना घर-बार छोड़कर नए स्थानों पर अपना जीवन पुनः स्थापित किया। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन रोहतक की ओर से विभाजन से प्रभावित परिवारों के सदस्यों को सम्मानित किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार व एसडीएम आशीष कुमार ने प्रभावित परिवारों के सदस्यों को शॉल भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर उनके संघर्ष, धैर्य और राष्ट्र निर्माण में योगदान को नमन किया गया। सम्मानित किए गए परिवारों के सदस्यों ने विभाजन के दौरान अपने परिवारों द्वारा झेली गई कठिनाइयों और विस्थापन के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके पूर्वजों ने साहस और मेहनत के साथ नए स्थान पर जीवन की शुरुआत की तथा समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस केवल अतीत की पीड़ा को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह हमें शांति, सद्भाव, भाईचारे और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा भी देता है।

बीमा कंपनियों को चेतावनी, सिर्फ आरोप से क्लेम खारिज नहीं, देना होगा सबूत

तेलंगाना आयोग ने टाटा एआईए को 1 करोड़ रुपए डेथ क्लेम ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

तेलंगाना राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (टीएससीडीआरसी) ने बीमा कंपनियों के लिए एक अहम फैसला सुनाया है। अब केवल जानबूझकर जानकारी छिपाने का आरोप लगाने से डेथ क्लेम खारिज नहीं होगा, बल्कि कंपनी को यह साबित भी करना होगा। आयोग ने टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस को एक परिवार को 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क के सेवानिवृत्त अधिकारी रामदास विसलावथ ने अक्टूबर 2019 में टाटा एआईए से 1 करोड़ रुपए की पॉलिसी ली थी। मई 2021 में कोविड-19 से उनकी मृत्यु के बाद कंपनी ने क्लेम यह आरोप लगाकर खारिज किया कि उन्होंने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के एक पुराने, टले हुए बीमा आवेदन की जानकारी छिपाई थी। हालांकि, आयोग ने कंपनी के तर्कों को खारिज कर दिया। उसने पाया कि टाटा एआईए यह साबित नहीं कर पाई कि पॉलिसीधारक को पुराने प्रस्ताव स्थगित होने या खराब मेडिकल रिपोर्ट की जानकारी थी। कंपनी ने खुद पॉलिसी जारी करने से पहले उनका मेडिकल टेस्ट किया था और फिट पाया था। मृत्यु कोविड-19 से हुई थी, जिसका पूर्व कथित स्थिति से कोई संबंध नहीं था। आयोग ने टाटा एआईए को 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम 9 फीसदी वार्षिक ब्याज, 50,000 रुपये मुआवजा और 10,000 रुपये कानूनी खर्च के साथ अदा करने का आदेश दिया। कंपनी ने इस फैसले को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में चुनौती देने का इरादा जताया है।

बढ़ता यूरिया बिल, भारत की सब्सिडी नीति पर पुनर्विचार जरूरी

ईरान युद्ध और वैश्विक बाधाओं से उर्वरक लागत दोगुनी, सब्सिडी बिल रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

भारत सरकार द्वारा यूरिया पर दी जा रही भारी सब्सिडी अब मुश्किल में है। ईरान युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन और उर्वरक महंगे हो गए हैं, जिससे भारत का आयात बिल बहुत बढ़ गया है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है और सरकार अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर दोबारा विचार करने को मजबूर हो गई है। ईरान युद्ध और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण अंतरराष्ट्रीय उर्वरक कीमतें दोगुनी हो गई हैं। इसका सीधा असर भारत के यूरिया आयात बिल पर पड़ा है, जो इस वित्तीय वर्ष में अनुमानित 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। यह भारी सब्सिडी बोझ और विदेशी मुद्रा के बाहर जाने से भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ा है। किसान 45 किलो यूरिया के लिए मात्र 266.5 रुपये देते हैं, जबकि सरकार इसे खरीदने के लिए दस गुना ज़्यादा कीमत चुका रही है। इस गंभीर स्थिति ने सरकार को अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर पुनर्विचार करने को विवश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी किसानों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग आधा करने की अपील की है। सरकार जागरूकता अभियान भी चला रही है। हालांकि, किसान पुराने तरीकों को बदलने में अनिच्छुक दिखते हैं और आपूर्ति सामान्य न होने के कारण कुछ राज्य आपूर्ति सीमित कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब्सिडी अप्रभावी है और कृषि में अस्वस्थ आदतें पैदा कर रही है। कमजोर मॉनसून के साथ मिलकर, यह स्थिति भारत की फसल और खाद्य महंगाई पर गंभीर असर डाल सकती है।

एलपीजी ई-केवाईसी करने का आ खिरी दिन, वरना छूट जाएगी सब्सिडी!

एलपीजी ई-केवायसी 16 अगस्त रात 12 बजे तक

नई दिल्ली ।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर सरकारी सब्सिडी का लाभ जारी रखने के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी पूरा करने के लिए आज आपके पास अंतिम मौका है। 16 अगस्त रात 12 बजे तक यह प्रक्रिया पूरी न करने वाले उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए अधिक भुगतान करना पड़ सकता है और सब्सिडी से वंचित होना पड़ सकता है। सभी प्रमुख तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं को सूचित किया है कि सब्सिडी वाले दरों पर गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिएई-केवाईसी अनिवार्य है। ऐसा न करने पर उज्ज्वला योजना के कनेक्शनधारियों की सब्सिडी रुक सकती है और बुकिंग में भी बाधाआ सकती है। हालांकि, ई-केवाईसी न करने पर आपका गैस कनेक्शन रद्द नहीं होगा, लेकिन आपको सब्सिडी वाली दर पर सिलेंडर मिलना बंद हो जाएगा।

होर्मुज तनाव, कच्चा तेल और अमेरिकी नीतिगत संकेत तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

अमेरिकी एफओएमसी के ब्योरे से लेकर चीन के आर्थिक आंकड़े तक, इन पर रहेगा बाजार का फोकस

– मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ता तनाव, अमेरिका-ईरान संबंधों में अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक सोमवार को जारी होने वाले अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और चीन के आर्थिक आंकड़ों पर भी पैनी निगाह रखेंगे। बीते सप्ताह स्थानीय बाजारों में तेज गिरावट दर्ज की गई थी, जिसके बाद अब वैश्विक घटनाक्रमों पर ध्यान केंद्रित हो गया है। शेयर बाजार के जानकारों के अनुसार कंपनियों के तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के बाद अब निवेशकों का ध्यान घरेलू कारकों से हटकर वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर केंद्रित हो गया है। रिलायंस ब्रोकिंग के एक अे धिकारी ने बताया कि निकट अवधि में होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम और ब्रेंट कच्चे तेल की दिशा बाजार के लिए महत्वपूर्ण कारक होंगे। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि आने वाला सप्ताह आंकड़ों के लिहाज से अपेक्षाकृत हल्का है, ऐसे में वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक स्थिति ही बाजार को दिशा देंगी। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा 19 अगस्त को जारी किया जाएगा, जिससे अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत रुख को लेकर अहम संकेत मिलेंगे। यदि फेडरल रिजर्व का रुख अपेक्षा से अधिक आक्रामक दिखाई देता है, तो इससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी बढ़ सकती है, जिससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और बढ़ जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि निवेशक कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखेंगे। कच्चा तेल, भू-राजनीतिक घटनाक्रम, एफओएमसी की बैठक का ब्योरा और चीन के आर्थिक आंकड़े इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाले प्रमुख संकेतक होंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार में 14 अरब का उछाल, चार माह के शीर्ष पर

लगातार छठे सप्ताह हुई वृद्धि, 07 अरब के पार पहुंचा कुल भंडार

मुंबई।

केंद्र सरकार द्वारा निर्यात बढ़ाने और भुगतान संतुलन सुधारने के लिए उठाए गए कदमों का सकारात्मक असर अब दिखने लगा है। बीते 7 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.13 अरब डॉलर की भारी बढ़ोतरी के साथ 707 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। यह लगातार छठा सप्ताह है जब भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार 7 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.136 अरब बढ़कर 707.002 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह लगातार छठी साप्ताहिक बढ़ोतरी है और भंडार को चार महीने के शीर्ष पर ले गई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 10.512 अरब की अच्छी-खासी वृद्धि दर्ज की गई थी। हालांकि, यह अभी भी 27 फरवरी 2026 के 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर से कुछ नीचे है। इस वृद्धि में विदेशी मुद्रा आस्तियों और स्वर्ण भंडार का अहम योगदान रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियों में 9.946 अरब का इजाफा हुआ, जिससे यह 574.625 अरब डॉलर हो गया।

इंडियन बैंक कारोबार विस्तार हेतु जुटाएगा 1 अरब डॉलर

120वीं वर्षगांठ पर नई शाखाएं व डिजिटल पहल शुरू

चेन्नई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक अपने कारोबार विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत इस सप्ताह बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से 40 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए तैयार है। बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि बैंक की कुल योजना ईसीबी से लगभग एक अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर-बी) जमा से लगभग दो अरब डॉलर जुटाने की है, जिसमें से 1.5 अरब डॉलर पहले ही प्राप्त हो चुका है। अे धिकारी के अनुसार, बैंक दिसंबर 2026 तक भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती अदला-बदली सुविधा का लाभ उठाते हुए अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर भी जुटा सकता है। एफसीएनआर-बी जमा के बेहतर प्रवाह को देखते हुए, आरबीआई ने निर्धारित समय से पहले ही विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत जमा जुटाने की अवधि समाप्त कर दी है। हालांकि, ईसीबी और अन्य विदेशी मुद्रा उधारी के लिए समयसीमा 31 दिसंबर, 2026 तक बनी हुई है। वित्तीय विस्तार के साथ, इंडियन बैंक ने हाल ही में अपनी 120वीं स्थापना दिवस (15 अगस्त को) मनाया। इस अवसर पर, बैंक ने देश भर में 15 नई शाखाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया और साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए आईबी साइबर कैप्टन नामक एक शुभंकर पेश किया। इसके अतिरिक्त, बैंक ने डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से तीन भाषाओं में वॉयस बैंकिंग सेवा सहित कई नई डिजिटल पहल भी शुरू कीं।

सरकारी खरीद में महंगाई का नया पैमाना, डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई अपनाने का निर्देश

– उत्पादक स्तर पर कीमतों का सटीक आकलन, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बदलाव

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने अपनी खरीद प्रक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव की पहल की है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को भविष्य के सरकारी अनुबंधों में मूल्य-वृद्धि और दर समायोजन के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने का निर्देश दिया है। यह कदम सरकारी ठेकों में लागत समायोजन को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। व्यय विभाग ने पिछले माह एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर मंत्रालयों और विभागों को पीपीआई उपलब्ध होने पर इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया था। सरकार का मानना है कि पीपीआई उत्पादक स्तर पर मूल्य परिवर्तनों को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक रूप से स्वीकृत सूचकांक है। यह कदम परियोजना के दौरान सामग्री, श्रम और ईंधन जैसी प्रमुख लागत में बदलाव के अनुसार भुगतान समायोजन सुनिश्चित करेगा, जिससे सरकार और ठेकेदार दोनों के लिए महंगाई के प्रभाव को साझा करने में मदद मिलेगी। भारत में वाणिज्य मंत्रालय ने जून 2023 से वस्तुओं और सेवाओं के लिए मासिक पीपीआई आंकड़े जारी करना शुरू कर दिया है। वस्तुओं के पीपीआई में विनिर्मित उत्पादों का सर्वाधिक 69.93 प्रतिशत भारांश है, जबकि कृषि, बिजली और खनन का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

सेवा क्षेत्र में बैंकिंग, बीमा, रेलवे, हवाई यात्री सेवाओं और दूरसंचार सहित सात प्रमुख सेवाओं को पहले चरण में शामिल किया गया है। यह पहल भारत को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की प्रणाली के अनुरूप लाएगी और डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर संभावित दीर्घकालिक बदलाव का संकेत देती है।

शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ घटा

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान अभी भी नंबर वन पर

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का रुख रहा, जिसके चलते सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बड़ी कमी आई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को इस दौरान सबसे अधिक नुकसान झेलना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 0.83 प्रतिशत के नुकसान में रहा। इस गिरावट का असर शीर्ष कंपनियों पर स्पष्ट दिखा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टीसीएस के बाजार पूंजीकरण में कमी दर्ज की गई। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्य में कुल मिलाकर करीब एक लाख करोड़ रुपये की कमी हुई। टीसीएस का मार्केट कैप सर्वाधिक 34,263.28 करोड़ रुपये घटकर 8.53 लाख करोड़ रुपये रह गया।

वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 31,869.13 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 25,891.88 करोड़ रुपये घट गया। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में बढ़ोतरी हुई।

ई20 माइलेज के लिए अकेला जिम्मेदार नहीं, मिलावट के दावे भी खारिज- सरकार

-मंत्रालय ने बताया- माइलेज कई कारकों पर निर्भर, मिलावट के दावे भी बेबुनियाद

नई दिल्ली ।

ई20 पेट्रोल से जुड़े माइलेज में कमी और मिलावट के आरोपों पर केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि वाहनों के माइलेज में गिरावट के लिए सिर्फ ई20 को जिम्मेदार ठहराना गलत है। मंत्रालय ने ईंधन में मिलावट के दावों को भी बेबुनियाद बताया। मंत्रालय के अनुसार वास्तविक परिस्थितियों में माइलेज ड्राइविंग की आदतें, ट्रैफिक, गाड़ी का रखरखाव, टायरों में हवा का दबाव और एयर-कंडीशनर के उपयोग जैसे कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है। सरकार ने माना है कि ई10 के हिसाब से बनी पुरानी गाड़ियों में ई20 से 3 से 5 प्रतिशत तक मामूली कमी आ सकती है। ई20 पेट्रोल को लॉन्च से पहले गहन परीक्षण किया गया था, जिसमें इंजन की मजबूती और कंपैटिबिलिटी जांची गई थी। ई20 पेट्रोल में कथित मिलावट या दूषित ईंधन की शिकायतों को भी खारिज किया गया है। तेल कंपनियों ने देशभर में किए गए परीक्षणों में क्लोराइड या नमी का कोई सबूत नहीं पाया। रिफाइनरियों, डिस्टिलरियों और डिपो से लिए गए सैकड़ों सैंपल में क्लोराइड का स्तर निर्धारित सीमा से कम था। लगभग 90,000 पेट्रोल पंपों के भूमिगत स्टोरेज टैंकों की जांच में भी पानी घुसने का कोई मामला नहीं मिला।

अगले हफ्ते 50 शेयरों में डिविडेंड से कमाई का मौका- पेज इंडस्ट्रीज की बंपर आय

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगले सप्ताह शानदार मौका आ रहा है, जहाँ 17 से 21 अगस्त, 2026 के बीच कुल 50 कंपनियां एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) कैलेंडर के अनुसार, ये कंपनियां निवेशकों के लिए डिविडेंड, स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू की घोषणा कर चुकी हैं। इस सूची में बैंकिंग, फाइनेंस, गैस, ऑटो और कंज्यूमर जैसे विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को अच्छी कमाई का मौका देंगी।

इन 50 कंपनियों ने मिलकर कुल मिलाकर प्रति शेयर लगभग 929 रुपये तक का भारी डिविडेंड घोषित किया है। विशेष रूप से, 17 अगस्त को द यमुना सिंडिकेट लिमिटेड 500 रुपये का फाइनल डिविडेंड और एसकेएफ इंडिया लिमिटेड 20 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगा। बंधन बैंक लिमिटेड भी इसी दिन 1.50 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड देगा।

18 अगस्त को महानगर गैस लिमिटेड 18 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगा, जबकि रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) भी 0.71 रुपये का फाइनल डिविडेंड पेश करेगा।

अगले दिन, 19 अगस्त को, पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने निवेशकों को 200 का भारी अंतरिम डिविडेंड देकर आकर्षित करेगा, वहीं बाटा इंडिया लिमिटेड भी 25 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगा।

सप्ताह के अंत में, 20 अगस्त को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड 4.62 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगा। इसके बाद, 21 अगस्त को एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 10 रुपये का फाइनल डिविडेंड और जिंदल स्टील लिमिटेड 2 रुपये का फाइनल डिविडेंड वितरित करेगा। इन डिविडेंड घोषणाओं के अलावा, किर्लोस्कर न्यूमैटिक कंपनी जैसे कुछ शेयर स्टॉक स्प्लिट और ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स जैसे बोनस इश्यू के लिए भी एक्स-डेट पर जाएंगे, जिससे निवेशकों को विविध लाभ मिलने की उम्मीद है। यह सप्ताह बाजार में सक्रिय निवेशकों के लिए खास रहने वाला है।

विदेशी करेंसी की मांग में छोटे शहर बने नए ग्रोथ इंजन- रिपोट

टियर-2 और टियर-3 शहरों की कुल हिस्सेदारी 53 फीसदी

नई दिल्ली ।

भारत में विदेशी करेंसी (फॉरेक्स) की मांग अब केवल देश के मेट्रो शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि छोटे शहर इसके नए ग्रोथ इंजन के रूप में उभरे हैं। थॉमस कुक इंडिया की फॉरेक्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, विदेशी मुद्रा की कुल मांग में टियर-2 और टियर-3 शहरों की संयुक्त हिस्सेदारी आधे से ज्यादा (53 फीसदी) हो गई है, जो टियर-1 शहरों से अधिक है। यह आंकड़ा भारत में आर्थिक विकास के विकेंद्रीकरण और छोटे शहरों के निवासियों की बढ़ती वैश्विक आकांक्षाओं को दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि समीक्षाधीन अवधि में, अकेले टियर-2 शहरों की हिस्सेदारी 41 फीसदी रही, जबकि टियर-3 शहरों का योगदान 12 फीसदी था, जिससे संयुक्त हिस्सेदारी 53 फीसदी हो गई। इसके विपरीत, मेट्रो शहरों सहित टियर-1 शहरों का योगदान 47 फीसदी रहा। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि उभरता हुआ भारत फॉरेक्स ग्रोथ के अगले चरण को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहर कुल मांग के आधे से जे यादा हिस्से का योगदान कर रहे हैं। फॉरेक्स की मांग का सबसे बड़ा हिस्सा घूमने-फिरने (पर्यटन) से जुड़ा है, जिसकी कुल ट्रांजैक्शन में 57त्न हिस्सेदारी थी। कॉर्पोरेट यात्रा का योगदान 27 फीसदी और छात्रों की विदेश यात्रा का 16 फीसदी रहा। यह दर्शाता है कि भारतीय अब सिर्फ व्यापार या पढ़ाई के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यटन के लिए भी विदेशों का रुख कर रहे हैं। उम्र के हिसाब से, 25-40 साल के आयु वर्ग ने फॉरेक्स के इस्तेमाल में सर्वाधिक (37 फीसदी) योगदान दिया, इसके बाद 41-60 साल के यात्रियों (36 फीसदी) का स्थान रहा। मिलेनियल्स और जेन-एक्स मिलकर फॉरेक्स के उपयोग का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा बनाते हैं, जबकि वरिष्ठ यात्री (60+ साल) भी 21 फीसदी के साथ महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुद्राओं की पसंद में, अमेरिकी डॉलर 49 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा। यूरो और ब्रिटिश पाउंड जैसी यूरोपीय मुद्राओं की हिस्सेदारी 23 फीसदी थी। एशियाई मुद्राएं (थाई बहत, सिंगापुर डॉलर) 11 फीसदी और मिडिल ईस्ट की मुद्राएं (यूएई दिरहम, सऊदी रियाल) 9 फीसदी हिस्सेदारी रखती हैं।

लागत से नीचे बिक्री से सोयाबीन, सीपीओ और पामोलिन तेलों में गिरावट, सरसों भी प्रभावित

आयातकों द्वारा बैंक कर्ज चुकाने का दबाव सरकारी बैंकों और किसानों के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल बाजार में आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली के कारण बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलिन जैसे आयातित खाद्य तेलों में लगातार गिरावट बनी रही, जिससे घरेलू बाजार की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई और सरसों तेल के दाम भी नीचे आए। इस बिक्री के पीछे आयातकों द्वारा बैंक कर्ज चुकाने का दबाव बताया जा रहा है, जो सरकारी बैंकों और अंततः किसानों के लिए चिंता का विषय बन रहा है।

आयातित तेलों के 22-28 रुपये प्रति किलो सस्ते होने के कारण घरेलू मांग कमजोर रही। इसका असर मूंगफली तेल-तिलहन पर भी पड़ा, जिनकी कीमतें स्थिर रहीं। सरसों तिलहन और तेल में भी कोई खास बदलाव नहीं आया, क्योंकि किसान कम दाम पर बेचने को तैयार नहीं थे और ऊंचे भाव पर तेल खप नहीं रहा था।

इसके विपरीत केवल बिनौला तेल में ब्रांडेड कंपनियों की बढ़ती मांग और कम उपलब्धता के कारण तेजी दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बना रहा। जबकि सरसों तेल दादरी 25 रुपये की गिरावट के साथ 16,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,900-6,950 रुपये और 6,750-6,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,675 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,525 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।

यूनिटेक में 15,000 घर खरीदार फंसे, 15 साल की देरी! एसी से जल्द समाधान की गुहार

खरीदारों ने खाली संपत्तियों की नीलामी और तत्काल नए सीएमडी की मांग की

नई दिल्ली ।

संकट में फंसी रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक लिमिटेड की अटकी परियोजनाओं से जुड़े हजारों घर खरीदारों ने निर्माण कार्यों के लिए धन की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने सरकार और उच्चतम न्यायालय से कंपनी की खाली पड़ी संपत्तियों की नीलामी कर परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा कराने की मांग की है। साथ ही, खरीदारों ने कंपनी के लिए नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) की नियुक्ति जल्द करने की भी अपील की है, क्योंकि यह महत्वपूर्ण पद पिछले एक महीने से खाली पड़ा है। यूनिटेक में सीएमडी का पद पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक युधवीर सिंह मलिक के कार्यकाल समाप्त होने के बाद से रिक्त है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने नए सीएमडी के लिए नाम प्रस्तावित किया है, लेकिन उच्चतम न्यायालय की मंजूरी का इंतजार है। खरीदार संगठनों का मानना है कि इस पद पर नियुक्ति में देरी परियोजनाओं को पूरा करने में सबसे बड़ी बाधा है। दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में यूनिटेक की आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में लगभग 15,000 खरीदार फंसे हुए हैं, जिनमें से कई परियोजनाएं 15 साल से अधिक की देरी से चल रही हैं। गुरुग्राम स्थित एस्पेस प्रीमियर ओनर्स एसोसिएशन जैसी कई खरीदार संघों का कहना है कि उन्हें अपने घरों का 16 साल से अधिक समय से इंतजार है। खरीदारों का अनुमान है कि सभी अटकी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए करीब 11,000-12,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी, जबकि ग्राहकों से केवल 3,000 करोड़ रुपये ही जुटाए जा सकते हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 2,455.73 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया था। यूनिवर्ल्ड चेन्नई ओनर्स एसोसिएशन और एल्डर ग्रोव विला ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने उच्चतम न्यायालय से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने ऋणदाताओं के दावों का पुनर्मूल्यांकन करने और उन पर ब्याज भुगतान रोकने का भी आह्वान किया है। एंथिया फ्लोर्स खरीदार संघ ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से 2005 के बाद यूनिटेक को दिए गए कर्ज का विशेष ऑडिट कराने की मांग की है, ताकि संभावित खामियों की पहचान कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जा सके।

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

ललित गर्ग

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है।

संसदीय मयार्दाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मयार्दा होती है। यदि विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।

अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है।

आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक-एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें? क्या हम अपनी असहमति को इतनी गरिमा दे पाए हैं कि विरोध भी हो और संवाद भी बना रहे? क्या हम सत्ता को इतनी विनम्रता और विपक्ष को इतना विवेक दे पाए हैं कि दोनों मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करें? इन प्रश्नों के उत्तर केवल संसद भवन के भीतर नहीं खोजे जाने चाहिए। राजनीतिक दलों के नेतृत्व, सांसदों, संसदीय कार्यप्रणाली और अंततः हम नागरिकों-सभी को इस पर विचार करना होगा। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में कितनी बार उपस्थित रहा, कितने प्रश्न पूछे, कितनी बहसों में भाग लिया और राष्ट्र के लिए क्या सार्थक योगदान दिया। लोकतंत्र केवल पांच वर्ष में एक बार वोट देने से मजबूत नहीं होता, लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता अपने प्रतिनिधियों से निरंतर जवाब मांगती है। हंगामा किसी दल की विजय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की सामूहिक पराजय है। संसद चलेगी तो प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रश्न पूछे जाएंगे तो सरकार जवाब देगी, जवाब मिलेगा तो नीतियों की समीक्षा होगी और सार्थक कानून बनेंगे। यही लोकतंत्र की जीवन-धारा है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

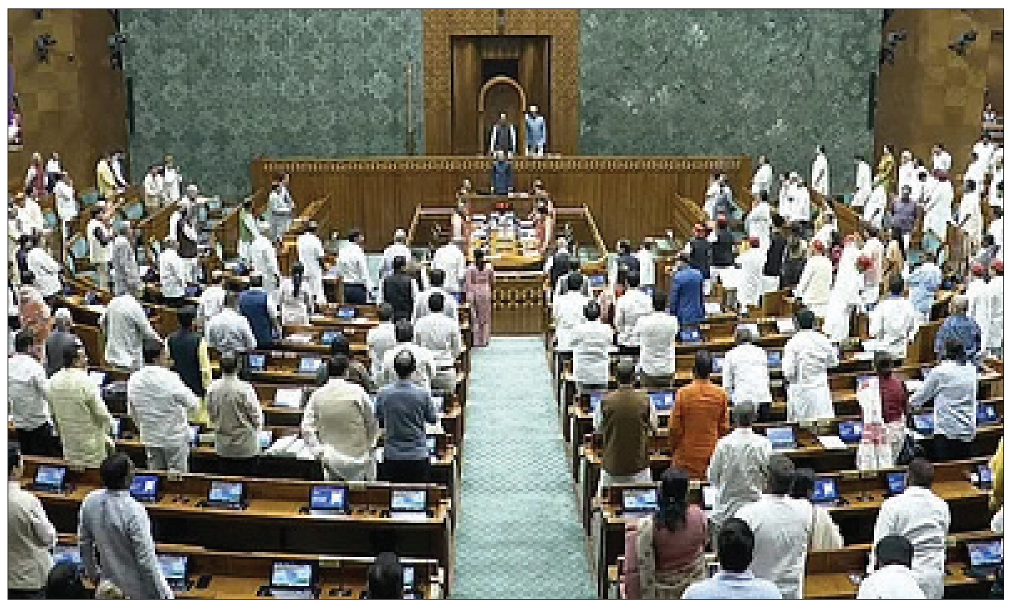

संपादकीय

वी डोंट केयर संसद

राहुल गांधी और अमित शाह बुनियादी तौर पर दोनों लोकसभा सांसद हैं। चूंकि राहुल विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के संसदीय दल के नेता हैं, लिहाजा उन्हें 'नेता प्रतिपक्ष' तय किया गया है। अमित शाह प्रधानमंत्री मोदी की कैबिनेट के सदस्य हैं और उन्हें 'गृहमंत्री' का दायित्व सौंपा गया है। दोनों ही नेता संसद से 'सुप्रीम' नहीं हैं और न ही लोकसभा उनकी बपौती है। दोनों ही संसद के प्रति जवाबदेह हैं और नियम-प्रक्रिया से बंधे हैं। दिल्ली में छात्र, युवा आंदोलन के बाद गृहमंत्री अमित शाह संसद में दिखाई नहीं दिए। संसद भवन के अपने चैंबर में उपस्थित रहना और सदन में मौजूदगी बिल्कुल विपरीत स्थितियां हैं। गृहमंत्री को दोनों सदनों में बयान देकर आंदोलन के दौरान, उसके बाद और प्रदर्शनकारियों पर बर्बर हमलों को लेकर पहले ही स्पष्टीकरण दे देना चाहिए था। यह उनका संवैधानिक दायित्व था। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष यह मांग लगातार करता रहा कि गृहमंत्री सदन में आएं और बताएं कि पैलेट गन क्यों चलाई गई? कीलों वाली लाठियां क्यों भांजी गईं? किसने आदेश दिया था? गृहमंत्री के लिए 'गायब, लापता, भगोड़े, भाग गए' सरीखे शब्द विपक्ष ने इसीलिए इस्तेमाल किए, क्योंकि न तो गृहमंत्री सामने आए और न ही बयान दिया। इन अमर्यादित, असंसदीय शब्दों की नौबत नहीं आनी चाहिए थी। नतीजा यह हुआ कि संसद की कार्यवाही निरंतर स्थगित होती रही। मॉनसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और बुधवार, 12 अगस्त, तक 18 दिनों की बैठकें हुईं, लेकिन लोकसभा में कुल 17 घंटे भी काम नहीं किया जा सका। विपक्ष के हंगामे, शोर, नारेबाजी के बीच ही 59 मिनट में 9 बिल ध्वनि-मत से पारित करने पड़े। हरेक बिल पर औसतन 3-5 मिनट खर्च किए गए और किसी भी बिल पर कोई चर्चा नहीं की गई। राज्यसभा में भी करीब 31 फीसदी काम किया जा सका। इन 18 दिनों में देश के करदाताओं के 118 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पर पानी फेर दिया गया, जबकि सांसदों के भत्ते 'अलग खर्च' हैं। क्या इसी तरह देश का पैसा फूंकने और बिना चर्चा के बिल पारित करने को ही संसद बनी है? यहां यह भी प्रासंगिक है कि हमारी संसद अब साल में औसतन 50-65 दिन ही जुटती है और उस दौरान भी हंगामा मचा रहता है। अमरीका, ब्रिटेन, जापान जैसे देशों में संसद साल में 140-160 दिन काम करती है। यह तुलना हमारे अधिकतर 'माननीय' नहीं जानते होंगे! बहरहाल जब मॉनसून सत्र 'साइनेडाई' (अनिश्चित काल के लिए स्थगित) होने को आया, तो गृहमंत्री अमित शाह सामने आए और हर सवाल का जवाब देने की बात कही। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब सदन में हंगामा मच रहा था, कार्यवाही लगातार स्थगित करनी पड़ रही थी, तो वह सदन में आकर क्या करते?

चिंतन-मनन

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईर्ष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वंद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वंद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वंद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, ह्रदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

नाग पंचमी : प्रकृति के प्रति सम्मान और सह-अस्तित्व का पर्व

सुनील कुमार महला

भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है-नाग पंचमी। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में नाग पंचमी का पावन पर्व 17 अगस्त (सोमवार) को मनाया जाएगा। जानकारों के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 16 अगस्त को दोपहर 4:52 बजे से शुरू होकर 17 अगस्त को शाम 5:00 बजे समाप्त होगी, और उदया तिथि के कारण यह त्योहार 17 अगस्त को ही मनाया जाएगा। इस दिन नाग की पूजा की जाती है। दरअसल,नागों(सर्पों) को प्रकृति, शक्ति, सुरक्षा, उर्वरता और पर्यावरणीय संतुलन के प्रतीक माना गया है। इस पर्व का धार्मिक महत्व है। भगवान शिव ने अपने गले में नाग धारण कर रखा है, उनके गले में नाग का विराजमान होना उनके प्रकृति और समस्त जीव-जगत के साथ सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है। भगवान विष्णु की शेषनाग पर शयन मुद्रा भी नागों के धार्मिक महत्व को दशार्ती है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, सुरक्षा और कल्याण की कामना की जाती है। जीव-जंतुओं का भारतीय संस्कृति में हमेशा हमेशा से महत्वपूर्ण व अहम् स्थान रहा है और जीव-दया, जीवों के प्रति करूणा, सह-अस्तित्व की भावना हमारे देश की संस्कृति रही है। नाग या सर्प खेतों में चूहों जैसे कृंतकों की संख्या नियंत्रित करके फसलों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए सर्पों को किसान का मित्र कहा जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि सर्प विभिन्न जीवों की आबादी को नियंत्रित करके खाद्य-श्रृंखला(फूड चेन) को संतुलित रखते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र और जैव-विविधता को बनाए रखने में सर्पों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि,यह बात अलग है कि सर्प स्वयं भी बाज, उल्लू, नेवला, मोर और अन्य जीवों के भोजन का हिस्सा हैं। इसलिए उनका अस्तित्व खाद्य-जाल की अनेक कड़ियों को प्रभावित करता है। प्रकृति का अपना एक सिस्टम है और इस सिस्टम में हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े जीव की अपनी भूमिका व महत्व है और सर्प भी उनमें से एक है, लेकिन आज सर्पों को मार दिया जाता है और प्रकृति चक्र को डिस्टर्ब कर दिया जाता है,यह ठीक नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो सर्पों से भय के कारण उन्हें मार देना पर्यावरणीय दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। यदि हम सर्पों को मारेंगे तो धरती पर चूहों और कृंतकों की संख्या बढ़ सकती है, फसलों पर दबाव बढ़ सकता है, जैसा कि चूहे और अन्य कृतंक बीज, अनाज और पौधों को अधिक नुकसान पहुँचा सकते हैं। सर्प नहीं होंगे तो इससे हमारी खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो जाएगी, क्यों कि सर्प मोर, नेवला और अन्य शिकारी पक्षियों का भोजन हैं,जो पर्यावरण और प्रकृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सर्प नहीं होंगे तो हमें चूहों व अन्य कृतंकों से फसलों को बचाने के लिए रासायनिक उर्वरकों, पेस्टीसाइड्स , दवाओं का इस्तेमाल करना पड़ेगा, जिससे रासायनिक उपायों पर निर्भरता बढ़ सकती है, इसलिए इनको बचाना,इनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। आंकड़े बताते हैं कि

भारत में हर वर्ष अनुमानतः 58 हजार लोगों की मृत्यु सर्पदंश से होती है, जिससे भारत विश्व में सर्पदंश मृत्यु के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है; हालांकि उपचार एवं मृत्यु के मामलों की कम रिपोर्टिंग के कारण वास्तविक आंकड़ा अलग हो सकता है, लेकिन बावजूद इसके हमें यह याद रखना चाहिए कि सर्प प्रकृति के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। जैसा कि ऊपर इस

आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि वे चूहों और अन्य कृंतकों की संख्या नियंत्रित कर खेतों तथा खाद्यान्न की रक्षा करने में सहायता करते हैं और खाद्य-श्रृंखला को संतुलित बनाए रखते हैं। सर्प स्वयं भी अनेक पक्षियों और वन्यजीवों के भोजन का हिस्सा हैं, इसलिए उनका संरक्षण जैव-विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। सर्पों के प्रति भय नहीं, बल्कि सावधानी और सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना प्रकृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नाग पंचमी का पर्व हमें नाग जैसे महत्वपूर्ण जीव का संरक्षण कख संदेश देता है। संक्षेप में कहें तो आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और करुणा को जोड़ना ही नाग पंचमी का वास्तविक व असली संदेश है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

अब 'दिमागी नक्सली', प्रधानमंत्री ने छेड़ी नई बहस..!

ऋतुपर्ण दवे

लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 80वें स्वाधीनता दिवस पर उद्बोधन के दौरान विरोधियों पर कसा गया तंज अब नई और राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री की दिमागी नक्सलवाद कह कर की गई टिप्पणी ने नया सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री ने किसे या किन्हें दिमागी नक्सली कहा, क्या विपक्ष और आंदोलनकारी छात्रों को या सरकार पर उंगली उठाने वाले हरेक को या फिर संसद न चलने देने वाले विपक्ष को? निश्चित रूप से इस टिप्पणी पर अभी आगे काफी कुछ सियासत होनी तय है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हथियार उठाने वाले नक्सलियों से तो निपट लिया गया, लेकिन अब देश को ह्यदिमागी नक्सलियोंह्ण से सतर्क रहने और उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलवाद और माओवादी हिंसा ने दशकों तक देश के बड़े हिस्से को प्रभावित किया जिसमें हजारों लोगों की जान गई। उनका इशारा था कि अब इस चुनौती के एक दूसरे स्वरूप यानी दिमागी नक्सलवाद से निपटना जरूरी हो गया है।

प्रधानमंत्री ने अपनी टिप्पणी में दिमागी नक्सली की कोई स्पष्ट या औपचारिक परिभाषा तो दी नहीं और न ही कोई कानूनी परिभाषा बताई। भले ही उनकी टिप्पणी इशारों में रही, लेकिन राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इसके मायने बहुत गहरे हैं। जंतर-मंतर पर हाल ही में जिस तरह कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले छात्र आंदोलन हुआ जो देखते-देखते देश का एक बड़ा और अप्रत्याशित आन्दोलन बन खड़ा हुआ। अब उसके फैलते जाने का अंदेशा भी दिखाई दे रहा है। कहीं उसी पर तो यह टिप्पणी नहीं की? या फिर हाल ही में संसद में लगातार गतिरोध बने रहने और नेता विपक्ष राहुल गांधी के तमाम मंचों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देने की खीझ पर तो निशाना नहीं लगया?

सच यह है कि हाल के दिनों में जेन-जी के जंतर-मंतर पर आन्दोलन के बाद 12 वर्षों में पहली बार मोदी सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा। उससे भी गंभीर और बड़ी बात यह कि इस मुद्दे को विपक्ष खासकर राहुल गाँधी ने लपक लिया और संसद से सड़क तक प्रभावशाली तरीके से उठाया। निश्चित रूप से जेन-जी आन्दोलन के चलते महज युवा ही नहीं बल्कि उनके अभिभावक भी नाराज दिखे। इससे पहली बार लगा कि मोदी सरकार परेशान है। देखते ही देखते छात्रों की पिटाई, बिना वर्दी के पुलिस वालों की मौजूदगी, पैलेट गन और कील लगी लाठियों के उपयोग को राहुल ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया। कहीं दिमागी नक्सली कहकर उनका इशारा इसी पर तो नहीं था?

क्या प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल करके देश को सुरक्षा, वैचारिक स्थिरता और सामाजिक एकता से जुड़ाव रखने का साफ और कड़ा संदेश तो देने की कोशिश तो नहीं की? अपने उद्बोधन के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को हिंसा और अराजकता से दूर रहना होगा और विकास तथा रचनात्मक कार्यो में सहयोग देना होगा। जाहिर है प्रधानमंत्री दिमागी नक्सलवाद के जरिए विरोधियों को लताड़ तो लगा रहे थे। साथ ही रूठे या उनसे नाराज जेन-जी को भी संदेश दे रहे थे कि वो रचनात्मक कार्यों में सहयोग करें। जंगली नक्सली खत्म हो गए हैं लेकिन जो दिमागी नक्सली सिर उठा रहे हैं, उन्हें पहचानने की बात किसके लिए कह गए? उन्होंने आगे जो कहा वह और भी खास है जिसमें जंगल नक्सलियों की जगह अब शहरों, शिक्षण संस्थानों और बौद्धिक मंचों पर सक्रिय दिमागी नक्सल के लेने की बात कह, सरकार का विरोध करने वालों को तिलमिला दिया। उन्होंने इनसे सावधान रहने का आगाह भी किया। हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं जिन्हें पहचानना होगा। उन्होंने साफ किया कि यह वर्ग सीधे हथियार नहीं उठाता, बल्कि अपनी विचारधारा से देश में भ्रम और अराजकता फैलाने की फिराक में रहता है। पहले भी अर्बन नक्सली कहे जाने पर हंगामा हुआ था जिस पर संसद में बताया गया कि संसद में अर्बन नक्सल शब्द की कोई औपचारिक कानूनी परिभाषा नहीं है। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि कानून के तहत इस शब्दावली को परिभाषित नहीं किया गया। हाँ, राजनीतिक बयानों और बहसों में इसका उपयोग अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा और वैचारिक विरोध के संदर्भ में किया जाता है। आगे क्या दिमागी नक्सल पर भी यही होगा।

कॉंग्रेस ने दिमागी नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी को उनकी घबराहट बताया तो प्रधानमंत्री मोदी के दिमागी नक्सल बयान पर कॉकरोच जनता पार्टी की प्रतिक्रिया ने इस मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब सवाल यह है कि सरकार और विपक्ष इस बहस को किस दिशा में ले जाते हैं। राजनीतिक बहस तेज हो गई है। जहाँ सीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उल्टा सरकार से सवाल पूछा कि शिक्षित युवाओं को नक्सली कहना कितना उचित है? साथ ही यह भी चेताया कि कि देश के हर जिले में एक नया जंतर-मंतर जन्म ले रहा है। यह वह जगह होगी, जहां निराश लोगों को उम्मीद और कमजोर लोगों को एकजुट होने की ताकत मिलेगी। सीजेपी ने सत्ता पक्ष पर युवाओं और जेन-जी को बांटने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। सीजेपी की यह टिप्पणी कि इतिहास बताता है कि एकजुट जनता से अधिक शक्तिशाली कुछ नहीं होता, वो बांटेंगे, हम जोड़ेंगे। वो डर फैलाएंगे, हम साहस फैलाएंगे। अब मन डर से मुक्त है और वापसी का रास्ता नहीं है।

जाहिर है कि दिमागी नक्सली को लेकर अभी काफी कुछ बयान, विरोध, हंगामा और बहुत कुछ देखने मिलना तय है। अब यह वक्त ही तय करेगा दिमागी नक्सली वाली टिप्पणी किस पर कितना भारी पड़ती है?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोलंबिया भूकंप : मलबे से निकली उम्मीद, फिर मौत की आगोश में

कोलंबिया (एजेंसी)। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप ने अब तक 290 से अधिक लोगों की जान ली है, जबकि करीब 4,000 घायल हुए हैं। सैकड़ों लोग लापता हैं, और बचावकर्मी लगातार उनकी तलाश में जुटे हैं। इस भीषण त्रासदी के बीच, 32 वर्षीय डेनिएला लार्गो की कहानी ने पूरे देश को एक पल की उम्मीद दी थी। मलबे में करीब 37 घंटे तक फंसी रहने के बाद, उन्हें परेरा शहर में सुरक्षित बाहर निकाला गया था। उनके सकुशल निकलने पर लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की थी, और वे कोलंबिया के लिए एक उम्मीद की किरण बनी थीं। हालांकि, यह खुशी अल्पकालिक साबित हुई। शुक्रवार (14 अगस्त) को गंभीर चोटों के कारण डेनिएला का निधन हो गया। वे अपने पीछे एक 12 वर्षीय बेटा छोड़ गई हैं। उनकी मां ने बताया, मैं बस यही चाहती हूं कि यह सब जल्द खत्म हो जाए। डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, अभी भी 320 से अधिक लापता लोगों की तलाश जारी है। भूकंप से 86 इमारतें पूरी तरह ढह गईं, जबकि 1500 से ज्यादा घरों, 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को नुकसान पहुंचा है। देशभर में सात हवाई अड्डों पर परिचालन रोक दिया गया है और पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी है। राष्ट्रपति ने राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के लिए आपातकालीन समिति की बैठक बुलाई है।

करीबा झील में नाव डूबी, 72 की मौत, 18 बच्चे भी शामिल

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे की करीबा झील में हुए नौका हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हुई है, जिसमें हाल ही में 26 और शव बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 18 बच्चे भी शामिल हैं। तेज लहरों के कारण यह पुरानी नौका पलट गई थी। यह नौका करीबा शहर से ग्रामीण इलाकों और मछुआरा समुदायों की बस्तियों की ओर जा रही थी, जहाँ सड़कें क्षतिग्रस्त हैं और सार्वजनिक परिवहन के साधन बहुत कम हैं। अनुमान है कि नौका में 153 यात्री सवार थे, जबकि प्राधिकारियों के अनुसार इसकी क्षमता केवल 90 यात्रियों की थी। जिम्बाब्वे की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि 77 लोगों को बचाया गया है। हालांकि, प्राधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि नौका में कुल कितने लोग सवार थे या कितने लोग लापता हैं। मृतकों में शामिल बच्चों में 16 की उम्र 10 वर्ष या उससे कम थी, और सबसे छोटा बच्चा मात्र एक वर्ष का था।

दक्षिणी लेबनान पर इजराइल ने किए हवाई हमले, 7 लोगों की मौत

बैरूत (एजेंसी)। दक्षिणी लेबनान पर शनिवार तड़के हुए इजराइल के हवाई हमले में सात आम लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हुए हैं। लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने जानकारी देते हुए बताया कि बचावकर्मी और चिकित्सक अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह हवाई हमला 26 जून को लेबनान और इजराइल के बीच घोषित ''फ्रेमवर्क समझौते'' के बाद से सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। इस समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की वापसी के बदले ईरान समर्थित हिज्बुल्ला संगठन को निरस्त्र करने की योजना तय की गई थी।

पहले 900 लोगों को नौकरी से निकाला, अब खुद तलाश रहे जॉब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की ऑनलाइन मॉर्गेज कंपनी बेटर डॉट कॉम के संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल गर्ग एक बार फिर दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गए हैं। करीब पांच साल पहले उन्होंने एक वीडियो मीटिंग के जरिए एक झटके में करीब नौ सौ कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया था, जिसके बाद उनके कामकाज के तरीके और फैसले की वैश्विक स्तर पर भारी आलोचना हुई थी। अब समय का पहिया ऐसा घूमा है कि हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। जिस कंपनी की कमान कभी पूरी तरह विशाल गर्ग के हाथों में थी, उसी कंपनी के निदेशक मंडल ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से हटा दिया है। दिलचस्प बात यह है कि अब विशाल गर्ग अपनी वही पुरानी कुर्सी वापस पाने के लिए वकीलों के माध्यम से कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। इसी बीच खुद के लिए जॉब की तलाश भी करने में जुटे है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अमेरिका ने हटाया अंतिम विमानवाहक पोत , अब चीन ने उड़ाया मजाक

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी प्रशासन ने ईरान के साथ जारी संघर्ष और मध्य पूर्व में चल रहे सैन्य अभियानों को प्राथमिकता देते हुए एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अपने अंतिम विमानवाहक युद्धपोत को भी वापस बुला लिया है। इस सामरिक बदलाव पर चीन ने खुली प्रतिक्रिया देते हुए क्षेत्र के कई एशियाई सहयोगी देशों का मजाक उड़ाया है और कटाक्ष किया है कि अमेरिका ने उन्हें धोखा दे दिया है। जानकारी के अनुसार, यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन नामक इस युद्धपोत को अब मध्य पूर्व में तैनात यूएसएस अब्राहम लिंकन के स्थान पर भेजा गया है। इस महत्वपूर्ण फैसले के बाद पश्चिमी प्रशांत महासागर में अमेरिका का एक भी विमानवाहक पोत मौजूद नहीं है, जिससे ताइवान, जापान और फिलीपींस जैसे एशियाई सहयोगी देशों की सुरक्षा चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। मध्य पूर्व में लंबे समय से जारी व्यापक सैन्य अभियानों और तनाव के कारण अमेरिकी नौसेना के जहाजों और सैनिकों पर अत्यधिक दबाव बन गया है। निरंतर समुद्री तैनाती के चलते सैनिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के उसके दावों के बिल्कुल विपरीत है, जिसका सीधा फायदा उठाते हुए चीन क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन का रुस पर बड़ा हमला, रोसकॉसमॉस से जुड़ा समारा सेंटर क्षतिग्रस्त

-राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा- रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए

मास्को (एजेंसी)। रूस के दक्षिण-पश्चिमी समारा क्षेत्र में शनिवार को यूक्रेन ने बड़ा हमला किया, जिसमें औद्योगिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। रूस के एक अधिकारी ने बताया कि वायु रक्षा बलों ने ÷बड़े पैमाने पर÷ मिसाइल हमले को विफल कर दिया, हालांकि शहर के औद्योगिक प्रतिष्ठानों को ÷स्थानीय स्तर पर नुकसान÷ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों को चिकित्सा सहायता दी, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लंबी दूरी के हवाई हमले तेज कर दिए हैं। उसका मकसद युद्ध के लिए मॉस्को के राजस्व में कटौती करना और रूस के लोगों को हमले के परिणामों का एहसास कराना है। रुस-यूक्रेन युद्ध पांचवें साला में प्रवेश कर चुका है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी बलों ने समारा स्थित प्रोग्रेस सेंटर पर हमला किया। यह रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोसकॉसमॉस के तहत काम करता है और रॉकेट प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि इस प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के लिए यूक्रेन में निर्मित फ्लेमिंगो मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। यह स्थान यूक्रेन की सीमा से करीब 900 किलोमीटर दूर है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अग्रिम मोर्चे से करीब 700 किलोमीटर दूर स्थित रूस के सावास्लेइका हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया गया है। जेलेंस्की ने लिखा- शांति की जरूरत है और यह रूस में साफ तौर पर दिखाई देना चाहिए। विशिष्ट प्रतिष्ठानों को ठोस नुकसान के जरिए। यूक्रेन के अधिकांश हमलों की मारक क्षमता 200 किलोमीटर से कम है, लेकिन इस साल उसके लंबी दूरी के हमलों में काफी वृद्धि हुई है।

स्वतंत्र संघर्ष निगरानी संस्था एसीएलईडी के आंकड़ों के मुताबिक यूक्रेन ने जुलाई में इस तरह के हमले जनवरी की तुलना में तीन गुना ज्यादा कर दिए हैं। रूस के अंदर दूर तक बार-बार किए जा रहे हमलों के कारण रूसी सेना को बड़े क्षेत्र में अपनी वायु रक्षा व्यवस्था तैनात करनी पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने रूस के 19 क्षेत्रों के अलावा काला सागर, आजोव सागर और रूस द्वारा कब्जे में लिए गए यूक्रेनी क्षेत्र क्रीमिया के ऊपर यूक्रेन के 598 ड्रोन मार गिराए। स्थानीय अधिकारी आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि वहीं, मॉस्को क्षेत्र के शातुरा शहर में यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक निजी मकान को निशाना बनाए जाने से दो लोग घायल हुए। उन्होंने बताया कि घायलों में नौ साल का एक बच्चा भी शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दूसरी ओर, दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में शनिवार को एक अपार्टमेंट पर रूस के हमले में तीन महीने के एक बच्चे की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। द्निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने कहा कि मारहानत्स शहर में इमारत को ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने शनिवार को देश पर 152 ड्रोन दागे, जिनमें से 124 को नष्ट कर दिया गया।

बेल्जियम में खुदाई में मिला 900 करोड़ का सोना, मजदूरों की आंखें खुली रह गई

बेल्जियम। बेल्जियम में सीवर लाइन की खुदाई कर रहे एक 18 वर्षीय मजदूर सहित उसके साथियों को जमीन के नीचे छिपा करीब 9 मिलियन यूरो भारतीय मुद्रा में (लगभग 900 करोड़ रुपये) का सोना मिला है। यह घटना ब्रसेल्स से करीब 30 किलोमीटर दूर सिंट-गिलिस-डेंडरमोंडे में एक पुरानी शराब बनाने की फैक्ट्री के परिसर में हुई। मजदूरों को शुरुआत में कुछ सिक्के दिखाई दिए. जिन्हें उन्होंने सामान्य एक यूरो के सिक्के समझा। आगे खुदाई करने पर सोने की ईंटें और सिक्के मिलने लगे। जांच में पता चला कि सोना एक पुराने भवन की तहखाने की दीवार में ईंटों के पीछे छिपाकर रखा गया था। खजाने में सोने के सिक्कों के अलावा नंबर वाले गोल्ड बार भी शामिल हैं। मजदूरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पूरा खजाना सुरक्षित सरकारी भंडार में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने सोने के असली मालिक और उसके स्रोत की जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं सोना चोरी या किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़ा तो नहीं है। बेल्जियम कानून के तहत संभावित दावेदारों को अपना अधिकार जताने के लिए पांच वर्ष का समय मिलता है। अभी कोई दावेदार सामने नहीं आया है।

ह्यूस्टन में गूंजा जय हिंद: भारतीय समुदाय ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

ह्यूस्टन (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय समुदाय ने पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। भारतीय महावाणिज्य दूतावास परिसर में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह-सुबह पहुंचे लोगों के लिए परिसर को गेंदों की मालाओं और ध्वज के तीन रंगों की झालरों से खूबसूरती से सजाया गया था।

कार्यक्रम का आरंभ उपस्थित लोगों द्वारा एक स्वर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन से हुआ। इसके बाद फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा के बीच ध्वजारोहण हुआ और सभी ने मिलकर राष्ट्रगान जन गण मन गाया। महावाणिज्य दूत डी. सी.मंजूनाथ ने ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्र के नाम दिए संबोधन को पढ़ा। उन्होंने समुदाय को भारत के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया और विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

समारोह में देशभक्ति गीतों का गायन हुआ, विकसित भारत विषय पर विशेष रूप से तैयार चित्रों की प्रदर्शनी लगी और भारत को जानिए प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर ह्यूस्टन विश्वविद्यालय की कुलाधिपति रेणु खटोर, फोर्ट बेंड काउंटी के न्यायाधीश डेनियल वोंग, हैरिस काउंटी की आयुक्त लेस्ली ब्रियोनेस सहित कई निर्वाचित अधिकारियों और नगर निकाय संगठनों के प्रमुखों ने भी भाग लिया। महावाणिज्य दूतावास में कार्यक्रम के बाद, मंजूनाथ ने इंडिया हाउस ह्यूस्टन स्थित ओ. पी. जिंदल सेंटर में आयोजित अन्य समारोह में भी भारतीय समुदाय के नेताओं और सदस्यों के साथ भाग लिया।

इंडोनेशिया में फिर आया 6.5 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें गिरीं; अब तक 47 मौतें

-समुद्र का पानी पीछे हटा तो भागने लगे लोग, सुरक्षित जगह पर रहने की अपील

जकार्ता, (एजेंसी)। इंडोनेशिया में शनिवार सुबह 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इसके करीब 17 घंटे बाद रात को 6.0 तीव्रता का फिर झटका लगा। इससे पहले शाम को 6.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया था। भूकंप के तेज झटकों से कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और कई इमारतें जमींदोज हो गईं। अब तक 47 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप के बाद नागेकेओ इलाके में समुद्र का पानी अचानक पीछे हट गया। इसे सुनामी का संकेत मानकर लोग घबराकर ऊंची जगहों पर भागने लगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिकि शुरुआत में कई तटीय इलाकों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी जिसे कुछ घंटे बाद हटा लिया गया। फिलहाल लोगों से सुरक्षित जगह पर रहने को कहा गया है। पहले भूकंप के बाद इलाके में कई आफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए। अधिकारियों ने लोगों से कहा कि वे फिलहाल क्षतिग्रस्त इमारतों में वापस न जाएं, क्योंकि तेज भूकंप के झटके आ सकते हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कुछ इमारतें गिरती और क्षतिग्रस्त होती दिखाई दे रही हैं। कई लोग भूकंप के बाद घरों और इमारतों से बाहर निकलते नजर आए। हालांकि, इन वीडियो की पुष्टि नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक सिक्का के सेंट पीटर मेजर सेमिनरी में सुबह की प्रार्थना चल रही थी, तभी सभा भवन की छत का एक हिस्सा गिर गया। छात्र और नन घबराकर बाहर भागे। उन्होंने बताया कि जान बचाने की कोशिश में एक पादरी दूसरी मंजिल से कूद गए, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। भूकंप के बाद एहतियात के तौर पर कई अस्पतालों से मरीजों को बाहर निकालना पड़ा। टीवी चैनलों की तस्वीरों में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी मरीजों को स्ट्रेचर पर बाहर ले जाते दिखे। अस्पतालों के बाहर बिस्तर, आईवी स्टैंड और ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए गए। कई जगह खुले में ही अस्थायी इलाज शुरू किया गया।

बता दें इंडोनेशिया करीब 17,500 द्वीपों का देश है। ये द्वीप प्रशांत महासागर के उस इलाके में हैं, जिसे रिंग ऑफ फायर कहा जाता है। यहां धरती के नीचे कई बड़ी भूगर्भीय प्लेटें मिलती हैं। ये प्लेटें लगातार खिसकती रहती हैं। जब दो प्लेटें आपस में टकराती हैं या एक प्लेट दूसरी के नीचे चली जाती है, तो धरती के अंदर जमा दबाव अचानक बाहर निकलता है। इससे भूकंप आता है।

इंडोनेशिया के आसपास समुद्र के नीचे भी ऐसी हलचल अक्सर होती रहती है। अगर समुद्र के नीचे तेज भूकंप आए और उससे समुद्र का पानी अचानक ऊपर-नीचे हो जाए, तो सुनामी आ सकती है।

इसी वजह से इंडोनेशिया में भूकंप, सुनामी और ज्वालामुखी विस्फोट का खतरा दुनिया के कई दूसरे देशों के मुकाबले ज्यादा रहता है।

तालिबान की पाबंदी: 22 लाख लड़कियों का भविष्य और दुनिया की चुप्पी

काबुल (एजेंसी)। अगस्त 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से तालिबान ने अफगानिस्तान में लड़कियों को कक्षा छह से आगे की शिक्षा से वंचित किया है। यह प्रतिबंध अब तक नहीं हटा है, इससे अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बन गया है जहाँ लड़कियों और महिलाओं को माध्यमिक और उच्च शिक्षा से रोका गया है। करीब 22 लाख किशोरियाँ 1,800 दिनों से माध्यमिक शिक्षा से वंचित हैं।

इस पाबंदी के गंभीर परिणाम सामने आए हैं। यूनिसेफ के अनुसार, इन प्रतिबंधों से 2030 तक अफगानिस्तान में 20,000 महिला शिक्षकों और 5,400 स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है। आर्थिक मोर्चे पर देश को हर साल अनुमानित 8.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो रहा है। सितंबर 2025 से तालिबान ने संयुक्त राष्ट्र के कार्यालयों में भी अफगान महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगा दी, और जनवरी 2026 में महिला सरकारी कर्मचारियों का कम किया गया वेतन भी बंद कर दिया गया।

इन पाबंदियों के बावजूद, अफगान महिलाएँ लगातार 'रोटी, काम, आज़ादी' के नारों के साथ विरोध प्रदर्शन करती रही हैं, हालाँकि उन्हें गिरफ्तारियों और यातनाओं का सामना करना पड़ा है। जहाँ खुले विरोध खतरनाक हो गए हैं, वहाँ महिलाओं ने घरों में भूमिगत स्कूलों का अनौपचारिक नेटवर्क बनाकर लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा उठाया है। मुझे सबसे ज्यादा परेशान यह बात करती है कि 1996 में भी ऐसी ही पाबंदी देखी गई थी, लेकिन इस बार दुनिया की विफलता जागरूकता की कमी के कारण नहीं है। हर कोई जानता है कि क्या हो रहा है, फिर भी तालिबान को इसकी कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में दोहा प्रक्रिया तालिबान से वार्ता कर रही है, जिसका उद्देश्य अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय में पुनः शामिल करना है। हालांकि, तालिबान के आग्रह पर महिलाओं और अफगान नागरिक समाज के समूहों को इन मुख्य वार्ताओं से बाहर रखा गया है। मेरी पीढ़ी के लिए स्थितियाँ बदल गई थीं, लेकिन इस पीढ़ी के लिए भी ऐसा होगा, इसकी गारंटी नहीं। अफगान महिलाएँ पिछले पाँच साल से लगातार संघर्ष करके यह दिखा रही हैं कि वे इस प्रतिबंध को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।

ईरान ने कहा- होर्मुज छोड़िए खुद की सुरक्षा करे अमेरिका

-अमेरिका ने कहा था होर्मुज की करेंगे सुरक्षा

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी नियंत्रण स्थापित करने से जुड़े दावे के बाद ईरान और अमेरिका के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। ट्रंप ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान बयान दिया था कि ईरान को पूरी तरह परास्त करने के बाद अमेरिका इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को अपने क्षेत्र के रूप में घोषित करने की योजना रखता है। इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अमेरिकी नेतृत्व को इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य पर बेबुनियाद दावे करने के बजाय अपनी खुद की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में फिर से किसी कैटरिंग ट्रक में छिपने जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

ईरान की ओर से यह तीखा ताना पिछले दिनों तुर्की दौरे से जुड़ी एक चर्चित मीडिया रिपोर्ट के संदर्भ में मारा गया है। दरअसल, कुछ समय पहले नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अंकारा से रवाना होते समय ट्रंप को लेकर सुरक्षा कारणों से रणनीति बदली गई थी। रिपोर्टों के अनुसार, उस वक्त एक बड़े विमान का उपयोग लोगों और मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए किया गया था, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति को एक कैटरिंग यानी खाने वाले ट्रक के जरिए गुप्त रूप से दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया था। इस वाकये की याद दिलाते हुए ईरानी नेताओं ने अमेरिकी प्रशासन पर निशाना साधा है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी नियंत्रण के दावे को ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी ने भी पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते पर किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट, युद्धपोत की तैनाती या चुनावी भाषण के बल पर कब्जा नहीं किया जा सकता। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान किसी भी प्रकार की विदेशी धमकी या शक्ति प्रदर्शन से डरने वाला नहीं है। वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिहाज से यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे अहम रास्तों में गिना जाता है, यही वजह है कि यहां जरा सा तनाव भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में खलबली मचा देता है। मामले के तूल पकड़ने के बाद व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का वह बयान केवल एक मजाक के रूप में दिया गया था। इसके बावजूद, ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज के सामरिक महत्व को लेकर चल रही इस तनातनी ने मध्य पूर्व में कूटनीतिक हलचल को काफी बढ़ा दिया है। दोनों पक्षों की ओर से आ रहे इन तीखे बयानों को भविष्य के रणनीतिक संघर्षों और क्षेत्रीय तनाव के रूप में देखा जा रहा है।

साल 2028 में पृथ्वी पर आएंगे एलियंस, टाइम ट्रेवलर का दावा

लंदन (एजेंसी)। हाल ही में डैरिल डीन नाम के एक शख्स ने खुद को साल 2033 से आया टाइम ट्रेवलर बताते हुए सनसनीखेज भविष्यवाणियां की हैं। डैरिल डीन का दावा है कि उसके पास भविष्य में होने वाली घटनाओं की एक पूरी टाइमलाइन मौजूद है और उसकी भविष्यवाणियां आने वाले समय में हर हाल में सच होकर रहेंगी। उसने पैरानॉर्मल रिसर्च से जुड़े लोकप्रिय एक टीवी चैनल पर बात करते हुए अपने दावों को सही ठहराने के लिए कई भविष्यवाणियों के बारे में बताया है।

डैरिल डीन का कहना है कि वह मूल रूप से साल 2033 का रहने वाला है और थोड़े समय के लिए ही वर्तमान समय में आया था। उसने कहा कि वह दुनिया के हर इंसान को यह समझाने नहीं आया है कि वह सच बोल रहा है, बल्कि वह सिर्फ उन लोगों से बात करना चाहता है जो उसकी बात को गंभीरता से सुनने के लिए तैयार हैं। कथित टाइम ट्रेवलर के अनुसार, भविष्य में कोई भी बड़ा या विनाशकारी युद्ध नहीं होगा। उसने दावा किया कि साल 2028 में एलियंस पृथ्वी पर आएंगे और वे अपने साथ शांति और समृद्धि का एक नया दौर लेकर आएंगे। एलियंस के आने के बाद इंसानों को यह अहसास होगा कि वे आपस में एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, जिससे पूरा विश्व एकजुट हो जाएगा और सभी मतभेद समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा डीन ने यह भी कहा कि 2033 तक दुनिया के सभी मौजूदा धर्म खत्म हो जाएंगे और पूरी मानव जाति सिर्फ एक धर्म को मानेगी।

हालांकि, इस शख्स ने नए धर्म के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया कि वह कैसा होगा या उसके सिद्धांत क्या होंगे। टाइम ट्रैवल की तकनीक को लेकर भी डैरिल डीन ने एक खुलासा किया है। उसका कहना है कि साल 2028 में इंसानों के सामने टाइम ट्रेवल तकनीक के राज से परदा उठा दिया जाएगा और इसी साल दूसरे ग्रहों के जीवों यानी एलियंस की सच्चाई भी दुनिया के सामने आ जाएगी। यह दावा भविष्य में मानवता के लिए एक नई दिशा का संकेत देता है। डीन ने तकनीक का जिक्र करते हुए कहा कि 2019 के अंत में 5जी वायरलेस नेटवर्क शुरू हुआ था, जिसने इंटरनेट स्पीड को तीन गुना बढ़ा दिया था। वहीं, उसने दावा किया कि आने वाले सालों में 6जी इंटरनेट की तकनीक को पूरी दुनिया के लिए पूरी तरह से मुफ्त कर दिया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि दुनिया के हर देश और दूरदराज के इलाकों में लोगों को मुफ्त वाई-फाई की सुविधा मिलने लगेगी, जिससे सूचना और संचार का एक नया युग शुरू होगा।

हालांकि, इस यूट्यूब वीडियो को देखने वाले ज्यादातर यूजर्स कथित टाइम ट्रेवलर के इन दावों से बिल्कुल भी सहमत नजर नहीं आ रहे हैं। कई लोगों ने वीडियो पर कमेंट करते हुए इसे पूरी तरह से फर्जी और कल्पना बताया है। वहीं, अन्य लोगों ने इसकी तुलना पुराने कथित टाइम ट्रेवलर नोआ से करते हुए कहा कि उसकी भविष्यवाणियां गलत साबित होने के बाद वह गायब हो गया था, और यह शख्स भी उसी की तरह झूठ बोल रहा है। मालूम हो कि भविष्य की दुनिया कैसी होगी और आने वाले सालों में इंसानी सभ्यता में क्या बड़े बदलाव होंगे, इसे लेकर अक्सर नई-नई थ्योरीज और दावे सामने आते रहते हैं।

जामुन खाने से सेहत ही नहीं, सुंदरता में भी आता है निखार

काले, मीठे, रसीले और स्वाद भरे जामुन...बारिश के मौसम में आते ही, हर मन पर राज करते हैं और इसका स्वाद चखे बिना कोई नहीं रह पाता। स्वाद में जितने लाजवाब, उतने ही बेशकीमती हैं इसके सेहत एवं सौंदर्य लाभ। जानिए जामुन के 7 बेहतरीन लाभ -

काले-काले, मीठे और रसीले जामुन किसे पसंद नहीं होते। स्वाद में यह जितने लाजवाब हैं, सेहत और सौंदर्य के लिए भी उतने ही फायदेमंद। क्या आपको पता हैं इसे बेमिसाल लाभ अगर नहीं पता तो जरूर जान लीजिए इसके बेहतरीन फायदे...

- जामुन और आम का रस बराबर मात्रा में मिलाकर पीने से मधुमेह के रोगियों को लाभ होता है। यह त्वचा का रंग बनाने वाली रंजक द्रव्य मेलानिन कोशिका को सक्रिय करता है, अतः यह रक्तहीनता तथा ल्यूकोडर्मा की उत्तम औषधि है।
- गठिया के उपचार में जामुन बेहद उपयोगी है। इसकी छाल को खूब उबालकर बचे हुए घोल का लेप घुटनों पर लगाने से गठिया में आराम मिलता है। इसमें मौजूद तांबा शीघ्र अवशोषित होकर रक्त निर्माण करने में सहायक है।
- मुंह में छाले होने पर जामुन का रस लगाने, पीने एवं जामुन के पत्तों का चबाने से बहुत जल्दी लाभ होता है। जामुन के पत्तों को अच्छी तरह से चबाकर थूकते रहें। छाले गायब हो जाएंगे।
- जामुन का रस, शहद, आंवले या गुलाब के फूल का रस बराबर मात्रा में मिलाकर एक-दो माह तक प्रतिदिन सुबह के वक्त सेवन करने से रक्त की कमी एवं शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। यौन तथा स्मरण शक्ति भी बढ़ जाती है।
- जामुन के एक किलोग्राम ताजे फलों का रस निकालकर ढाई किलोग्राम चीनी मिलाकर शरबत जैसी चाशनी बना लें। इसे एक ढक्कनदार साफ बोतल में भरकर रख लें। जब कभी उल्टी-दस्त या हैजा जैसी बीमारी की शिकायत हो, तब दो चम्मच शरबत और एक चम्मच अमृतधारा मिलाकर पिलाने से तुरंत राहत मिल जाती है।
- भूख न लगने की स्थिति में कुछ दिनों तक जामुन के रस का सेवन आश्चर्यजनक रूप से फायदेमंद साबित होता है। वहीं कब्ज और पेट संबंधी रोगों में जामुन का सिरका चमत्कारिक लाभ देता है।
- विषैले जंतुओं के काटने पर जामुन की पत्तियों का रस पिलाना चाहिए। काटे गए स्थान पर इसकी ताजी पत्तियों का पुल्टिस बांधने से घाव स्वच्छ होकर ठीक होने लगता है, चूंकि, जामुन के चिकने पत्तों में नमी सोखने की अद्भुत क्षमता होती है।

विशेष: इतना ध्यान रहे कि अधिक मात्रा में जामुन खाने से शरीर में जकड़न एवं बुखार होने की संभावना भी रहती है। इसको कभी खाली पेट नहीं खाना चाहिए और न ही इसके खाने के बाद दूध पीना चाहिए।

एक गिलास दूध में 1 चम्मच शहद मिलाकर पीएं मिलेंगे जबरदस्त फायदे

हम सभी जानते हैं कि दूध और शहद दोनों ही हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद हैं। शहद में विटामिन-ए, बी और सी पाया जाता है। इसमें ढेर सारे एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। इसके अलावा शहद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भरपूर होता है। शहद में फैट नहीं होता, इसलिए यह वजन घटाने में मदद करता है। शहद कुछ सामान्य बीमारियों जैसे- सर्दी, जुकाम आदि में भी काफी फायदेमंद होता है।

दूध एक संपूर्ण आहार है। जिसमें विटामिन ए, विटामिन बी और डी की पर्याप्त मात्रा होती है। इसके अलावा ये कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड से भी भरपूर होता है। दूध के सेवन से हड्डियां और दांत स्वस्थ रहते हैं। यह भी कहा जाता है कि दूध पीने से तनाव दूर होता है और यह शरीर को हाइड्रेड रखता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अलग-अलग सेवन के बजाय अगर आप दूध और शहद का सेवन एक साथ करें, तो ये आपके लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं। जी हां, गुनगुने दूध में शहद मिलाकर पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आइए आपको बताते हैं इसके ढेर सारे लाभ।

बेहतर होता है पाचन

शहद एक प्रीबायोटिक आहार है, जो पाचन को बेहतर बनाता है। शहद पाचन तंत्र में उपयोगी बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देता है। इसलिए जब आप शहद के साथ हर दिन दूध का सेवन करते हैं, तो ये आपको पाचन क्रिया में काफी मदद करता है। इसके नियमित सेवन से आपको सूजन, कब्ज और ऐंठन जैसे समस्याओं से छुटकारा मिलता है और आप स्वस्थ रहते हैं।

स्टेमिना बढ़ाते हैं दूध और शहद

ठंडे दूध में शहद मिलाकर पीने से आपका स्टेमिना (शारीरिक क्षमता) बढ़ता है। सुबह एक गिलास दूध के साथ शहद पीने से आपको कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन और अन्य आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। एक गिलास दूध और एक चम्मच शहद आपको पूरे दिन एनर्जी से भरपूर रखेंगे। शहद मेटाबॉलिक रेट और शारीरिक प्रक्रिया को बढ़ाता है, ये आपको काम करने के लिए पर्याप्त सभी ऊर्जा देने में आपकी मदद करता है।

त्वचा की देखभाल करता है

शहद और दूध के मिश्रण में कई ऐसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो आपकी त्वचा को चिकना और चमकदार बनाते हैं। इसमें प्रोटीन्स, अमीनो एसिड्स, विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। दूध और शहद पीने के साथ-साथ इससे नहाने से भी त्वचा स्वस्थ रहती है और निखार आता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में 150 मिलीग्राम दूध और 2 चम्मच शहद मिलाकर नहाएं। इस तरह नहाने से त्वचा का संक्रमण मुंहासे और प्रदूषण के कारण होने वाले त्वचा रोगों से छुटकारा मिलता है।

हड्डियों को रखता है स्वस्थ

उम्र बढ़ने के साथ ही बहुत लोगों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। ऐसे में दूध और शहद उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जिनकी हड्डियां कमजोर हैं या जिन्हें हड्डियों से जुड़ी बीमारियां हैं। दूध में कैल्शियम की मात्रा भरपूर होती है, जो हड्डियों के लिए आवश्यक तत्व है। शहद और इसके एंजाइम शरीर में पोषक तत्वों को रेगुलेट (प्रवाहित) करने में मदद करते हैं। कैल्शियम वाले आहारों के सेवन से दांत भी मजबूत और स्वस्थ रहते हैं।

अच्छी नींद के लिए दूध और शहद

आजकल बहुत से लोग तनाव या मानसिक चिंता की वजह से ठीक से सो नहीं पाते हैं। युवाओं में देर रात तक जागने और मोबाइल के इस्तेमाल के कारण स्लीप एप्निया (अनिद्रा) की समस्या काफी बढ़ गई है। नींद की कमी कई तरह के शारीरिक और मानसिक रोगों को बढ़ावा देती है। अगर आप एक गिलास गुनगुने दूध में शहद मिलाकर पीते हैं, तो आपको रात में अच्छी और गहरी नींद आती है।

रेसिपी

लहसुनी दाल

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप
- इमली का पेस्ट: 1/4 कप
- हरी मिर्च: 1-2
- लहसुन: 10 कलियां
- तेल : 1 बड़ा चमच्च
- राई: 1 छोटा चमच्च
- कढ़ी पत्ता: 6-7
- हरा धनिया
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

लहसुनी दाल बनाने के लिए सबसे पहले, दाल को प्रेशर कुकर में पानी और हल्दी के साथ पका लें। पकने के बाद उसे ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक कढ़ाई में हरी मिर्च को बिना तेल के फ्राई कर अलग रख दें। अब एक मिक्सर में दाल, हरी मिर्च, लहसुन, इमली का पेस्ट और नमक डाले और पीस लेंगे। अब कढ़ाई में तेल गरम करें। इसमें राई और कढ़ी पत्ता डालें। 10 सेकंड बाद इसमें पीसी हुई दाल डाले और गैस बंद कर दे। बंद करने के बाद, हरे धनिए से गार्निश करें।

तवा पुलाव

सामग्री

- चावल: 1/2 कप
- तेल या मक्खन: 1 चम्मच
- जीरा: 1/2 चम्मच
- प्याज बारीक काटा: 1/4 कप
- अदरक:लहसुन पेस्ट- 1 चम्मच
- टमाटर: 1/3 कप
- पावभाजी मसाला: 1 बड़ा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- शिमला मिर्च: 1/4 कप बारीक कटी
- सीजनल सब्जियां (आलू, गाजर, बींस, मटर): 3/4 कप
- हरी धनिया: बारीक कटी
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

चावल को धोकर अच्छे से पका लें। सारी सब्जियों को काटकर हल्का उबाल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। उसमें जीरा डालकर तड़काएं। अब इसमें प्याज डालें और उसे सुनहरा भूरा करें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर भूनेंगे। फिर टमाटर और नमक डालकर नरम होने तक पकाएं। अब इसमें सभी उबली हुई सब्जियों को डाल दें। ऊपर से पावभाजी मसाला डालें और पानी डालकर थोड़ी और देर पकाएं। पानी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो। अब इसमे चावल डालेंगे और ऊपर से बारीक कटी हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1809

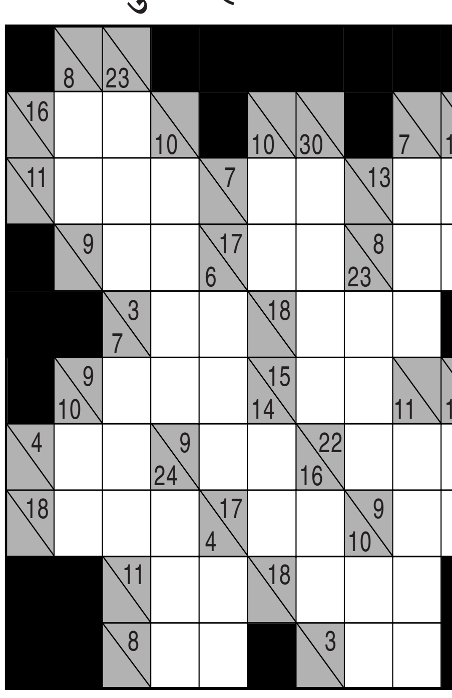

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

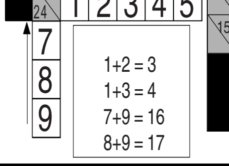

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1808 का हल

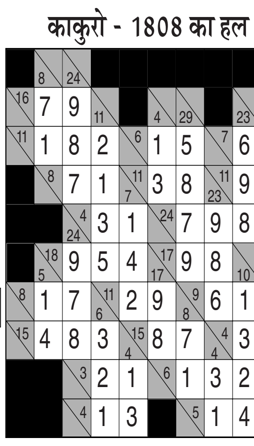

हंसी के फूव्वारें

एक बार एक सेठ बीमार पड़ गया. उसकी हालत मरने की-सी हो गई. पूरा परिवार उसके चारों ओर एकत्र था. सेठ ने अपनी पत्नी को बुलाकर पूछा-'बड़ा लड़का कहां है?'

'यहीं है!'

'मंझला?'

'यहीं है.'

'और छोटा?'

'यहीं है.'

'तो फिर क्या दुकान बन्द पड़ी है?' सेठ ने चारपाई से उठते हुए पूछा.

▯ ▯ ▯

एक जहाज का कप्तान डेक से फिसल कर समुद्र में गिर गया. एक नाविक ने अपनी जान हथेली पर रखकर उसे बचा लिया.

'मैं तुम्हें क्या इनाम दूं!' कप्तान ने पूछा.

'श्रीमान!' नाविक हाथ जोड़ते हुए बोला-'सबसे अच्छा इनाम तो यह होगा कि आप इस घटना का जिक्र किसी से न करें. वरना बाकी नाविक मुझे उठाकर समुद्र में फेंक देंगे.'

▯ ▯ ▯

जज, कैदी से- 'तुम्हें कल फांसी दी जाएगी, तुम्हारी कोई आखिरी इच्छा है?'

कैदी-'जी हाँ.'

जज-'क्या?'

कैदी-'जी मेरी जगह आप फांसी पर लटक जाइये!'

फिल्म वर्ग पहेली- 1809

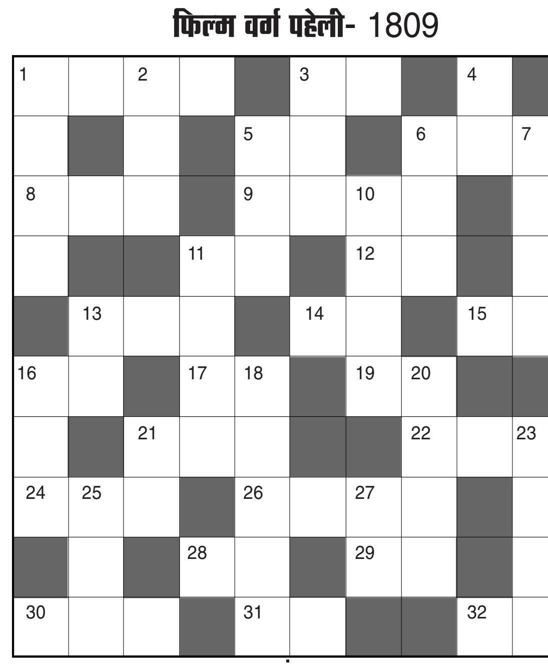

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1808

सूडोकु -1809

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1808 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 1809

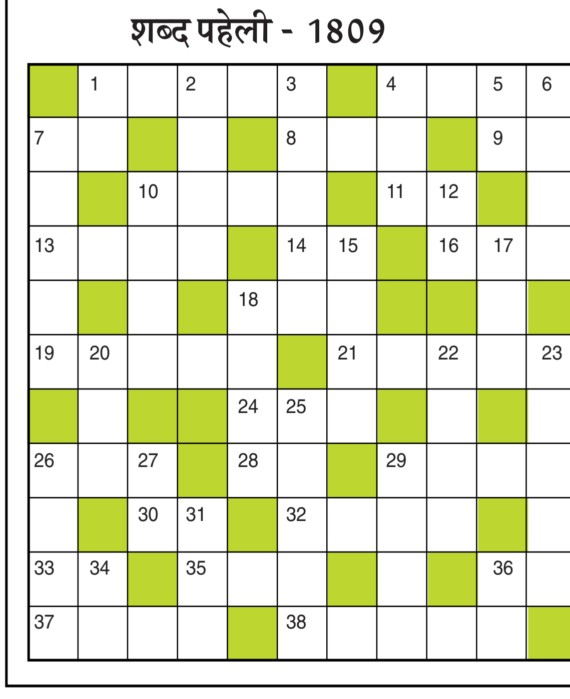

बाएँ से दाएँ

1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा,रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी,कमला-2
13. ध्वनिहीनता,शांति-4
14. देवता,देव-2
16. प्रणाम,नमस्कार-3
18. रुधिरहीन,कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला,ईश्वर-5
24. प्रेम,चाहना-3
26. वन,अरण्य,जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल,मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा,सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह,प्रातःकाल-2
37. जोकर,विदूषक-4
38. संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता,बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर,निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट,खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म,दुष्कर्म-4
20. गाड़ी,यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार,व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा,आनंद-2
36. भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली - 1808 का हल

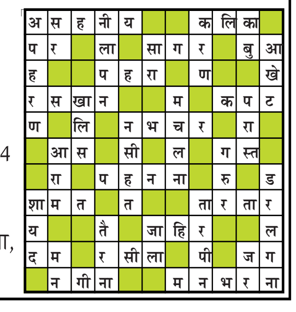

पं. बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बंद्योपाध्याय की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत

एजेंसी

कोलकाता। बीरभूम जिले के रामपुरहाट से तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक और पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बंद्योपाध्याय की रविवार सुबह रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव रामपुरहाट शहर स्थित उनके घर से सटे पार्टी कार्यालय में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले पार्टी कार्यालय की खिड़की से आशीष बंद्योपाध्याय को फंदे से लटका देखा। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, आशीष बंद्योपाध्याय से अनेक पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की थी। उनका घर रामपुरहाट के पांच नंबर वार्ड के हाटतला पाड़ा इलाके में है। 2026 के विधानसभा चुनाव में रामपुरहाट से भाजपा के ध्रुव साहा के हाथों चुनाव हारने के बाद आशीष बंद्योपाध्याय सक्रिय राजनीति से कुछ हद तक दूर हो गए थे।

असम में बाढ़ का प्रभाव पांच जिलों के 235 गांवों तक सिमटा

राहत वितरण केंद्रों पर 5892 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं।

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ का प्रभाव अब पांच जिलों तक सिमटकर रह गया है। स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। प्रभावित लोग जीवन को फिर से पटरी पर लाने के लिए पूरजोर कोशिश में जुटे हुए हैं। सरकार मदद के संभव प्रयास कर रही है। प्रशासन मुख्य रूप से स्कूलों की व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है। बाढ़ प्रभावितों के सामने बड़ी चुनौती मुंह बाए खड़ी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 15 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रहीं है। बाढ़ में जान गंवाने वालों की 105 तक पहुंच गई है। बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान शिवसागर जिले में हुआ है। प्रभावित जिलों में गोलाघाट, होजाई, नगांव, शिवसागर एवं जोरहाट हैं। इन जिलों के 16 राजस्व मंडलों के कुल 235 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 62443 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 4954.43 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए अभी भी कुल 28 राहत शिविर एवं 9 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 37 शिविर क्रियान्वित रखे हैं। राहत शिविरों में 4877 लोग आश्रय लिए हुए हैं। राहत वितरण केंद्रों पर 5892 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। बाढ़ में राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन आदि एजेंसियां जुटी हुई हैं। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

असम में बाढ़ पीड़ितों के लिए बनेगी व्यापक पुनर्वास योजना, सीएम सरमा ने की बड़ी घोषणा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए एक व्यापक पुनर्वास योजना तैयार कर रही है। इस योजना में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और बार-बार आने वाली बाढ़ का सामना करने के लिए असम को बेहतर ढंग से तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा कि सरकार तुरंत राहत उपायों से आगे बढ़कर लंबे समय के पुनर्वास, पुनर्निर्माण और बाढ़ से निपटने की क्षमता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान का तेजी से डिजिटल आकलन अधिकारियों को पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाने और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि प्रभावित परिवारों तक बिना किसी अनावश्यक देरी के सहायता पहुंचे। सीएम सरमा ने कहा कि पुनर्वास पैकेज में घर और आजीविका की बहाली के कई जरूरी पहलू शामिल होंगे।

आज के दौर का भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र : मुख्यमंत्री डॉ यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज के दौर का भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज हमारा देश दुनिया के सामने अपने सामर्थ्य, पुरुषार्थ और पराक्रम की नई-नई कीर्ति गाथाएं लिख रहा है। ऐसे नेतृत्व की हमारी आवश्यकता की आस वर्षों बाद पूरी हुई है। आज भारत की सेना देश के दुश्मनों को उनकी सीमा के अंदर जाकर मारने की हिम्मत रखती है। यह वर्तमान का शक्तिशाली भारत है। समयऔर कैलेंडर मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाम स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ पर भोपाल के रविंद्र भवन में संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित आजादी का महापर्व कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में फिल्म जगत की प्रख्यात गायिका पद्मश्री कविता कृष्णमूर्ति द्वारा ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में एक से बढ़कर एक देशभक्ति से जुड़े गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव कविता कृष्णमूर्ति के गीत सुने और कार्यक्रम में सभी नागरिकों को स्वतंत्रता की वर्षगांठ की बधाई दी।

राम मंदिर में शुरू हुआ रामलला का झूलनोत्सव

अयोध्या। सावन शुक्ल तृतीया तिथि को श्रीराम जन्मभूमि परिसर में झूलनोत्सव की नई परंपरा का शुभारंभ हो गया। भव्य पालकी यात्रा में पहली बार श्री रामलला की उत्सव मूर्ति को राम मंदिर में मंदिर से कुबेर टीला तक वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मंगलध्वनि के बीच निकली गई। उल्लेखनीय है कि अब तक श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्रत्येक वर्ष सावन शुक्ल पंचमी से झूलन उत्सव मनाने की परंपरा रहीं है, लेकिन इस वर्ष से तृतीया तिथि से इसका शुभारंभ किया गया है। मंदिर प्रशासन के अनुसार यह नई परंपरा हर वर्ष की जाएगी। इस यात्रा में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास उपस्थित रहे और पूरे विधि-विधान से कुबेर टीला ले गए। कुबेर टीला पर स्थित प्राचीन वृक्ष पर भगवान श्री रामलला को झूलन में झूला झुलाया गया। कुबेर टीला पर प्रथम झूलन के बाद रविवार से रामलला की उत्सव मूर्ति मंदिर के गर्भगृह में झूले पर विराजमान होकर प्रतिदिन भक्तों को दर्शन देगी। भक्त मंदिर में दर्शन करेगें। झूलनोत्सव के दौरान विशेष श्रृंगार, पूजन और आरती का आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़ के दुर्गम अबूझमाड़ के 9 गांवों में पहली बार लहराया तिरंगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के घोर माओवाद प्रभावित बस्तर संभाग के अबूझमाड़ में नौ गांवों में आजादी के बाद पहली बार स्वतंत्रता दिवस मनाया गया और पूरे सम्मान के साथ तिरंगा लहराया। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक संदीप पटेल ने बताया कि नक्सलमुक्त होने के बाद बोटेर के साथ ही कोरसकोडो, हचेकोटी, आदनार, बोटेर, कुमनार, दिवालुर, गुंडेकोट, रेकापाल और रासमेटा में तिरंगा लहराते ही ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी, गर्व और नए विश्वास की झलक दिखाई दी। कभी जहां लाल आतंक का प्रभाव था, वहां अब भारत माता की जय के उद्घोष के बीच राष्ट्रीय ध्वज आसमान में लहराता नजर आया। सुरक्षा कैंप की स्थापना के बाद ग्रामीणों को सुरक्षा का अहसास हुआ है।

भारत रत्न' और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर सीएम योगी समेत कई मुख्यमंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई राज्य के मुख्यमंत्रियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका निधन 16 अगस्त, 2018 को हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'राष्ट्रनिष्ठा, लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्श राजनीति के शिखर पुरुष, पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। अटल जी ने अपने ओजस्वी चिंतन, मर्यादित आचरण और कर्मनिष्ठ जीवन से भारतीय लोकतंत्र में शुचिता, राजनीति में नैतिकता तथा राष्ट्रसेवा के उच्च आदर्श स्थापित किए। उनका संपूर्ण जीवन 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का जीवंत उदाहरण है। राष्ट्रोन्नति के प्रति उनके अटूट संकल्प आज भी प्रत्येक देशवासी को 'विकसित

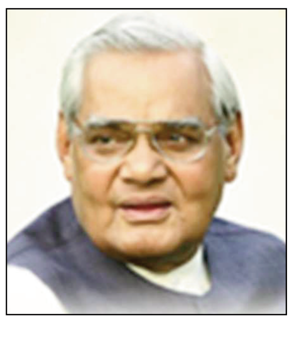

भारत' के निर्माण हेतु निरंतर प्रेरित करते हैं।' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'मां भारती के उपासक, राष्ट्रवादी चिंतक, प्रखर वक्ता, प्रख्यात कवि, लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी एवं हम सभी के प्रेरणास्रोत, देश के पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्रसेवा, सुशासन, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति उनका समर्पण सदैव देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा। ' बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लिखा, 'राष्ट्रसेवा, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रखर प्रहरी, करोड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं के पथ-प्रदर्शक एवं भारत रत्न से सम्मानित श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन। उनका विराट व्यक्तित्व, राष्ट्रहित के प्रति समर्पण, ओजस्वी वाणी और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता सदैव हम सभी को प्रेरणा देती रहेगी। मां भारती की सेवा के लिए उनके विचार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। ' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'पूर्व प्रधानमंत्री, भाजपा के संस्थापक सदस्य एवं 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन। अटल जी ने विचार और सिद्धांत आधारित राजनीति के उच्चतम मानक स्थापित किए। उनके विचारों में राष्ट्रधर्म, वाणी में भारत का स्वाभिमान और कर्म में अंत्योदय का संकल्प था। सुशासन की मजबूत नींव से लेकर पोखरण के साहसिक निर्णय तक, उनका प्रत्येक कदम राष्ट्रहित और भारत के सामर्थ्य को समर्पित रहा। ' राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीति में शुचिता के आदर्श पुरुष, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! उनका विराट व्यक्तित्व, राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण और ओजस्वी विचार सदैव देशवासियों को प्रेरणा देते रहेंगे।

अखिलेश ने राम मंदिर चढ़ावे के मुद्दे पर वीडियो गीत के जरिए साधा निशाना, कहा भाजपा के पाप का पैसा नहीं चाहिए

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर राम मंदिर से जुड़े चढ़ावे और दान की राशि को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। अखिलेश ने रविवार को सोशल मीडिया मंच पर एक वीडियो गीत साझा करते हुए भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए और लोगों से कथित तौर पर मंदिर के नाम पर लिए जाने वाले पैसे को स्वीकार नहीं करने की अपील की। वीडियो गीत में राम मंदिर, धर्म-दान पात्र और भाजपा को लेकर कई तीखे सवाल उठाए गए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने वीडियो के साथ लिखा है कि 'राम जी से घात का पैसा, धर्म-दान पात्र का पैसा, भाजपा के पाप का पैसा नहीं चाहिए।'

वीडियो गीत के माध्यम से उन्होंने भाजपा पर मंदिर की आस्था और चढ़ावे से जुड़े धन को लेकर सवाल उठाए हैं। अखिलेश ने अपने वीडियो संदेश में लोगों से कहा है कि यदि भाजपा की ओर से कोई पैसे का लालच दिखाए तो उससे सवाल किया जाए कि मंदिर का पैसा क्यों चुराया गया और मंदिर की प्रतिष्ठा क्यों गिराई गई। अखिलेश यादव द्वारा साझा किए गए वीडियो गीत का पूरा कंटेंट इस प्रकार है- राम जी से घात का पैसा धर्म-दान पात्र का पैसा भाजपा के पाप का पैसा नहीं चाहिए। नहीं चाहिए ऐसा पैसा। ऐसा पैसा नहीं फलेगा, ज़्यादा दिन नहीं चलेगा। जब भाजपा से कोई आए पैसे का लालच दिखलाए तो बैठाकर पूछो- क्यों चुराया मंदिर का मान ज्ञात हो कि राम मंदिर के चढ़ावे और दान की राशि को लेकर समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच पहले भी राजनीतिक बयानबाजी होती रही है।

अचानक बाढ़ में सेना के पांच जवान लापता

भूस्खलन में तीन लोगों की मौत

एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण दिबांग वैली और अपर सुबनसिरी जिलों में अलग-अलग घटनाओं में सेना के पांच जवान लापता हो गए, जबकि भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता बताया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, दिबांग वैली जिले में अचानक आई बाढ़ में पासु पानी स्थित सेना के कैंप के दो शेल्टर बह गए। पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि यह घटना मिपी सर्कल से करीब 25 किलोमीटर दूर हुई। एक बड़े जलस्रोत के अचानक उफान पर आने से आसपास के इलाकों में पानी भर गया। बाढ़ के पानी में 5वीं ग्रेनेडियर्स के सात जवान बह गए। इनमें से दो जवानों को बचा लिया गया, जबकि पांच अभी लापता हैं। लापता जवानों की पहचान हवलदार उपेंद्र, कुंदन, विनोद, आदित्य और समुंडा के रूप में हुई है। लापता जवानों की तलाश में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें अभियान चला रही हैं। 5वीं ग्रेनेडियर्स की दो खोज एवं बचाव टीमें भी अभियान में शामिल हैं। इसके अलावा इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस की 58वीं बटालियन, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स की 62 आरसीसी, अरुणाचल प्रदेश पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवक भी राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग कर रहे हैं। दुर्गम इलाकों में तलाशी अभियान जारी है। साथ ही सेना के कैंप और अन्य बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इस बीच, अपर सुबनसिरी जिले के नाचो इलाके में भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति अभी लापता है। मलबे से तीन शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की पहचान टाडू बाकी, ताजी राय और बाबुल अली के रूप में हुई है।

सीतापुर में सीएम योगी का ऑपरेशन एक्शन

चौकी इंचार्ज निलंबित, एसएचओ खिलाफ जांच शुरू

एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के किशोरी की मौत के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की है। यूपी में अपराध करेंगे तो कार्रवाई होगी और अपराधियों को बचाने की कोशिश हुई तो जिम्मेदार भी नहीं बचेंगे। कोतवाली देहात क्षेत्र में किशोरी का पेड़ पर लटका शव मिलने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। वहीं पुलिस की लापरवाही पर चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया गया है और एसएचओ के खिलाफ जांच शुरू है। योगी सरकार की निगरानी में पुलिस ने मामले में तेजी से कार्रवाई की है। तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण हैंगिंग बताया गया है। जांच में सामने आने वाले हर तथ्य को गंभीरता से लिया जा रहा है। सरकार का रुख स्पष्ट है कि अपराधी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून के शिकंजे से बच नहीं सकता। सीतापुर मामले में कार्रवाई केवल आरोपियों तक सीमित नहीं रही। पुलिस की भूमिका में लापरवाही मिलने पर चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया गया है, जबकि एसएचओ के विरुद्ध जांच चल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति में अपराध के साथ-साथ कर्तव्य में लापरवाही के लिए भी कोई जगह नहीं है। कानून-व्यवस्था में चूक पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जा रही है। यह कार्रवाई सरकार के उस सख्त संदेश को दोहराती है कि उत्तर प्रदेश में अपराध और अपराधियों के लिए रत्ती भर भी जगह नहीं है। अपराध करने वाला हो, उसे संरक्षण देने वाला हो या कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाला जांच में दोषी मिलने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

कानून-व्यवस्था में चूक पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बड़ा हादसा, चिनाब नदी में गाड़ी पलटने से पांच लोगों की मौत

स्टंट बाइकिंग की घटनाओं में काउंसलिंग, माता-पिता की भूमिका, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द करना और जुर्माना लगाने जैसी कार्रवाई की जाती है।

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में एक गाड़ी के चिनाब नदी में गिर जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पीएमओ में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर कहा, 'दच्छन इलाके में हुई सड़क दुर्घटना की रिपोर्ट मिलने के बाद मैंने किश्तवाड़ के डीसी पंकज कुमार शर्मा से बात की। इस दुर्घटना में एक स्कॉर्पियो गाड़ी याइवन में एक गहरी खाई में गिर गई। दुर्भाग्य से, गाड़ी में सवार सभी 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।' जानकारी के मुताबिक, यह दुर्घटना शनिवार सुबह करीब

10:30 बजे हुई। गाड़ी दच्छन में टेंडर नाला के पास याइवन में एक गहरी खाई में गिर गई।

गाड़ी में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की पहचान का खुलासा नहीं किया है। डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी, रियासी, रामबन और उधमपुर जैसे पहाड़ी जिले खतरनाक सड़क दुर्घटनाओं के लिए जाने जाते हैं। विशेषज्ञ इन सड़क दुर्घटनाओं के लिए खराब सड़कों, तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग, रोड रेज और लापरवाही से गाड़ी चलाने जैसी आदतों को जिम्मेदार मानते हैं। ट्रैफिक विभाग ने ऐसी लापरवाहियों की जांच के लिए अधिकारियों की विशेष टीमें तैनात की हैं। जम्मू और घाटी में आरटीओ अक्सर ऐसे अपराधों के लिए मिलने वाली सजा के बारे में जानकारी देते रहते हैं।

अगर कोई नाबालिग गाड़ी चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो माता-पिता को जुर्माने के साथ-साथ जेल की सजा भी हो सकती है। बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने पर गाड़ी का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द किया जा सकता है। वैध ड्राइविंग लाइसेंस होने के बावजूद लापरवाही से गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों का लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। पेट्रोल पंपों को सलाह दी गई है कि वे बिना क्रैश हेलमेट पहने फिलिंग स्टेशन पर आने वाले दोपहिया वाहन चालकों को ईंधन न दें।

सड़कों और हाईवे पर युवाओं द्वारा स्टंट बाइकिंग करना भी ट्रैफिक से जुड़ी एक और समस्या है।

भाजपा नेताओं ने पुण्यतिथि पर अटल बिहारी वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

भाजपा नेताओं ने पुण्यतिथि पर अटल बिहारी वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि, मरांडी बोले- उनके विचार हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे

एजेंसी

रांची। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर रविवार को झारखंड विधानसभा परिसर में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने वाजपेयी को देश का 'अजातशत्रु' बताते हुए कहा कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी उनका सम्मान करते थे। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के गठन का श्रेय अगर किसी एक व्यक्ति को दिया जा सकता है तो वह अटल बिहारी वाजपेयी हैं। मरांडी ने कहा कि वाजपेयी ने झारखंड की अलग राज्य की लंबे समय से चली आ रही मांग को समझा और उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने झारखंड के गठन का रास्ता साफ किया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का राजनीतिक जीवन देश के लिए प्रेरणादायक रहा और उन्होंने मतभेदों के बावजूद सभी को साथ लेकर

चलने की परंपरा कायम की। भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल लोकप्रिय राजनेता ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील कवि भी थे। उनके भाषण सुनने के लिए लोग स्वतः जुटते थे। लोग पैदल और साइकिल से भी उनके विचार सुनने पहुंचते थे। उन्होंने कहा कि राजनीति में कई नेता आए, लेकिन वाजपेयी जैसा समर्पित नेता विरले ही देखने को मिलता है। उन्होंने जीवनभर लोगों को जोड़ने का प्रयास किया।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा कि वाजपेयी भारतीय राजनीति में सुचिता और प्रामाणिकता के सशक्त हस्ताक्षर थे।

वे कार्यकर्ताओं के पथदर्शक, प्रखर वक्ता, कुशल प्रशासक और बेहतरीन कवि थे। रघुवर दास ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अटल जी के विचार और सिद्धांत हमेशा मार्गदर्शन करते रहेंगे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाजपा के संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, रांची की मेयर रोशनी खलखो, महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अभिजीत दिपके ने लगाए आरोप, कहा- सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट कुछ समय के लिए हुआ बंद

एजेंसी

हिंगोली, । महाराष्ट्र के हिंगोली में अपने घर पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दिपके ने सरकारी स्कूलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। अभिजीत दिपके ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'आज, भारत की आज़ादी के 80 साल पूरे होने के मौके पर मैं अपने गांव आया और यहां के स्कूल का दौरा किया। स्कूल की हालत बहुत खराब है। बच्चों के लिए पीने का पानी नहीं है और वॉशरूम की हालत भी बहुत बुरी है। बच्चों ने हमें बताया कि वॉशरूम में भी पानी नहीं आता है। स्कूल की खिड़कियां टूटी हुई हैं और उन्हें अभी तक ठीक नहीं किया गया है। टूटी हुई खिड़कियों को बैनर से ढका गया है। दिपके ने कहा, 'आज सुबह अचानक उनके इंस्टाग्राम अकाउंट का एक्सेस चला गया था। सोशल मीडिया पर स्कूल सुधार अभियान को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। यहां तक कि छोटे बच्चे भी खराब स्कूलों की स्थिति के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। कहीं स्कूल तक सड़क नहीं है, तो कहीं शिक्षकों की कमी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। ये वीडियो बड़ी संख्या में वायरल हो रहे हैं। इसी वजह से कुछ लोग घबराए हुए हैं और सीजेपी का अकाउंट बंद करने या हैक करने का प्रयास किया जा रहा है। '

हालांकि, कुछ समय बाद सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट रिकवर कर लिया गया। इसकी जानकारी खुद अभिजीत दिपके ने दी है।

वहीं, सीजेपी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज प्रधानमंत्री ने लाल किले पर भाषण देते हुए कहा कि हम एक करोड़ लोगों को एआई से जोड़ेंगे। ऐसे ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना काल के दौरान कहा कि हम अभ्युदय योजना चला कर युवाओं को कॉम्पिटेटिव एक्जाम की तैयारी करायेंगे। अभ्युदय योजना का परिणाम शून्य रहा और करोड़ों रुपए भी खर्च हुए। अगर नहीं तो सरकार सलेक्शन डाटा दे। पूछना ये था कि क्या उत्तर प्रदेश योजना की तरह यह भी फ्लॉप साबित होगी?

वनडे वर्ल्ड कप 2027: गांधी जयंती पर होगा वर्ल्ड कप का आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले आईसीसी वर्ल्ड कप 2027 2027 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट का आगाज 2 अक्टूबर 2027 यानी गांधी जयंती के दिन हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने अभी आधिकारिक शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन अंदरूनी चर्चा के अनुसार इस खास दिन से टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से ऐतिहासिक जुड़ाव को देखते हुए इस तारीख को बेहद खास माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत गांधी जयंती के दिन करने पर विचार कर रहा है। महात्मा गांधी ने भारत लौटने से पहले करीब 21 साल दक्षिण अफ्रीका में बिताए थे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले क्रिकेट के इस बड़े टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना उनके शांति और अहिंसा के संदेश को सम्मान देने के तौर पर देखा जा रहा है।

पहले वर्ल्ड कप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अक्टूबर के पहले सप्ताह में अभ्यास मैच खेले जाने थे। नए प्लान के तहत अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के आखिरी सप्ताह में कराया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर से हो सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 टीमों वाला यह टूर्नामेंट करीब 50 दिनों तक चलेगा। इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की योजना है। तीन देशों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

12 शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क शामिल हैं। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मुकाबलों की मेजबानी करेगा। वहीं नामीबिया की राजधानी विंडहोक का राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान भी टूर्नामेंट का हिस्सा होगा।

ऐसा होगा वर्ल्डकप का नया फॉर्मेट

2027 वर्ल्ड कप में फॉर्मेट में भी बदलाव देखने को मिलेगा। शुरुआत में तीन टीमों की सुपर सीरीज होगी, जिसमें से एक टीम बाहर हो जाएगी। इसके बाद 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा और हर ग्रुप में छह टीमें होंगी। ग्रुप चरण के बाद टीमें सुपर सेवन चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद टूर्नामेंट सेमीफाइनल और फाइनल की ओर बढ़ेगा। इस तरह खिताब के लिए टीमों को कई चरणों से गुजरना होगा।

इन 10 टीमों ने पक्की की जगह

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 10 टीमों ने टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। बाकी चार टीमों का फैसला अगले साल होने वाले 10 टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से होगा। इसमें नामीबिया, वेस्टइंडीज और आयरलैंड जैसी टीमें भी हिस्सा लेंगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई। इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया। इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए।उन्होंने कहा कि तैयारी सिर्फ रणनीति, फिटनेस और स्किल तक सीमित नहीं है। टीम में अनुशासन और बेहतर संगठन भी जरूरी है। उनके मुताबिक ऐसी घटना वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है। किट विवाद के बीच पाकिस्तान मैच भी नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 4-1 से जीत दर्ज की। स्टुअर्ट रशमेयर ने 12वें मिनट में इंग्लैंड का पहला गोल किया। इसके बाद सैम वार्ड ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त 2-0 कर दी। सैमुअल हूपर ने 31वें मिनट में तीसरा और जेम्स एलबरी ने 47वें मिनट में चौथा गोल किया। पाकिस्तान की ओर से रेहान अब्दुल अफराज ने 50वें मिनट में एक गोल किया।पाकिस्तान को मैच में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में नहीं बदल सकी।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

बेलफास्ट (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। 299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान को आउट किया।इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है।इससे पहले यह रिकॉर्ड रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी के नाम था। दोनों ने 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 184 रन जोड़े थे। अटल ने 98 रन बनाए और शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। उनके आउट होने के बाद भी रहमत शाह एक छोर पर टिके रहे।रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल के बीच तीसरे विकेट के लिए 210 गेंदों पर 201 रन की साझेदारी हुई।

नोवाक जोकोविच को शुरुआती दौर में ही मिली हार, गर्मी से दिखे परेशान

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी मास्टर्स में भीषण गर्मी और उमस का शिकार हुए 39 वर्षीय नोवाक जोकोविच को अपने शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को अर्जेंटीना के थियागो तिरांते ने ढाई घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। विंबलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के एक महीने से अधिक समय बाद यह जोकोविच का पहला मैच था।

यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे जोकोविच

2023 के चैंपियन जोकोविच ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे सेट में गर्मी ने उन्हें बेहाल कर दिया। दूसरे सेट के 18 मिनट तक चले गेम में संघर्ष करने के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही घुटनों के बल बैठ गए और उन्हें मेडिकल टाइमआउट के साथ-साथ फिजियो व डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने ब्रेक के दौरान लॉकर रूम में जाकर खुद को ठंडा किया। तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नौवें गेम और फिर मैच प्वाइंट पर ड्रॉप शॉट चूकने से तिरांते ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जोकोविच ने स्वीकार किया कि गर्मी और उमस ने उन पर भारी असर डाला और शायद यह सिनसिनाटी में उनका आखिरी मैच था। अब वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे।

पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में सातवें वरीय और फ्रेंच ओपन के उपविजेता फ्लेवियो कोबोली ने मियोमिर केत्मानोविच को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वहीं, मार्टिन लांडालुस ने माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी और अब तीसरे दौर में उनका सामना जोकोविच को हराने वाले तिरांते से होगा।

तूफान के कारण 90 मिनट खेल रूका, इयाला तीसरे दौर में पहुंचीं

महिला वर्ग में फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा इयाला ने तीसरे दौर में जगह बना ली है। इयाला 6-1, 3-0 से आगे थीं, तभी तूफान के कारण 90 मिनट तक खेल रुका रहा और इसी दौरान चोटिल एलेना-गैब्रिएला रूसे (रोमानिया) ने मैच बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रूसे को मैच रुकने से ठीक पहले टखने में चोट के कारण उपचार मिला था। इयाला जिन्होंने इसी महीने वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता था अब नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने तुर्किये की जेनेप सोनमेज को 6-2, 6-3 से हराया। 21 वर्षीय इयाला को हमेशा की तरह फिलीपींस के दर्शकों का भारी समर्थन मिला, जैसा कि उन्हें विंबलडन और टोरंटो के इवेंट में भी मिला था। मैच के बाद इयाला ने कहा कि वह खेल पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रही थीं, लेकिन कोई भी खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वी के चोटिल होकर रिटायर होने से मैच नहीं जीतना चाहता। अन्य महिला मुकाबलों में विंबलडन में चोटिल होने के कारण एक महीने तक कोर्ट से दूर रहीं रोलैंड गैरोस की फाइनलिस्ट माजा चवालिंस्का ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-2, 6-2 से हराया।

गॉल टेस्ट: देवदत्त पडिक्कल ने खेली 167 रन की पारी, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के देवदत्त पडिक्कल ने बड़ा शतक (167) लगाया। वह दूसरे दिन के दूसरे सत्र में विपक्षी स्पिनर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। उनके इस बड़े शतक की मदद से भारत ने दूसरे दिन के तीसरे सत्र की समाप्ति तक 360/9 का स्कोर बनाया। इस बेहतरीन पारी से पडिक्कल ने अपने चयन को सही साबित किया। पडिक्कल पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 131 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे दिन अपने निजी स्कोर में 36 रन और जोड़े। वह 230 गेंदों में 167 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर 162 रन की साझेदारी की। वहीं, राहुल शतक बनाने से चूक गए और 82 रन बनाकर आउट हुए।

इस सूची में शामिल हुए पडिक्कल

पडिक्कल श्रीलंका के खिलाफ नंबर-3 पर खेलते हुए 150 से ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा ऐसा कर चुके थे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ ने 2009 में नंबर-3 पर खेलते हुए अहमदाबाद टेस्ट में 177 रन की पारी खेली थी। वहीं, पुजारा ने 2017 में 153 रन बनाए थे। उन्होंने ये पारी गॉल के ही मैदान पर खेली थी।

नंबर-3 पर खेलते हासिल किए ये मुकाम

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट में शतक लगाने वाले आखिरी भारतीय शुभमन गिल थे, जिन्होंने सितंबर 2024 में चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। पडिक्कल 21वीं सदी में भारत के लिए नंबर-3 पर खेलते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उनसे पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 2002 में दिल्ली में जिम्बाब्वे के खिलाफ 136 रन बनाए थे।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार कंगारू टीम को टेस्ट में हराया

डार्विन। बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट से हराया। बांग्लादेश की यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट जीत है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी चौथे दिन 284 रन पर ऑलआउट हुई जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने शतक लगाया और टीम को मामूली बढ़त दिलाई। ग्रीन का साथ दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं दे सका। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कम लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को जोश हेजलवुड ने पहला झटका दिया। हेजलवुड ने तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। इसके बाद शदमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने बांग्लादेश को आसानी से जीत दिलाई। हक 30 और इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही झटका दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 198 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की पहली पारी 426 रन पर ऑलआउट हुई। इस तरह बांग्लादेश ने 228 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और टीम ने 207 रन के स्कोर पर ही सात विकेट गंवा दिए। इसके बाद ग्रीन ने स्टार्क के साथ मिलकर साझेदारी की और टीम को बढ़त दिलाने में सफल रहे। चौथे दिन लंच ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 243 रन बनाए। लंच ब्रेक के बाद हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को मिचेल स्टार्क के रूप में आठवां झटका लगा। ग्रीन और स्टार्क ने आठवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। तस्कीन अहमद ने स्टार्क को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टार्क 18 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट गंवाकर 161 रन बना लिए थे।

प्रतिका रावल का एशिया कप के लिए चयन, वॉरविकशायर के वनडे कप से हुई बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतिका रावल को आगामी एसीसी महिला एशिया कप के लिए पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके चलते वह इंग्लैंड में वॉरविकशायर के साथ अपने निर्धारित वनडे कप कार्यकाल में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। प्रतिका को स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में हाई-ग्रेड चोट के कारण एशिया कप के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों से भी बाहर हो गई हैं।25 वर्षीय प्रतिका को 19 अगस्त को वॉरविकशायर से जुड़ना था और वह सीजन के बाकी मुकाबलों में टीम का हिस्सा बनने वाली थीं। हालांकि, भारत की ओर से पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप मिलने के बाद अब वह एडबर्गटन नहीं जाएंगी। वॉरविकशायर महिला टीम के मुख्य कोच अली मेडन ने प्रातिका के नहीं जुड़ पाने पर निराशा जताई, लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ उनके अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम प्रतिका का बेसब्री से स्वागत करने की तैयारी कर रही थी और उनके बाहर होने से निराशा हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीजन के बाकी हिस्से में टीम के पास अभी काफी कुछ हासिल करने का मौका है और मौजूदा खिलाड़ियों पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रतिका रावल भारत की 2025 महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य रही हैं। वह अब तक 27 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 1189 रन बनाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में अपने टेस्ट डेब्यू पर अर्धशतक भी लगाया था। हालांकि, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अभी तक भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

30 अगस्त को थाईलैंड से होगा भारत का मुकाबला

प्रतिका अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगी। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद भारतीय टीम तीन सितंबर को हांगकांग और चीन से भिड़ेगी, जबकि बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पांच सितंबर को पाकिस्तान का सामना करेगी। एशिया कप के सभी मुकाबले दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहली बार यूएई इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी...

रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के लिए केप टाउन पहुंचीं फरहाना भट्ट के लिए यह सफर सिर्फ खतरनाक स्टंट्स का नहीं बल्कि खुद से लड़ाई का भी था। खास बातचीत में उन्होंने उस पल को याद किया, जब एक स्टंट के दौरान सब कुछ छोड़कर भारत लौटने तक का मन बना लिया था।

रोहित शेट्टी भी रह गए थे हैरान

शो का पहला ही स्टंट फरहाना को उनके कंफर्ट जोन से बाहर ले गया। वह कहती हैं, 'पहला स्टंट ही मेरे कंफर्ट जोन से बहुत बाहर था। मुझे खुद नहीं पता था कि मैं वो स्टंट कर भी पाऊंगी या नहीं। लेकिन जब मैंने उसे पूरा किया तो रोहित सर भी थोड़ा सरप्राइज थे। वो स्टंट मेरी पहुंच और मेरे कंफर्ट जोन, दोनों से बहुत बाहर था।'

उस पल लगा कि मुझे इंडिया वापस जाना है

फरहाना उस भयावह पल को याद करते हुए कहती हैं, 'एक दिन ऐसा आया था, जब स्टंट के दौरान मेरी जिंदगी का सबसे डरावना पल सामने आया। उस वक्त मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही बात चल रही थी कि बस अब मुझे इंडिया वापस जाना है। मुझे घर जाना है। कुछ पल के लिए मैं पूरी तरह घबरा गई थी। सच कहूं, तो उस वक्त लगा कि अब मुझसे नहीं होगा।'

'खतरों के खिलाड़ी' भी मेरा डर खत्म नहीं कर पाया

जहां कई प्रतियोगी कहते हैं कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनका डर खत्म कर दिया, वहीं फरहाना का जवाब बिल्कुल अलग है। वह साफ कहती हैं, 'मेरा कोई भी फियर दूर नहीं हुआ। मेरे सारे फियर आज भी बरकरार हैं।'

अब छोटी-छोटी बातों पर हंसी आती है

फरहाना आगे कहती हैं, 'एक बड़ा बदलाव शो कारण जरूर आया है। अब मुझे लगता है कि मैं जिंदगी में उन हालात से गुजर चुकी हूं, जहां इंसान मौत के बहुत करीब पहुंच जाता है। इसलिए अब लाइफ में कुछ भी होता है तो मैं उसे बहुत शांत होकर देखती हूं। कई बार तो कुछ परिस्थितियों पर हंसी भी आ जाती है कि अच्छा यह सब हो रहा है, चलो ठीक है।'

रुबिना और करण ने साथ दिया

फरहाना बताती हैं कि शो में रुबिना और करण ने सबसे ज्यादा साथ दिया। वह कहती हैं, 'वैसे तो सभी लोगों ने मुझे सपोर्ट किया, लेकिन अगर नाम लेने हों तो मैं रुबिना और करण का नाम लूंगी। दोनों ने पूरे सफर में मेरा साथ दिया।' साथी कंटेस्टेंट्स को मजेदार टैग देने की बारी आई तो फरहाना ने सबसे पहले अपना ही नाम लिया। वह हंसते हुए कहती हैं, 'ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी।' 'ओवरकॉन्फिडेंट' के सवाल पर उन्होंने किसी का नाम लेने से इनकार कर दिया। 'अंडररेटेड' के लिए उन्होंने अपना और ओरी का नाम लिया। वहीं, 'डेंजरस कॉम्पिटिटर' के लिए खुद को चुना, जबकि सबसे बड़े एंटरटेनर का टैग हर्ष गुजराल को दिया।

बिग बॉस से ज्यादा मुश्किल है 'खतरों के खिलाड़ी'

'बिग बॉस' और 'खतरों के खिलाड़ी 15' की तुलना पर फरहाना कहती हैं, 'खतरों के खिलाड़ी ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि यह शो आपको सिर्फ फिजिकली नहीं मेंटली भी बहुत थका देता है। जब तक आप मानसिक रूप से तैयार नहीं होंगे, तब तक स्टंट कर ही नहीं सकते हैं। हर स्टंट में आपका दिमाग और शरीर दोनों सौ फीसदी काम करते हैं। इसलिए मेरे लिए 'खतरों के खिलाड़ी' ज्यादा थका देने वाला शो रहा।'

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म में विलेन के किरदार में होंगे जैकी श्रॉफ

निर्देशक वामशी पैदिपल्ली के साथ सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'SVC63' की चर्चा बढ़ती जा रही है। एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि बॉलीवुड का एक और मशहूर चेहरा इस फिल्म से जुड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जैकी श्रॉफ, सलमान खान और नयनतारा स्टारर इस फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैकी ने शुक्रवार को मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में वह एक अहम रोल में नजर आएंगे। चर्चाओं के उलट, वह विलेन का रोल नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। दावा यह भी है कि राहुल देव, अभिमन्यु सिंह और अरविंद स्वामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे। इसमें यह भी बताया गया है कि भारत में शूटिंग का शेड्यूल अगस्त के आखिर तक खत्म होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम छोटे से शेड्यूल की शूटिंग के लिए यूरोप जाएगी।

क्या अनिल कपूर निभाएंगे रोल

दिलचस्प बात यह है कि पहले ऐसी खबरें थीं कि अनिल कपूर फिल्म में एक अहम रोल निभाएंगे। हालांकि, इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। अब जैकी श्रॉफ के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की खबरों के बीच, यह साफ नहीं है कि क्या उन्होंने वही रोल लिया है जो पहले अनिल कपूर से जुड़ा था।

ईद पर आ सकती है फिल्म

फिलहाल 'SVC63' के नाम से जानी जा रही यह फिल्म अगले साल ईद पर सिनेमाघरों में आ सकती है। इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी चर्चा है, खासकर इसलिए क्योंकि सलमान बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई फ्लॉप फिल्मों के बाद वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

'SVC63' के अलावा, सलमान के पास 'मातृभूमि' भी पाइपलाइन में है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रोडक्शन पहले ही पूरा हो चुका है। इसे शुरू में अप्रैल में रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया।

भोजपुरी सिनेमा में आउटसाइडर होने पर काजल राघवानी का छलका दर्द

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों चर्चित रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में दिए गए विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि उन्हें इंडस्ट्री में कई बार 'गुजराती' और 'आउटसाइडर' कहकर अलग महसूस कराया गया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री के नामी लोगों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इंडस्ट्री के कई लोगों ने उन्हें बाहरी महसूस करवाया। साथ ही, ये भी इल्जाम लगया कि वे लोगों से रो-रोकर काम मांगती हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने नोट पर किसी का नाम नहीं लिया। अभिनेत्री ने जारी किए गए नोट पर लिखा, 'मैं गुजराती और आउटसाइडर हूं, रो-रोकर सभी से काम मांगती हूं। साथ ही, हमदर्दी ले रही हूं। इन कुछ दिनों में हमारे दर्शकों से जितना मैंने नहीं बोला उससे ज्यादा तो लोगों ने मुझे एहसास करवा दिया गया। अभिनेत्री ने बताया कि वे यूपी, बिहार को अपनी कर्मभूमि मानती हैं। साथ ही, उन्होंने भोजपुरी दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, 'मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैंने कहीं बोला है, तो मुझे इसका सबूत चाहिए कि मैंने कहा बोला है। साथ ही, ये मेरी कर्म भूमि है, मैं हमेशा इस इंडस्ट्री और यहां की जनता की शुक्रगुजार रहूंगी कि उन्होंने मुझे ढेर सारा प्यार दिया और यहां तक पहुंचाया। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे ऐसा लगता है कि मैं यहीं कि रहने वाली हूं, मैंने यहां की हर चीज अपनाई है। 16 साल भोजपुरी इंडस्ट्री में काम किया है और मैं कहना चाहूंगी कि अगर मैंने यहां की जनता, मिट्टी और धरती को तहे दिल से नहीं अपनाया होता, तो इतने सालों तक इंडस्ट्री में काम ही नहीं कर पाती और न ही मुझे कोई यहां पर काम देता। अभिनेत्री ने सभी को वॉर्निंग देते हुए कहा कि अब उन्हें आउटसाइडर कहना बंद कर दें। उन्होंने लिखा, 'अब कुछ लोग मुझे ये सुनाना बंद कर दें कि मैं एक आउटसाइडर हूं या आउटसाइडर का विक्टिम कार्ड खेल रही हूं, लोगों से हमदर्दी या रो-रोकर काम ले रही हूं। मैं तो नहीं मान रही कि मैं आउटसाइडर हूं, लेकिन हां, मुझे ये एहसास करवाया जा रहा है कि मैं बाहरी हूं। क्योंकि आप लोग यूपी बिहार से हैं।'

'सतलुज' विवाद पर जिमी शेरगिल की प्रतिक्रिया

फिल्म 'सतलुज' पर हाल ही में जिमी शेरगिल ने अपना रिएक्शन दिया है। इस फिल्म की रिलीज पर लगी रोक को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो अभिनेता ने कहा कि इतिहास के राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर को दिखाने वाली फिल्में अक्सर मुश्किलों में पड़ जाती हैं, क्योंकि वे छिपे हुए सच सामने लाती हैं। इससे चीजें अपने आप पेचीदा और राजनीतिक हो जाती हैं। जिमी शेरगिल ने क्या कहा? संवेदनशील विषय पर बनी फिल्म 'सतलुज' रिलीज क्यों नहीं हो पाई, जबकि इसी तरह के विषय पर बनी उनकी अपनी पहली फिल्म 'माचिस' को काफी सराहा गया था। जिमी शेरगिल ने इसका दिलचस्प जवाब दिया। फिल्म 'सतलुज' रिलीज विवाद को लेकर शेरगिल ने एक इंटरव्यू में कहा, 'राजनीति होती है और हमेशा होती रहेगी, लेकिन जब ऐसे मुद्दों को उठाया जाता है तो यह अच्छी बात है, क्योंकि इससे हर पहलू खुलकर सामने आता है। जब आप संवेदनशील मामलों के किसी एक पहलू को भी छूते हैं, तो दूसरे छिपे हुए पहलू भी सामने आ जाते हैं। तो, यही इसकी राजनीति है'। जी5 से हटाई गई सतलुज बता दें कि एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म 'सतलुज' पिछले महीने भारत में रिलीज हुई थी, लेकिन सिर्फ दो दिन बाद ही यह भारत में इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं रही। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की जिंदगी पर बनी यह फिल्म तीन साल से ज्यादा समय तक सेंसरशिप में फंसी रही और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसमें 127 से ज्यादा कट लगाने को कहा था।

भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनीं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे सफल और भरोसेमंद स्टार्स में से एक बन गई हैं। स्क्रीन पर शानदार परफॉर्मेंस देने से लेकर एक कामयाब कारोबारी बनने तक इस अभिनेत्री ने फिल्मों से आगे बढ़कर अपना प्रभाव बढ़ाया है। उनकी बढ़ती लोकप्रियता अब लेटेस्ट सेलिब्रिटी ब्रांड रैंकिंग में भी दिखाई दी है, जिसमें वह भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनकर उभरी हैं। क्रॉल की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2025 के अनुसार, आलिया ने दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना जैसी स्टार्स को पीछे छोड़ते हुए देश का सबसे वैल्यूएबल महिला सेलिब्रिटी ब्रांड का स्थान हासिल किया है। जहां शाहरुख खान ने ओवरऑल रैंकिंग में टॉप स्थान बनाए रखा, वहीं आलिया ने 93.9 मिलियन (लगभग 892 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ छठा स्थान हासिल किया। उनकी रैंकिंग उन्हें कई बड़े पुरुष एक्टर्स से भी आगे रखती है। इनमें उनके पति रणबीर कपूर भी शामिल हैं, जो 80 मिलियन (लगभग 761 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ 10वें स्थान पर हैं। टॉप 10 में शामिल होने वाली दूसरी महिला सेलिब्रिटी दीपिका पादुकोण हैं। वह 89.2 मिलियन (लगभग 849.35 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यू के साथ सातवें स्थान पर हैं। आलिया की लगातार तरक्की सिर्फ फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस की वजह से नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में, एक्ट्रेस ने बॉक्स ऑफिस हिट्स से लेकर कारोबार में भी अपनी खास पहचान बनाई है। वह कई ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं।

बनाया अपना ब्रांड

आलिया भट्ट ने बच्चों और माताओं के लिए अपना एक ब्रांड शुरू किया है। उन्होंने कुछ स्टार्टअप्स में भी निवेश किया है। आलिया भट्ट ने फिल्म प्रोडक्शन के जरिए एक्टिंग के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी अपनी काबिलियत साबित की है।

इश्क विश्क रिबाउंड के बाद नये सफर पर पश्मीना रोशन

अभिनेता टाइगर श्रॉफ एक बार फिर जबरदस्त एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक रेमो डिसूजा की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट लगातार मजबूत होती जा रही है। नुसरत भरुचा के बाद अब खबर है कि पश्मीना रोशन भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं और वह फिल्म में प्रमुख महिला किरदारों में से एक निभाएंगी। टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी पश्मीना फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पश्मीना रोशन इस एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाएंगी, जबकि नुसरत भरुचा भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी। फिलहाल निर्माताओं ने उनके किरदार की ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन यह प्रोजेक्ट पश्मीना के करियर का एक बड़ा और रोमांचक कदम माना जा रहा है। पश्मीना रोशन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी 'इश्क विश्क रिबाउंड' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म में आधुनिक रिश्तों, दोस्ती और युवा प्रेम की जटिलताओं को दिखाया गया था। फिल्म में पश्मीना ने रिया का किरदार निभाया था। इसके अलावा कलाकारों में आकर्ष खुराना, शिल्पा विशाल शेट्टी, सुप्रिया पिलगांवकर, शताफ फिगार, अनीता कुलकर्णी समेत कई कलाकार शामिल थे। अब इस नई एक्शन फिल्म के जरिए पश्मीना रोशन रोमांटिक फिल्मों से अलग एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। साथ ही, पहली बार उनकी जोड़ी एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

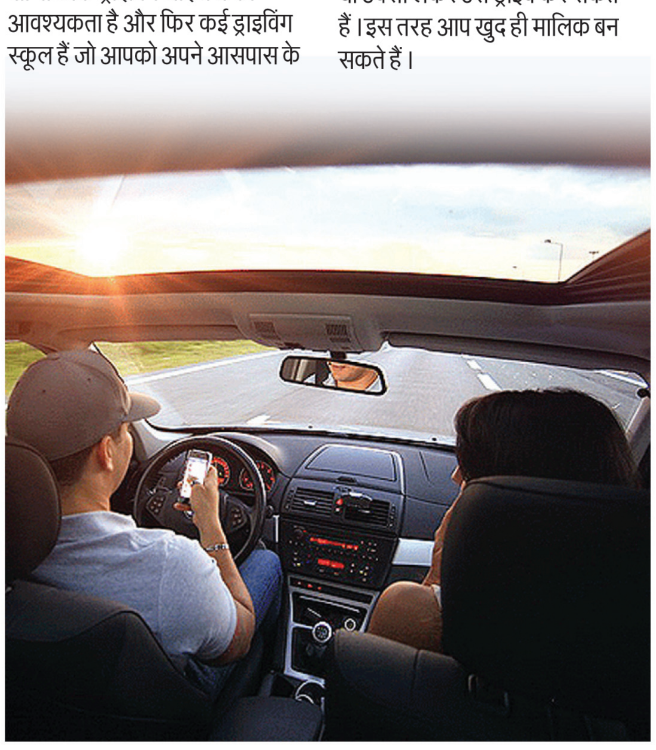

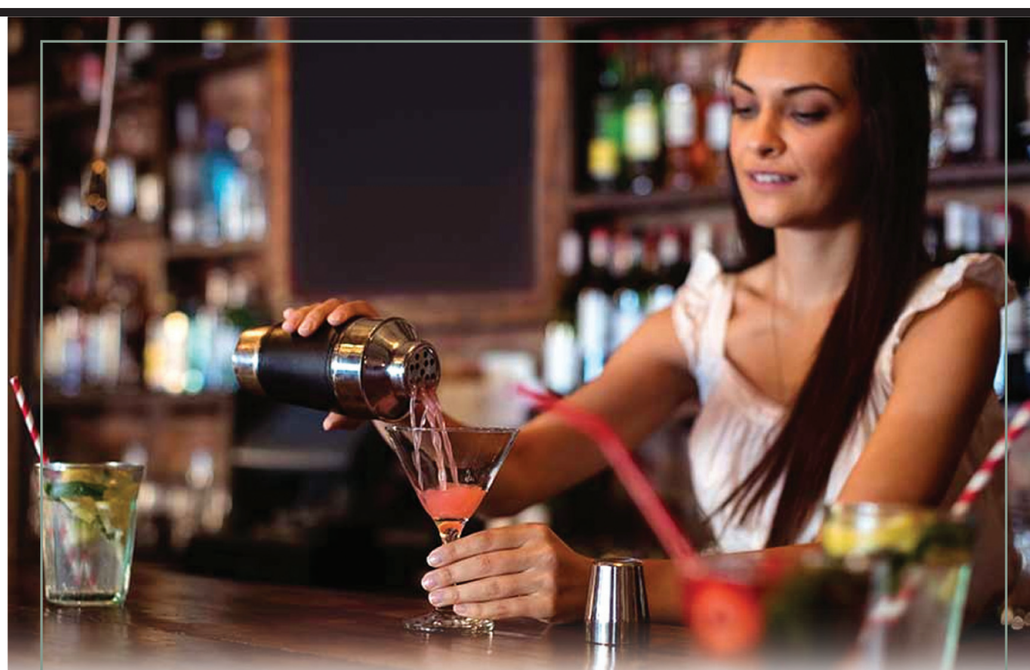

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल ? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं -

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8 :00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।